जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 336 प्रभात जालोर, सोमवार 16 मार्च, 2026 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

केरल, असम, पुडुचेरी में 9 अप्रेल, तमिलनाडु 23 तथा प.बंगाल में 23 व 29 को मतदान

सभी राज्यों में मतगणना 4 मई को, आदर्श आचार संहिता लागू

■ मुख्य चुनाव आयुक्त ने प्रेस कॉन्फ्रैंस में बताया कि पाँच राज्यों में 17.4 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। कुल 824 विधानसभा सीटों में 2.19 लाख मतदान केन्द्र बनेंगे तथा करीब 25 लाख चुनावकर्मी तनाव होंगे।

नई दिल्ली, 15 मार्च। चुनाव आयोग ने रविवार को देश के पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा कर दी। इसके तहत पुडुचेरी, केरल और असम में 9 अप्रैल को एक ही चरण में मतदान कराया जाएगा। वहीं, तमिलनाडु में 23 अप्रैल को एक चरण में वोट डाले जाएंगे। पश्चिम बंगाल में दो चरणों में मतदान होगा, जिसमें 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को वोटिंग कराई जाएगी। सभी राज्यों के चुनाव परिणाम 4 मई को घोषित किए जाएंगे।

मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने आज शाम 4 बजे दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित प्रेस कॉन्फ्रेंस में इसकी घोषणा करते हुए कहा कि संबंधित पांच राज्यों में लगभग 17.4 करोड़ मतदाता अपने मताधिकार का प्रयोग करेंगे। चुनाव के लिए 824 विधानसभा सीटों पर करीब 2.19 लाख मतदान केंद्र बनाए जाएंगे। इस पूरी चुनाव प्रक्रिया को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए लगभग 25 लाख चुनाव कर्मी तैनात किए जाएंगे।

आयोग के मुताबिक, पांचों राज्यों की विधानसभाओं का कार्यकाल अलग-अलग तारीखों पर समाप्त हो रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को खत्म होगा, जबकि तमिलनाडु विधानसभा का कार्यकाल 10 मई तक है। असम विधानसभा का कार्यकाल 20 मई और केरल विधानसभा का कार्यकाल 23 मई को समाप्त होगा। वहीं, केंद्र शासित प्रदेश पुडुचेरी की विधानसभा का कार्यकाल 15 जून तक है।

भारत निर्वाचन आयोग द्वारा पश्चिम बंगाल की 294 विधानसभा सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा होते ही पूरे राज्य में आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है, जो चुनाव प्रक्रिया पूरी होने तक प्रभावी रहेगी।

निर्वाचन आयोग के अनुसार पहले चरण में 152 सीटों पर मतदान कराया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में शेष 142 सीटों पर वोट डाले जाएंगे।

पश्चिम बंगाल में पिछली बार 2021 का विधानसभा चुनाव रिकॉर्ड आठ चरणों में हुआ था, जिसमें कई जगह हिंसा की घटनाएं सामने आई थीं। इससे पहले 2016 और 2011 में छह चरणों में मतदान हुआ था, जबकि 2006 में पांच चरणों में चुनाव कराए गए थे। 2001 के बाद से राज्य में एक ही दिन मतदान नहीं हुआ है।

पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस 2011 से सत्ता में है। ममता बनर्जी के नेतृत्व में पार्टी ने 34 साल पुराने वाम मोर्चा शासन को समाप्त किया था। 2011 के विधानसभा चुनाव में तृणमूल कांग्रेस को 184 सीटें, कांग्रेस को 42 सीटें, वाम दल को 40 सीटें मिली थीं। इसके बाद भाजपा ने राज्य में धीरे-धीरे अपनी राजनीतिक पकड़ मजबूत की।

इसके बाद 2016 के चुनाव में भाजपा को 3 सीट तथा 2021 में भाजपा को 77 सीटें मिली थीं। वहीं, सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने 213 सीटें जीती थीं, जो बाद में उपचुनाव जीतकर 215 हो गईं।

2019 लोकसभा चुनाव में भाजपा ने पश्चिम बंगाल की 42 में से 18 सीटें जीती थीं। हालांकि, 2024 में यह संख्या घटकर 12 रह गई।

चुनाव से पहले मतदाता सूची को लेकर भी विवाद जारी है। तृणमूल कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि लगभग 63 लाख नाम हटाए गए हैं और करीब 60 लाख मतदाताओं को "विवादाधीन" श्रेणी में रखा गया है।

राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि इस बार तृणमूल कांग्रेस सत्ता बचाने के लिए पूरी ताकत लगाएगी, जबकि भाजपा राज्य में पहली बार सरकार बनाने के लक्ष्य के साथ चुनाव मैदान में है। वाम दल और कांग्रेस भी अपनी जमीन वापस पाने की कोशिश में हैं।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

देश की आठ विधानसभा सीटों पर उपचुनाव की घोषणा

नई दिल्ली, 15 मार्च। चुनाव आयोग ने चार राज्य और एक केंद्र शासित प्रदेश में चुनाव की तारीखों का ऐलान कर दिया है। सभी राज्यों में मतदान अप्रैल के महीने में होंगे। इसके साथ ही छह राज्यों की 8 विधानसभा सीटों पर उपचुनाव का ऐलान भी किया गया है। महाराष्ट्र की दो गुजरात की एक विधानसभा सीटों पर उपचुनाव होने हैं। वहीं, गोवा, नागालैंड और त्रिपुरा की एक-एक सीट उपचुनाव होना है।कर्नाटक में दो सीटों पर उपचुनाव होंगे। ये सभी सीटें तत्कालीन विधायकों के निधन से खाली हुई हैं। चुनाव आयोग के अनुसार उपचुनाव दो चरण में होंगे।गोवा, कर्नाटक, नागालैंड और त्रिपुरा में पहले चरण में 9 अप्रैल को वोटिंग होगी। वहीं, महाराष्ट्र और गुजरात में दूसरे चरण में 23 अप्रैल को मतदान होना है।

■ गोवा, कर्नाटक, नागालैंड व त्रिपुरा में मतदान 9 अप्रेल को तथा महाराष्ट्र व गुजरात में 23 अप्रेल को होगा।

अजित पवार की बारामती सीट पर दूसरे चरण में 23 अप्रैल को मतदान होगा। अजित पवार के निधन के बाद उनकी जगह उपमुख्यमंत्री पद की शपथ लेने वाली सुनेत्रा पवार का इस सीट से

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

इज़रायल को बैलिस्टिक मिसाइल इंटरसेप्टर की कमी महसूस होने लगी

अमेरिका के पास पर्याप्त भंडार है, पर अभी स्पष्ट नहीं कि वह इज़रायल को देगा या नहीं

■ पिछले साल गर्मियों में ईरान के साथ हुई झड़पों में बड़ी संख्या में इन्टरसेप्टर इस्तेमाल हो गये थे। इस कारण से उसकी लम्बी दूरी की हवाई रक्षा प्रणाली पर पहले ही दबाव था। मौजूदा संघर्ष में ईरान के लगातार हमलों ने इस दबाव को और बढ़ा दिया।

तेल अवीव/वॉशिंगटन, 15 मार्च। पश्चिम एशिया में जारी सैन्य तनाव के बीच इज़रायल की मिसाइल रक्षा क्षमता पर दबाव बढ़ता दिख रहा है। ईरान की तरफ लगातार हो रहे हमलों के कारण इज़रायल के पास बैलिस्टिक मिसाइल इंटरसेप्टर की कमी होने लगी है।

बताया जा रहा है कि इज़रायल ने इस स्थिति को लेकर अमेरिका को आगाह किया है, जबकि वॉशिंगटन का कहना है कि उसके अपने भंडार फिलहाल पर्याप्त हैं। हालांकि, अभी यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका अपने इंटरसेप्टर इज़रायल को बेचेगा या साझा करेगा।

समाचार समूह टाइम्स ऑफ इज़रायल ने अमेरिकी समाचार वेबसाइट सेमाफोर के हवाले से बताया है कि पश्चिम एशिया में बीते 15 दिनों से जारी संघर्ष के बीच इज़रायल को अपनी मिसाइल रक्षा प्रणाली के लिए जरूरी बैलिस्टिक मिसाइल इंटरसेप्टर की कमी का सामना करना पड़ रहा है। मीडिया रिपोर्टों के मुताबिक, इज़रायल ने इस हफ्ते अमेरिका को जानकारी दी है कि लगातार हो रहे हमलों के कारण उसके इंटरसेप्टर का भंडार तेजी से घट रहा है।

वहीं, रिपोर्ट में कहा गया है कि, अमेरिकी अधिकारियों को पहले से पता था कि इज़रायल पहले से ही सीमित इंटरसेप्टर स्टॉक के साथ इस संघर्ष में उतरा था। पिछले साल गर्मियों में ईरान के साथ हुई झड़पों के दौरान बड़ी संख्या में इंटरसेप्टर इस्तेमाल हो चुके थे, जिससे उसकी लंबी दूरी की हवाई रक्षा प्रणाली पर पहले से दबाव था। मौजूदा संघर्ष के दौरान ईरान के लगातार हमलों ने इस दबाव को और बढ़ा दिया है।

रिपोर्ट के अनुसार, ईरान अब अपनी कुछ मिसाइलों में क्लस्टर गोला-बारूद भी जोड़ रहा है। इससे मिसाइलों को रोकने के लिए ज्यादा इंटरसेप्टर की जरूरत पड़ सकती है और इज़राइल की एयर डिफेंस प्रणाली पर अतिरिक्त दबाव बन सकता है।

फिलहाल यह स्पष्ट नहीं है कि अमेरिका अपने इंटरसेप्टर इज़रायल को बेचेगा या साझा करेगा। ऐसा करने से अमेरिका के घरेलू भंडार पर भी दबाव पड़ सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक, इज़रायल के पास ईरानी मिसाइलों से बचाव के लिए अन्य विकल्प भी हैं, जिनमें लड़ाकू विमानों का इस्तेमाल शामिल है। हालांकि लंबी दूरी की मिसाइलों को रोकने के लिए इंटरसेप्टर सबसे प्रभावी रक्षा प्रणाली माने जाते हैं। वहीं, इज़राइल की प्रसिद्ध आयरन डोम प्रणाली मुख्य रूप से कम दूरी के रॉकेट और ड्रोन हमलों को रोकने के लिए बनाई गई है।

'मध्य पूर्व के देश अपने क्षेत्रों से अमेरिकी सेना हटाएं'

ईरान के विदेश मंत्री ने कहा कि विदेशी सेना की उपस्थिति मौजूदा क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ाती है

■ ईरान का कहना है कि अमेरिका लंबे समय से खाड़ी देशों को सुरक्षा देने का दावा करता रहा है, पर उसका सुरक्षा ढांचा कमज़ोर साबित हुआ है।

तेहरान, 15 मार्च। ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने खाड़ी और मध्य पूर्व के देशों से अपील की है कि वे अपने क्षेत्रों से अमेरिका की सेना को हटाने पर विचार करें। उनका कहना है कि मौजूदा हालात में विदेशी सैन्य मौजूदगी क्षेत्रीय तनाव को और बढ़ा रही है।

अराघची ने कहा कि पूरे क्षेत्र में लगातार जवाबी हमले और सैन्य गतिविधियां जारी हैं, जिससे हालात और अधिक अस्थिर हो गए हैं। उनके अनुसार, ऐसी स्थिति में बाहरी ताकतों की सैन्य मौजूदगी शांति स्थापित करने के बजाय संकट को और गहरा कर सकती है।

ईरानी विदेश मंत्री ने यह भी कहा कि अमेरिका लंबे समय से खाड़ी देशों को सुरक्षा देने का दावा करता रहा है, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में यह सुरक्षा ढ ांचा कमजोर साबित हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि अमेरिकी सुरक्षा नीति क्षेत्र में स्थिरता लाने में प्रभावी नहीं रही है।

अराघची ने यह दावा भी किया कि अमेरिका अब महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग होर्मुज स्ट्रेट की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अन्य देशों, खासकर चीन से सहयोग की मांग कर रहा है। उन्होंने कहा कि यह स्थिति दिखाती है कि क्षेत्रीय सुरक्षा व्यवस्था में नई चुनौतियां सामने आ रही हैं।

ईरान ने अपने पड़ोसी देशों से अपील करते हुए कहा कि वे विदेशी सैन्य ताकतों को अपने क्षेत्रों से हटाने के बारे में गंभीरता से विचार करें, ताकि क्षेत्र में स्थिरता और शांति कायम की जा सके।

मुख्यमंत्री ने वित्तमंत्री सीतारमण से मुलाकात की

नई दिल्ली/जयपुर, 15 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली में केन्द्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण से शिष्टाचार भेंट की। मुख्यमंत्री ने पूंजीगत निवेश हेतु राज्य को विशेष सहायता योजना (एसएएससीआई) के तहत मिल रहे सहयोग के लिए केन्द्र सरकार का आभार व्यक्त किया।

■ उन्होंने राजस्थान को विशेष सहायता योजना के तहत मिल रहे सहयोग पर आभार व्यक्त किया।

विकसित राजस्थान के लिए मुख्यमंत्री और केन्द्रीय वित्त मंत्री ने प्रदेश के चहुंमुखी विकास, योजनाओं के सफल क्रियान्वयन एवं आधारभूतढ ांचे के विषय परविस्तृत बातचीत की।

"नेतन्याहू ठीक हैं" : इज़रायल ने उनकी मौत की खबर को फर्जी बताया

युद्ध को लेकर नेतन्याहू की प्रेस कॉन्फ्रैंस के वीडियो के बाद सोशल मीडिया में उनकी मौत की खबर फैली

■ सोशल मीडिया यूजर्स के अनुसार, वीडियो में नेतन्याहू के दाहिने हाथ में छह उंगलियां दिख रही हैं, इससे लगता है कि यह ए.आई. जनरेटेड है। इस कारण से इज़रायल के प्रधानमंत्री की मौत की चर्चा सोशल मीडिया में फैल गई।

नई दिल्ली, 15 मार्च। सोशल मीडिया पर कुछ पोस्ट में इजरायल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के निधन की बात कही जा रही है। इसको लेकर उनके ऑफिस ने बयान जारी कर कहा है कि वे ठीक हैं।

अनादोलू एजेंसी के एक संवाददाता ने दफ्तर से पूछा कि क्या उनके पास सोशल मीडिया पर बढ़ते इन दावों पर कोई बयान है कि "नेतन्याहू की हत्या कर दी गई है।" इस पर नेतन्याहू के ऑफिस ने कहा, "ये फर्जी खबरें हैं, प्रधानमंत्री बिल्कुल ठीक हैं।"

शुक्रवार को नेतन्याहू ने अपने एक्स (पहले ट्विटर) अकाउंट पर अमेरिका-इजरायल-ईरान के बीच चल रहे युद्ध को लेकर हुई एक प्रेस कॉन्फ्रेंस का वीडियो शेयर किया था।

कई सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि उन्होंने इस वीडियो में नेतन्याहू के दाहिने हाथ में छह उंगलियां देखी हैं, जिससे यह अफवाहें तेज हो गईं कि यह वीडियो एआई-जनरेटेड है।

वीडियो में जब नेतन्याहू अपने हाथ ऊपर उठाते हैं तो छोटी उंगली के बगल में मांस का एक अतिरिक्त टुकड़ा दिखाई देता है। कई सोशल मीडिया यूजर्स ने दावा किया कि यह छठी उंगली थी।

अमेरिकी रूढ़िवादी राजनीतिक टिप्पणीकार कैंडिस ओवेन्स ने पूछा, "बीबी कहां हैं?" उन्होंने लिखा, "ध्यान दें कि पूरे वीडियो में ब्लैकआउट पर्दा बिल्कुल एक ही पैटर्न में कैसे हिल रहा है, ऐसा लगता है जैसे यह लूप में चल रहा हो। जबकि दोनों झंडे बिल्कुल भी नहीं हिलते। यह एआई का साफ संकेत है।"

हालांकि, इस दावे को एक अन्य यूज़र ने खारिज कर दिया, जिसने कहा, "आजकल कई लोग नकली बैकग्राउंड का इस्तेमाल करते हैं, जैसे कि न्यूज ब्रॉडकास्टर। इसका मतलब यह नहीं है कि वह नकली है।"

ओडिशा में 11 ईनामी माओवादियों ने सरेंडर किया

भुवनेश्वर, 15 मार्च। वामपंथी उग्रवाद के खिलाफ अभियान में ओडिशा पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। कालाहांडी जिला मुख्यालय भवानीपटना की रिजर्व पुलिस लाइन में रविवार को आयोजित विशेष कार्यक्रम में 11 हार्डकोर माओवादियों ने पुलिस महानिदेशक वाई बी खुरानिया के सामने हथियार डाल दिए।

■ इन सभी पर कुल मिलाकर 63.25 लाख रूपए का ईनाम था।

आत्मसमर्पण करने वालों में नकुल नामक माओवादी भी शामिल है, जो भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (माओवादी) की ओडिशा राज्य समिति का डिविजनल कमेटी सदस्य था और जिस पर 22 लाख रुपये का इनाम घोषित था। आत्मसमर्पण करने वाले समूह में एक डिविजनल कमेटी सदस्य, पांच एरिया कमेटी सदस्य और पांच पार्टी सदस्य शामिल हैं। इन सभी पर कुल मिलाकर 63.25 लाख रुपये का इनाम घोषित था।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए डीजीपी ने आश्वासन दिया कि आत्मसमर्पण करने वाले सभी माओवादियों को राज्य सरकार की आत्मसमर्पण एवं पुनर्वास नीति के तहत वित्तीय सहायता, कौशल प्रशिक्षण और पुनर्वास की सुविधाएं प्रदान की जाएंगी, ताकि वे सम्मानजनक जीवन जी सकें।

'भारत के नेतृत्व में ब्रिक्स पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव को दूर करे'

ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने भारत से इस संबंध में आग्रह किया है

■ ब्रिक्स ने ईरान वॉर के बारे में अभी तक कोई टिप्पणी नहीं की है, हालांकि, ब्रिक्स के सदस्य देश, ब्राज़ील, चीन, रूस, साउथ अफ्रीका आदि, ईरान पर अमेरिका-इज़रायल हमलों की व्यक्तिशः निंदा कर चुके हैं। जबकि भारत, जो ब्रिक्स की अध्यक्षता कर रहा है, ईरान के खिलाफ संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद के प्रस्ताव का समर्थन करने वाले 135 देशों में से एक है।

■ ईरान के राष्ट्रपति ने भारतीय मीडिया पर भी प्रश्न चिन्ह लगाया, कि भारत के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ईरान को मित्र बताया है, पर, भारतीय मीडिया तेहरान के इस आग्रह को दबा रहा है कि भारत को ब्रिक्स के मार्फत पश्चिम एशिया में शांति स्थापना के लिए पहल करनी चाहिए।

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 14 मार्च। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेश्कियन ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भारत को "ईरान का मित्र" बताया है। लेकिन जिस बात को भारतीय मुख्यधारा का मीडिया कम महत्व दे रहा है, वह यह है कि तेहरान ने नई दिल्ली से आग्रह किया है कि "ब्रिक्स", जिसकी अध्यक्षता इस समय भारत कर रहा है, पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष को सुलझाने में "मजबूत" और "रचनात्मक" भूमिका निभाए, जो वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति और समुद्री व्यापार मार्गों को प्रभावित कर रहा है।

भारत इस समय ब्रिक्स का अध्यक्ष है और यह ऐसा एकमात्र प्रमुख मंच है, जिसने अब तक कोई बयान जारी नहीं किया है। ईरान 2024 से इसका सदस्य है और भारत अक्सर खुद को "ग्लोबल साउथ" की आवाज बताता है। समूह के अन्य संस्थापक सदस्य, ब्राज़ील, चीन, रूस और दक्षिण अफ्रीका व्यक्तिगत रूप से अमेरिका-इज़रायल के हमलों की निंदा कर चुके हैं।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में उस प्रस्ताव का सह-प्रायोजन किया है, जिसमें खाड़ी देशों पर ईरान के हमलों की निंदा की गई है, लेकिन अमेरिका-इज़रायल द्वारा ईरान और लेबनॉन पर किए गए हमलों की आलोचना नहीं की गई। यह बात तेहरान ने साफ तौर पर और निश्चित रूप से नोट की है। संयुक्त बयान जारी करने में विवाद का मुख्य कारण ईरान और संयुक्त अरब अमीरात के बीच के मतभेद भी हैं।

ऊर्जा संकट को गहराई से महसूस कर रही मोदी सरकार ईरान से लगातार संपर्क करती दिखाई दे रही है। भारत के विदेश मंत्री एस. जयशंकर और उनके ईरानी समकक्ष अब्बास अराधची ने युद्ध शुरू होने के बाद गुरुवार शाम चौथी बार फोन पर बातचीत की। भारत की मुख्य चिंता यह है कि होरमुज़ स्ट्रेट के रणनीतिक समुद्री मार्ग से भारतीय ध्वज वाले व्यापारिक जहाज़ सुरक्षित रूप से गुजर सकें, जिसे तेहरान ने आंशिक रूप से अवरुद्ध कर दिया है। नई दिल्ली में ईरान के राजदूत मोहम्मद फतहाली ने शुक्रवार दोपहर पत्रकारों से कहा कि उनकी सरकार जल्द ही यह स्पष्ट कर देगी कि क्या भारत को होरमुज़ स्ट्रेट से गुजरने की अनुमति दी जाएगी, जिसे ईरानी बलों ने अमेरिका-इज़रायल के हमलों के जवाब में बंद किया है। फतहाली ने कहा कि दो से तीन घंटे में और जानकारी दी जाएगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि भारत इस स्थिति में और "युद्ध के बाद" "विभिन्न क्षेत्रों में ईरान की "मदद" करेगा, हालांकि उन्होंने इसके बारे में विस्तार से कुछ नहीं बताया।

कई जिलों में वर्षा, हनुमानगढ़ टपकूड़ा में ओले गिरे

■ मौसम विभाग ने 18 से 21 मार्च के बीच आंधी व वर्षा की संभावना बताई।

जयपुर, 15 मार्च। राजस्थान में पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से रविवार को मौसम बदला हुआ नजर आया। कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई, जबकि हनुमानगढ़ और टपूकड़ा क्षेत्र में ओलावृष्टि भी दर्ज की गई। मौसम विभाग के अनुसार अगले दो दिन मौसम शुष्क रहेगा, जबकि 18 से 21 मार्च के बीच एक और मजबूत पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से आंधी-बारिश की संभावना है।

मौसम विज्ञान केंद्र के निदेशक राधेश्याम शर्मा ने बताया कि 16-17 मार्च को मौसम मुख्यतः शुष्क रहेगा। इसके बाद 18 मार्च से नया पश्चिमी विक्षोभ सक्रिय होने से जोधपुर और बीकानेर संभाग में मेघगर्जन, आंधी और

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

पोप लियो ने सैन्य संघर्ष रोकने की अपील की

वेटिकन सिटी, 15 मार्च। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और जारी सैन्य संघर्ष के बीच पोप लियो ने युद्धविराम की जोरदार अपील की है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र में हालात बेहद गंभीर हैं और हिंसा को तुरंत रोककर संवाद का रास्ता अपनाया जाना चाहिए।

■ उन्होंने कहा कि खाड़ी देशों में लोग दो सप्ताह से युद्ध की भयावहता झेल रहे हैं।

रविवार को वेटिकन सिटी में एंजेलस प्रार्थना के बाद अपने संबोधन में पोप ने कहा कि खाड़ी देशों में लोग पिछले दो सप्ताह से युद्ध की भयावहता झेल रहे हैं। उन्होंने संघर्ष में शामिल पक्षों से अपील करते हुए कहा कि वे तुरंत संघर्ष विराम लागू करें और बातचीत के जरिए समाधान तलाशें।

पोप लियो ने कहा कि इस संघर्ष में हजारों निर्दोष लोगों की जान जा चुकी है और बड़ी संख्या में लोग अपने घर छोड़ने को मजबूर हुए हैं। उन्होंने उन परिवारों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त की जिनके प्रियजन स्कूलों, अस्पतालों और रिहायशी इलाकों पर हुए हमलों में मारे गए।

विचार बिन्दु

दोष निकालना सुगम है, उसे अच्छा करना कठिन। –प्लूटार्क

लेखन, मानदेय और एक पुस्तक-विहीन समाज का खतरा

कुछ दिन पहले एक रोचक संवाद हुआ। यद्यपि यह बातचीत बहुत निजी और पारिवारिक वातावरण में हुई थी, मुझे लगा कि इसमें उठे प्रश्न व्यापक चर्चा के योग्य हैं। इसलिए इस संवाद की चर्चा यहां कर रहा हूं।

यह संवाद मेरी पौत्री और मेरे बीच हुआ। वह कई वर्षों से ऑस्ट्रेलिया में रह रही है। उसकी अधिकांश शिक्षा वहीं हुई और अब वह वहीं काम भी कर रही है। लेखन में उसकी गहरी रुचि है। उसकी कुछ कविताएँ वहाँ प्रकाशित हो चुकी हैं और वह वहां के विभिन्न प्रकाशनों के लिए नियमित रूप से लिखती भी है। पिछली मुलाकात में उसने सहज ढंग से बताया कि ऑस्ट्रेलिया में केवल लेखन के आधार पर भी सम्मानजनक जीवन जीना संभव है। यह हुई पृष्ठभूमि।

हाल ही में मैंने उसकी एक कविता पढ़ी। मुझे वह बहुत अच्छी लगी और मुझे लगा कि उसे भारत की किसी प्रमुख काव्य पत्रिका में प्रकाशित होना चाहिए। संयोग से उस पत्रिका के संपादक से मेरी आत्मीयता है, लेकिन मैं उस परिचय का दुरुपयोग नहीं करना चाहता था। इसलिए मैंने उन्हें कविता केवल उनकी राय जानने के लिए भेज दी। उन्हें भी वह कविता पसंद आई और उन्होंने स्वयं ही यह प्रस्ताव रखा कि वे इस युवा कवयित्री की कुछ कविताएँ प्रकाशित करना चाहेंगे। स्वाभाविक है, इससे मुझे गर्व का अनुभव हुआ। जब मैंने यह बात अपनी पौत्री को बताई तो वह भी प्रसन्न हुई। लेकिन तभी उसने एक प्रश्न पूछा जिसने मुझे थोड़ा चौंका दिया। उसने पूछा–क्या वह पत्रिका पेड (Paid) है?

चूँकि वह भारत के प्रकाशन जगत के तौर–तरीकों से परिचित नहीं है, मैंने उसे कुछ बातें समझाने की कोशिश की। मैंने बताया कि भारत में अधिकांश साहित्यिक पत्रिकाएँ अपने रचनाकारों को कोई मानदेय नहीं देतीं। साथ ही, सामान्यतः लेखक भी अपनी रचना प्रकाशित कराने के लिए प्रकाशक को पैसे नहीं देते। साहित्य छापने वाली अधिकांश पत्रिकाएँ लघु पत्रिकाएँ होती हैं जिनकी प्रसार संख्या सीमित होती है। कई बार तो वे निःशुल्क ही वितरित की जाती हैं। हाल के वर्षों में डाक–व्यय बढ़ जाने से उन्हें भेजना भी कठिन होता जा रहा है। मैंने यह भी बताया कि बड़ी प्रसार संख्या वाली पत्रिकाओं में साहित्य के लिए बहुत कम स्थान होता है।

मैंने उससे यह भी कहा कि भारत में साहित्य–लेखन प्रायःस्वांतःसुखाय होता है। लेखक अपनी आजीविका के लिए नौकरी या किसी अन्य पेशे पर निर्भर रहते हैं। यह भी बताया कि कुछ पत्रिकाएँ–विशेषकर शोध से जुड़ी–लेखकों से पैसे लेकर लेख प्रकाशित करती हैं। कभी–कभी कुछ साहित्यिक पत्रिकाएँ भी परोक्ष रूप से लेखक से पैसा माँगती हैं, लेकिन यह बात अधिक समय तक छिपी नहीं रहती और ऐसी पत्रिकाओं तथा उनमें प्रकाशित होने वाले लेखकों को अच्छी दृष्टि से नहीं देखा जाता।

बात आगे बढ़ी तो पुस्तक–प्रकाशन की स्थिति पर भी चर्चा हुई। मैंने बताया कि भारत में––विशेषकर हिंदी में–साहित्यिक पुस्तकों का प्रकाशन तो बहुत होता है, लेकिन लेखक को उसके श्रम का पर्याप्त प्रतिफल शायद ही मिलता है। प्रकाशकों का कहना होता है कि साहित्यिक पुस्तकें बहुत कम बिकती हैं, इसलिए वे रॉयल्टी नहीं दे पाते। कई बार लेखक स्वयं अपने पैसे से भी पुस्तकें प्रकाशित कराते हैं। आजकल हिंदी प्रकाशन में यह तरीका काफ़ी सामान्य हो गया है। कुछ स्थापित और प्रसिद्ध लेखक अपने लेखन से कुछ आय प्राप्त कर लेते हैं, लेकिन अधिकांश लेखक अपनी जीविका के लिए अन्य साधनों पर निर्भर रहते हैं और लेखन को मुख्यतः अपने जुनून के रूप में निभाते हैं। और भी बहुत कुछ कहा जा सकता था, लेकिन मुझे लगा कि इस संवाद के लिए इतना पर्याप्त है।

मेरी पौत्री ने मेरी बातें ध्यान से सुनीं और फिर शांत स्वर में कहा कि सिद्धांततः वह भी मानती है कि लेखन भीतर की प्रेरणा से होना चाहिए, न कि केवल लाभ की अपेक्षा से। लेकिन जीवन केवल सिद्धांतों से नहीं चलता। यदि कोई व्यक्ति पूरे मन से लिखे और बदले में उसे कुछ भी न मिले, तो वह अपना जीवन कैसे चलाएगा? वह खाएगा क्या, रहेगा कहाँ, पहनेगा क्या? आखिर हर व्यक्ति को भोजन, आवास और वस्त्र की आवश्यकता तो होती ही है।

बहुत-सी ऑनलाइन सामग्री निःशुल्क पढ़ी जा सकती है, लेकिन प्रिंट पत्रिकाएँ सामान्यतः खरीदकर ही पढ़ी जाती हैं। कुछ डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म प्रतिदिन सीमित संख्या में लेख निःशुल्क पढ़ने देते हैं, उसके बाद उन्हें भुगतान करना पड़ता है। कथेतर लेखन और कथा साहित्य के लिए भी अलग-अलग व्यवस्थाएँ होती हैं। लेकिन कुल मिलाकर स्थिति यह है कि वहाँ बिना भुगतान के लिखना लगभग असामान्य माना जाता है।

भारतीय व्यवस्था में इसका उत्तर स्पष्ट है–जीविका के लिए नौकरी या व्यवसाय करो और मन की संतुष्टि के लिए लिखो। लेकिन तब वह व्यक्ति चाहे जो हो जाए, पूर्णकालिक लेखक नहीं बन सकता। वह अधिक से अधिक अंशकालिक लेखक ही रहेगा।

यहाँ एक महत्वपूर्ण प्रश्न उठता है। यदि लेखक अपना पूरा समय और ऊर्जा लेखन को नहीं दे सकता, तो उसके काम की गुणवत्ता से हम क्या और कितनी अपेक्षा कर सकते हैं? हम विदेशी लेखकों की गहन शोध पर आधारित पुस्तकों की बहुत प्रशंसा करते हैं और अफसोस करते हैं कि हमारे यहाँ वैसा लेखन क्यों नहीं होता। लेकिन क्या हम यह भी सोचते हैं कि हमारे लेखकों को वैसी ही परिस्थितियाँ उपलब्ध हैं या नहीं? क्या वे अपने लेखन की प्रामाणिकता के लिए दूर–दूर तक यात्राएँ कर सकते हैं? क्या वे किसी पुस्तक के लिए दो–तीन वर्ष तैयारी में लगा सकते हैं? क्या वे अपने शोध के लिए हजारों रुपये की किताबें खरीद सकते हैं? क्या वे शोध–सहायकों की टीम रख सकते हैं? क्या वे अपने लेखन को संपादित कराने के लिए पेशेवर संपादकों को भुगतान कर सकते हैं? क्या वे प्रकाशक से बातचीत के लिए साहित्यिक एजेंट नियुक्त कर सकते हैं? यदि इन सभी प्रश्नों का उत्तर स्पष्ट रूप से 'नहीं' है, तो उनसे महान कृतियों की अपेक्षा करना कितना उचित है? प्रतिकूल परिस्थितियों के बावजूद वे लिखते रहते हैं, क्या यह अपने आप में कम बड़ी बात है?

जब मैंने यह सब कहा तो उसने ऑस्ट्रेलिया की स्थिति के बारे में कुछ और जानकारी दी। वहाँ जो प्रकाशन अपने लेखकों को मानदेय नहीं देते या बहुत कम देते हैं, उन्हें अच्छी दृष्टि से नहीं देखा जाता। उन्हें खुले तौर पर लेखक की प्रतिभा का शोषण करने वाला माना जाता है। हाँ, वहाँ भी छोटे और बड़े प्रकाशनों में भुगतान की दरें अलग–अलग होती हैं। बहुत–सी ऑनलाइन सामग्री निःशुल्क पढ़ी जा सकती है, लेकिन प्रिंट पत्रिकाएँ सामान्यतः खरीदकर ही पढ़ी जाती हैं। कुछ डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म प्रतिदिन सीमित संख्या में लेख निःशुल्क पढ़ने देते हैं, उसके बाद उन्हें भुगतान करना पड़ता है। कथेतर लेखन और कथा साहित्य के लिए भी अलग–अलग व्यवस्थाएँ होती हैं। लेकिन कुल मिलाकर स्थिति यह है कि वहाँ बिना भुगतान के लिखना लगभग असामान्य माना जाता है।

जिस प्रकार मेरी पौत्री के लिए यह कल्पना से परे है कि कोई व्यक्ति जीवन भर बिना पैसे लिए लिखता रहे, उसी प्रकार हमारे लिए यह कल्पना करना कठिन है कि किसी लेखक को उसके लिखे हर शब्द के लिए भुगतान किया जाए। ये दो अलग–अलग व्यवस्थाएँ हैं।

प्रश्न यह है कि हमें कौन–सी व्यवस्था अधिक उचित लगती है?

क्या लिखना भी एक काम नहीं है? यदि है, तो उसके लिए भुगतान क्यों न हो? लेकिन यदि हम यह प्रश्न उठाते हैं तो एक और प्रश्न भी सामने आता है–क्या हम पाठक के रूप में पढ़ने के लिए पैसे खर्च करते हैं? क्या हम नियमित रूप से पुस्तकें और पत्रिकाएँ खरीदते हैं? क्या हमारे घरेलू बजट में इसके लिए कोई स्थान होता है? क्या हमारे घरों में पुस्तकों के लिए कोई कोना निर्धारित होता है? क्या हमारे यहाँ एक मजबूत सार्वजनिक पुस्तकालय व्यवस्था है? क्या नई बसने वाली कॉलोनियों में मंदिर, स्विमिंग पूल, टेनिस कोर्ट और जिम आदि के साथ–साथपुस्तकालय भी बनाए जाते हैं? क्या हमारे शैक्षणिक संस्थान नियमित रूप से नई पुस्तकें खरीदते हैं? क्या हम अपने बच्चों और विद्यार्थियों को अधिक पढ़ने के लिए प्रेरित करते हैं? क्या हमारे अखबार और पत्रिकाएँ नई पुस्तकों की नियमित चर्चा करते हैं?

इन प्रश्नों के उत्तर हम सब जानते हैं।

तो फिर लेखक को पैसा कहाँ से मिलेगा? और यदि लेखक को पैसा नहीं मिलेगा, तो वह कब तक केवल अपने जुनून के सहारे लिखता रहेगा?

क्या हम तेज़ी से एक पुस्तक–विहीन समाज की ओर बढ़ रहे हैं?
और पुस्तक–विहीन समाज अंततः विचार–विहीन समाज बन जाता है–
एक ऐसा समाज जिसमें दृष्टि नहीं होती,
एक ऐसा समाज जिसमें सपने नहीं होते।
सोचिए।
गंभीरता से सोचिए।
और कुछ कीजिए–इससे पहले कि बहुत देर हो जाए।

–अतिथि संपादक,
डॉ. दुर्गाप्रसाद अग्रवाल,
(शिक्षाविद और साहित्यकार)

राजस्थान की उच्च शिक्षा में सेवा निरंतरता और वेतन संरक्षण : एक अनिवार्य नीतिगत सुधार

राजस्थान में उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक गंभीर विसंगति देखने को मिल रही है

प्रो. अशोक कुमार

किसी भी राष्ट्र या राज्य की प्रगति उसकी उच्च शिक्षा की गुणवत्ता पर निर्भर करती है। राजस्थान, जो अपनी सांस्कृतिक धरोहर के साथ–साथ अब एक एजुकेशन हब के रूप में उभर रहा है, वहां उच्च शिक्षा के क्षेत्र में एक गंभीर विसंगति देखने को मिल रही है। यह विसंगति है–राजकीय महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों के बीच शिक्षकों की गतिशीलता में आने वाली बाधाएं। वर्तमान में, राजस्थान लोक सेवा आयोग के माध्यम से नियुक्त उच्च योग्यता प्राप्त नेट, पीएचडी शिक्षक जब विश्वविद्यालयों में नियुक्त होते हैं, तो उन्हें अपने पिछले वर्षों के अनुभव और वेतन का लाभ नहीं मिलता। यह न केवल उन शिक्षकों के साथ अन्याय है, बल्कि राज्य की अकादमिक उत्कृष्टता के लिए भी एक बड़ा खतरा है।

राजस्थान के विश्वविद्यालयों में शिक्षकों की नियुक्तियां कई वर्षों तक लंबित रहती हैं। इस बीच, अत्यधिक सक्षम विद्वान, जो पीएचडी धारक हैं और नेट उत्तीर्ण हैं, अपना करियर शुरू करने के लिए राजस्थान लोक सेवा आयोग की परीक्षाओं में बैठते हैं और राजकीय महाविद्यालयों में सहायक आचार्यके रूप में कार्यभार ग्रहण कर लेते हैं।

समस्या तब उत्पन्न होती है जब 5–10 वर्षों के अंतराल के बाद विश्वविद्यालयों में भर्ती प्रक्रिया शुरू होती है। ये अनुभवी शिक्षक, जो अब कॉलेज शिक्षा प्रणाली के अभिन्न अंग बन चुके हैं, अपनी शोध अभिरुचि के कारण विश्वविद्यालयों में आवेदन करते हैं। चयन होने पर, उन्हें एक नवागंतुक की तरह व्यवहार किया जाता है। उनकी पिछली सरकारी सेवा, उनके द्वारा पढ़ाए गए वर्ष और उनका प्राप्त किया गया वेतन स्तर–सब कुछ शून्य मान लिया जाता है।

प्रमुख चुनौतियां और उनके प्रभाव

1. वेतन संरक्षण का अभाव

एक शिक्षक जिसने राजकीय कॉलेज में 8 साल सेवा दी है, वह सीनियर स्केल या सिलेक्शन ग्रेड पर होता है। विश्वविद्यालय ज्वाइन करते ही उसे पुनः शुरुआती मूल वेतन पर ला दिया जाता है। यह आर्थिक दंड जैसा है। परिवार और सामाजिक जिम्मेदारियों के बीच कोई भी विद्वान स्वेच्छा से अपनी सैलरी कम करवाकर शोध क्षेत्र में नहीं जाना चाहेगा।

2. करियर एडवांसमेंट स्कीम में बाधा

यूजीसी के नियमों के अनुसार, पदोन्नति के लिए पिछला अनुभव गिना जाना चाहिए। लेकिन प्रशासनिक पेचीदगियों के कारण, विश्वविद्यालयों में ज्वाइन करने के बाद शिक्षकों को अपनी सीनियरिटी खोनी पड़ती है। उनकी पिछली 10 साल की तपस्या को करियर प्रोग्रेशन में नहीं जोड़ा जाता, जिससे वे अपने साथियों से पिछड़ जाते हैं। जब सबसे सक्षम मस्तिष्क यह देखते हैं कि विश्वविद्यालय जाने पर उन्हें आर्थिक और पदोन्नति का नुकसान होगा, तो वे कॉलेजों में ही रुकना पसंद करते हैं। इससे विश्वविद्यालयों को वह अनुभवी वर्कफोर्स नहीं मिल पाता जो शोध और नवाचार को नई दिशा दे सके।

इस संकट को दूर करने के लिए राज्य सरकार और उच्च शिक्षा विभाग को एक व्यापक दृष्टिकोण अपनाना होगा। निम्नलिखित सुधार इस दिशा में क्रांतिकारी सिद्ध हो सकते हैं:–

अंतर–संस्थागत सेवा निरंतरता

सरकार को एक स्पष्ट आदेश जारी करना चाहिए कि राजकीय महाविद्यालयों और राज्य के सार्वजनिक विश्वविद्यालयों के बीच सेवा को निरंतर माना जाएगा।

यूजीसी नियमों का कड़ाई से क्रियान्वयन: यूजीसी रेगुलेशन 2018 के क्लॉज 10.0 में स्पष्ट है कि यदि पिछले अनुभव की योग्यताएं वर्तमान पद के समान हैं, तो उसे गिना जाना चाहिए। राजस्थान को इसे बिना किसी स्थानीय अवरोध के लागू करना चाहिए।

अनुभव का सीधा लाभ: यदि कोई शिक्षक 7 साल के अनुभव के साथ आता है, तो विश्वविद्यालय में उसे सीधे अगले ग्रेड–पे या स्तर पर पदस्थापित किया जाना चाहिए।

वेतन संरक्षण के ठोस नियम

सरकारी कर्मचारी के एक विभाग से दूसरे विभाग में जाने पर अंतिम वेतन प्रमाण पत्र–को सुरक्षित रखना एक स्थापित प्रशासनिक सिद्धांत है। इसे शिक्षा विभाग में भी अनिवार्य रूप से लागू किया जाना चाहिए।

नोशनल फिक्सेशन: नियुक्ति के समय शिक्षक के पिछले इंक्रीमेंट्स को संरक्षित कर नया वेतन निर्धारित किया जाए। इससे शिक्षक को मानसिक शांति मिलेगी और वह पूर्ण ऊर्जा के साथ शोध कार्य कर सकेगा।

एकीकृत उच्च शिक्षा सेवा का गठन

राजस्थान को कॉलेज शिक्षा और विश्वविद्यालय शिक्षा के बीच की दीवार को गिराना होगा। एक यूनिफाइड कैडर या एकीकृत संवर्ग बनाने से शिक्षकों का स्थानांतरण या प्रतिनियुक्तिआसान होगी। इससे सीनियरिटी विवाद खत्म होंगे और एक साझा अंतिम वेतन प्रमाण पत्र, सेवा नियम पुस्तिका या सेवा नियमावली होने से वित्तीय लाभों में एकरूपता आएगी। विश्वविद्यालयों को अपनी भर्ती प्रक्रिया को राजस्थान लोक सेवा आयोग की तर्ज पर नियमित करना चाहिए।

अनुभव को प्राथमिकता: स्क्रीनिंग या इंटरव्यू प्रक्रिया में राजकीय कॉलेजों में पढ़ा रहे शिक्षकों को उनके शिक्षक दिवस के आधार पर अतिरिक्त अंक मिलने चाहिए। यह उनके द्वारा समाज को दी गई सेवाओं का वास्तविक सम्मान होगा।

यदि इन सुझावों को लागू किया जाता है, तो इसके लाभ केवल शिक्षकों तक सीमित नहीं रहेंगे।

शोध की गुणवत्ता में सुधार: अनुभवी शिक्षक जब विश्वविद्यालयों में आएंगे, तो वे अपने साथ व्यावहारिक ज्ञान और शोध की परिपक्वता लाएंगे।

नैकरैंकिंग में सुधार: जब विश्वविद्यालयों में फैकल्टी की प्रोफाइल मजबूत होगी और भारत में छात्र–शिक्षक अनुपात सुधरेगा, तो प्रदेश के विश्वविद्यालयों की राष्ट्रीय रैंकिंग में भारी उछाल आएगा।

युवाओं को प्रेरणा: योग्य शिक्षकों को उचित सम्मान मिलने से नई पीढ़ी भी शोध और शिक्षा के क्षेत्र में आने के लिए प्रेरित होगी।

निष्कर्ष– शिक्षक केवल एक कर्मचारी नहीं, बल्कि समाज का मार्गदर्शक होता है। राजस्थान के संदर्भ में, राजकीय महाविद्यालयों के अनुभवी विद्वानों को विश्वविद्यालयों में एसेट मानकर उन्हें पूर्ण सेवा लाभ और वेतन संरक्षण देना समय की मांग है। यदि प्रशासनिक जड़ता के कारण इन विद्वानों का मार्ग रोका गया, तो हमारे विश्वविद्यालय केवल ईंट–पत्थर की इमारतें बनकर रह जाएंगे, जहाँ शोध और मौलिक चिंतन का अभाव होगा।

अतः, राज्य सरकार को अविलंब एक उच्च–स्तरीय समिति का गठन कर इन विसंगतियों को दूर करना चाहिए ताकि पधारो म्हारे देस की तर्ज पर हमारे विश्वविद्यालय भी प्रतिभाओं का सहर्ष स्वागत कर सकें।

**–प्रोफेसर अशोक कुमार,
विभागाध्यक्ष राजस्थान
विश्वविद्यालय जयपुर**

परमाणु नगरी पोकरण में आस्था का अद्भुत केंद्र

गुरु बालीनाथजी का ऐतिहासिक धूणा : हजारों वर्ष पुरानी तपोस्थली पर हर वर्ष उमड़ती है लाखों श्रद्धालुओं की भीड़

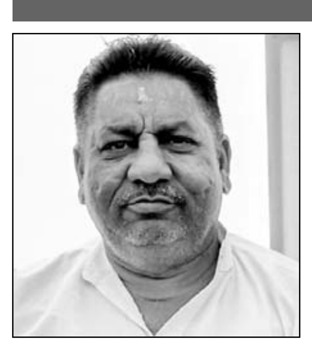

जुगल किशोर बिस्सा

पश्चिमी राजस्थान की परमाणु नगरी पोकरण केवल अपने ऐतिहासिक और सामरिक महत्व के लिए ही नहीं, बल्कि शक्ति, भक्ति और आध्यात्मिक आस्था के केंद्र के रूप में भी जानी जाती है। यह तपोभूमि अनेक संतों की साधना और तपस्या की साक्षी रही है। मान्यता है कि यहां भगवान परशुराम, बालक नाथ जी, कबीर दास, साधुजी, डुगरपुरी जी, रामनाथ जी और सेवापुरी महाराज सहित कई संतों ने साधना कर मानव कल्याण का संदेश दिया।

इसी पावन धरती पर स्थित लोकदेवता बाबा रामदेव जी के गुरु बालीनाथ जी की तपोस्थली बालीनाथ जी का धूणा सदियों से श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र बना हुआ है। देश–विदेश से आने वाले बाबा रामदेव जी के लाखों भक्त हर वर्ष इस पवित्र स्थल पर पहुंचकर गुरु बालीनाथ जी के धूणे पर शीश नवाते हैं और आशीर्वाद प्राप्त करते हैं। आस्था, इतिहास और लोककथाओं से जुड़ा यह स्थान पश्चिमी राजस्थान की धार्मिक परंपरा का महत्वपूर्ण अध्याय माना जाता है।

गुरु–शिष्य परंपरा का पावन स्थल : लोक मान्यताओं के अनुसार संत बालीनाथ जी नाथ संप्रदाय के सिद्ध योगी और महान तपस्वी थे। उन्होंने पश्चिमी राजस्थान के कई स्थानों पर साधना की, जिनमें पोकरण क्षेत्र की यह तपोस्थली विशेष रूप से प्रसिद्ध हुई। कहा जाता है कि संत बालीनाथ जी ने यहां अपना धूणा स्थापित कर वर्षों तक कठोर तपस्या की। समय के साथ यह स्थान बालीनाथ जी का घुणा के नाम से विख्यात हो गया। जनश्रुति के अनुसार लोकदेवता बाबा रामदेव जी ने बाल्यकाल में यहीं अपने गुरु बालीनाथ जी से योग, साधना और धर्म का ज्ञान प्राप्त किया था। इस कारण यह स्थल गुरु–शिष्य परंपरा का अद्वितीय प्रतीक माना जाता है।

लोककथाओं में जीवंत है इतिहास

स्थानीय लोककथाओं में उल्लेख मिलता है कि प्राचीन समय में इस क्षेत्र में भैरव नामक दैत्य का आतंक था। कहा जाता है कि बालीनाथ जी ने बालक रामदेव जी को उसकी बुरी नजर से बचाने के लिए कुछ समय तक अपने आश्रम में ही सुरक्षित रखा था। इसी कारण यह स्थान आगे चलकर गुरु का धूणा या बालीनाथ जी का घुणा के नाम से प्रसिद्ध हो गया। एक अन्य मान्यता के अनुसार इस धूणे की पवित्र राख को चमत्कारी माना जाता है। श्रद्धालु इसे प्रसाद के रूप में ग्रहण करते हैं और विश्वास करते हैं कि यहां श्रद्धा से माथा टेकने से कष्ट दूर होते हैं तथा मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं।

रामदेवरा यात्रा का महत्वपूर्ण पड़ाव : पोकरण शहर के उत्तर दिशा पवित्र स्थल रामदेवरा से लगभग 12 किलोमीटर दूरी पर माना जाता है। रामदेवरा की यात्रा पर आने वाले लाखो भक्त पहले गुरु बालीनाथ जी के घुणा के दर्शन कर अपनी यात्रा का प्रारंभ करते हैं और उसके बाद बाबा रामदेव जी के मंदिर व डाली बाई के दर्शन कर यात्रा को पूर्ण मानते हैं। विशेष अवसरों, मेलों और धार्मिक आयोजनों के दौरान यहां श्रद्धालुओं का सैलाब उमड़ पड़ता है।

वर्तमान में भी जीवंत है आस्था : वर्तमान में बालीनाथ जी का घुणा साधु–संतों और श्रद्धालुओं के लिए एक पवित्र तपोस्थली के रूप में स्थापित है। यहां स्थित धूणा, प्राचीन बावड़ी और शिव मंदिर आसपास के धार्मिक स्थल श्रद्धालुओं के आकर्षण का केंद्र बने हुए हैं। धार्मिक अवसरों और मेलों के समय हजारों भक्त यहां पहुंचकर पूजा–अर्चना करते हैं और गुरु बालीनाथ जी की महिमा का गुणगान करते हैं।

संरक्षण और शोध की आवश्यकता : आज भी पोकरण और आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में बालीनाथ जी का घुणा गुरु–भक्ति, लोकधर्म और आध्यात्मिक परंपरा का जीवंत प्रतीक बना हुआ है। सदियों पुरानी यह तपोस्थली क्षेत्र की सांस्कृतिक पहचान को संजोए हुए लाखों श्रद्धालुओं की आस्था का केंद्र बनी हुई है।

हालांकि इस ऐतिहासिक स्थल पर लगे कई प्राचीन शिलालेख आज भी शोध की प्रतीक्षा कर रहे हैं। आवश्यकता है कि देवस्थान विभाग, पर्यटन विभाग तथा पुरातत्व विभाग इस तपोस्थली की ऐतिहासिक धरोहर और शिलालेखों पर गहन शोध करें। इससे इस पवित्र स्थल से जुड़े अनेक ऐतिहासिक और आध्यात्मिक रहस्य उजागर हो सकते हैं तथा यह स्थान धार्मिक पर्यटन के रूप में भी नई पहचान प्राप्त कर सकता है।

**–जुगल किशोर बिस्सा,
प्रेस रिपोर्टर।**

बाइक पर बैठकर कलैक्टर ने मां कैला देवी मेले की व्यवस्थाएं देखी

जिला कलैक्टर नीलाभ सक्सेना ने फुटपाथ, भंडारा स्थल, चिकित्सा शिविर, प्याऊ आदि जगहों का अवलोकन किया और अधिकारियों को निर्देश दिये

- **अधिकारियों को निर्देश दिये कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी विभाग व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करें**
- **कैला माता का चैत्र नवरात्र लक्खी मेला आज से, मेले में प्रदेश सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है**

करौली, (निसं)। उत्तर भारत के प्रसिद्ध शक्तिधाम कैला माता के चैत्र नवरात्र लक्खी मेले के शुभारंभ से पूर्व जिला कलैक्टर नीलाभ सक्सेना ने रविवार को करौली से कैला देवी मार्ग तक बाइक से भ्रमण कर मेले की व्यवस्थाओं का जमीन स्तर पर निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने मार्ग में श्रद्धालुओं के लिए की गई तैयारियों का बारीकी से जायजा लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा–निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलैक्टर ने मार्ग पर बनाए गए फुटपाथ, भंडारा स्थल, चिकित्सा शिविर, प्याऊ, शौचालय तथा अन्य मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन किया। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा न हो तथा सभी विभाग आपसी समन्वय के साथ व्यवस्थाओं को सुचारू रूप से संचालित करें। कलेक्टर ने विशेष रूप से स्वच्छता, पेयजल, चिकित्सा एवं यातायात व्यवस्था को सुचारू बनाए रखने पर जोर देते हुए संबंधित विभागों को सतर्क रहने के निर्देश दिए। उन्होंने मार्ग में लगाए गए भंडारों एवं टेंट व्यवस्थाओं की भी समीक्षा की तथा इन्हें सड़क से सुरक्षित दूरी पर लगाने के निर्देश दिए, ताकि श्रद्धालुओं की आवाजाही सुगम बनी रहे। इसके साथ ही पंचायतों द्वारा बनाए गए अस्थायी शौचालयों एवं अन्य सुविधाओं की भी जांच की। उल्लेखनीय है कि कैला माता का चैत्र नवरात्र लक्खी मेला 16 मार्च से प्रारंभ होगा, जिसमें प्रदेश सहित देश के विभिन्न क्षेत्रों से बडी संख्या में श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। जिला प्रशासन द्वारा मेले को लेकर सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। निरीक्षण के दौरान मेला अधिकारी एवं करौली एसडीएम प्रेमराज मीणा सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे।

राशिफल

पंडित अनिल शर्मा

सोमवार 16 मार्च, 2026

चैत्र मास, कृष्ण पक्ष, द्वादशी तिथि, सोमवार, विक्रम संवत 2082, धनिष्ठा नक्षत्र मंगलवार प्रातः 6:22 तक, शिव योग प्रातः 9:37 तक, तैतिल करण प्रातः 9:41 तक, चन्द्रमा आज सायं 6:14 से कुम्भ राशि में संचार करेगा।

गृह स्थिति: सूर्य–मीन, चन्द्रमा–मकर, मंगल–कुम्भ, बुध–कुम्भ, गुरू–मिथुन, शुक्र–मीन, शनि–मीन, राहु–कुम्भ, केतु–सिंह

आज सोम प्रदोष व्रत है। पंचक सायं 6:14 से आरम्भ होंगे।

श्रेष्ठ चौघड़िया: अमृत सूर्योदय से 8:09 तक, शुभ 9:38 से 11:07 तक, चर 2:05 से 3:34 तक, लाभ–अमृत 3:34 से सूर्यास्त तक।

राहूकाल: 7:30 से 9:00 तक। सूर्योदय 6:40, सूर्यास्त 6:32

मेष
व्यावसायिक कार्यों पर ध्यान देना ठीक रहेगा। चलते कार्यों में प्रगति होगी। महत्वपूर्ण कार्य योजना का क्रियान्वयन होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे।

वृष
नवीन कार्यों के संबंध में सकारात्मक आश्वासन/संदेश प्राप्त होंगे। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। व्यावसायिक कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

मिथुन
चन्द्रमा अष्टम भाव में शुभ नहीं है। शुभ कार्यों में व्यवधान हो सकता है। आज आवश्यक कार्यों में विलम्ब हो सकता है। बनते कार्य बिगड़ सकते हैं।

कर्क
परिवार में आपसी सहयोग–समन्वय बना रहेगा। परिवार में धार्मिक–सामाजिक समारोह सम्पन्न हो सकते हैं। आपसी सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है।

सिंह
अस्त–व्यस्त दिनचर्या में सुधार होगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। विवादित मामलों से राहत मिल सकती है।

कन्या
व्यावसायिक कार्यों के संबंध में शुभ संदेश प्राप्त होंगे। व्यावसायिक परेशानियां दूर होने लगेंगी। नौकरीपेशा व्यक्तियों को भागदौड़ से राहत मिल सकती है।

तुला
घर–परिवार में अतिथियों का आगमन बना रहेगा। परिवार में महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न हो सकते हैं। खान–पान के कारण स्वास्थ्य खराब हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

वृश्चिक
परिवार में मन को प्रसन्न करने वाले संदेश प्राप्त होंगे। परिजनों के सहयोग से वर्तमान समस्या का समाधान हो सकता है। व्यावसायिक/आर्थिक स्थिति ठीक रहेगी।

धनु
आर्थिक कारणों से अटके हुए कार्य बनने लगेंगे। अटका हुआ धन प्राप्त हो सकता है। आर्थिक मामलों में परिजनों से सहयोग मिल सकता है। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी।

मकर
व्यावसायिक प्रयासों में उचित सफलता मिलेगी। व्यावसायिक वार्ता सफल रहेगी। चलते कार्यों में प्रगति होगी। आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा।

कुंभ
घर–गृहस्थी के खर्चों में अनावश्यक वृद्धि हो सकती है। पारिवारिक कार्यों के कारण भागदौड़ रहेगी। आज समय अनर्गल कार्यों में खराब हो सकता है। मन में असंतोष बना रहेगा।

मीन
आर्थिक/वित्तीय मामलों के लिए दिन अच्छा रहेगा। आय में वृद्धि होगी। अटका हुआ धन प्राप्त होगा। व्यावसायिक कार्य शीघ्रता/सुगमता से बनने लगेंगे। परिवार में उत्सव जैसा माहौल रहेगा।

सार-समाचार

रन फॉर विकसित राजस्थान दौड़ हुई

जालोर, (कासं)। राज्य सरकार के निर्देशानुसार राजस्थान दिवस के अवसर पर जिले में आयोजित किए जा रहे हैं। विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को जिला प्रशासन एवं जिला खेलकूद प्रशिक्षण केंद्र के तत्वाधान में रन फॉर विकसित राजस्थान दौड़ का आयोजन किया गया। कार्यक्रम के अंतर्गत आयोजित हुई दौड़ प्रतियोगिता को राजस्थान विधानसभा के मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग एवं जिला कलैक्टर डॉ प्रदीप के गावंडे ने दौड़ को नगर परिषद परिसर से हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। तत्पश्चात दौड़ के प्रतिभागियों ने कलेक्ट्रेट रोड, शिवाजी नगर, आहोर चौराहा से लगभग दो किलोमीटर का सफर तय करते हुए गंतव्य स्थान शाह पुंजाजी गेनाजी खेल स्टेडियम तक पहुंचे। इस अवसर पर मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग ने कहा कि विकसित राजस्थान के निर्माण में युवाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है तथा जिलें के युवा मुथाई, बास्केटबॉल, बॉक्सिंग, क्रिकेट सहित विभिन्न खेलों के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय व राष्ट्रीय स्तर पर जिले का नाम रोशन कर रहे हैं।इस अवसर पर अतिरिक्त जिला कलक्टर राजेश मेवाड़ा, जिला शिक्षा अधिकारी (माध्यमिक) भंवरलाल परमार, जिला शिक्षा अधिकारी (प्रारंभिक) मुनेश मीना, एसबीईओ जब्बर सिंह देवड़ा, उमेश खोरवाल, जिला खेल अधिकारी अमित शर्मा, जोगसिंह राठौड़, पुष्पेंद्र परमार, ओमप्रकाश गर्ग, भागीरथ गर्ग, नाथु सोलंकी, डॉ पवन ओझा, प्रियंका शर्मा, इमरान, नरेश मालवीय, अंतरराष्ट्रीय वुशू खिलाड़ी छवि चौधरी, पुलिस कार्मिक, स्पोर्ट्सपर्सन, विभिन्न खेल संगठनों के खिलाड़ी, स्कूली छात्र-छात्राएं, नर्सिंग स्टूडेंट एवं शहर वासी उपस्थित रहे।

किसानों को गोर्गेनिक खेती का प्रशिक्षण

रेवदर, (निसं)। रेवदर के निकट नंदगांव प्रधानमंत्री कृषि सिंचाई योजना 2.0 के अंतर्गत चित्तौडगढ जिले की पंचायत समिति कपासन क्षेत्र से आए 40 किसानों ने श्री मनोरमा गोलोकतीर्थ, अभिनव ब्रजमंडल, नंदगांव में आयोजित गोर्गैनिक कृषि प्रशिक्षण कार्यक्रम में भाग लिया। इस दौरान किसानों को गो-आधारित प्राकृतिक (गोर्गेनिक) खेती के साथ ड्रिप एवं मिनी फव्वारा प्रणाली के माध्यम से जल संरक्षण करते हुए खेती करने की तकनीकों की विस्तृत जानकारी दी गई। कार्यक्रम में श्री गोधाम महातीर्थ पथमेडा के सीईओ आलोकजी सिंहल ने किसानों को संबोधित करते हुए प्राकृतिक खेती में देशी गायों के महत्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि गो-आधारित गोर्गैनिक खेती से भूमि की उर्वरता बढती है तथा खेती की लागत कम होती है, जिससे किसानों को आर्थिक रूप से भी लाभ मिलता है। इस अवसर पर कृषि प्रभारी दीपक मेनारिया ने किसानों को खेती में नवाचार अपनाने तथा गो-आधारित प्राकृतिक गोर्गैनिक खेती को बढावा देने के लिए प्रेरित किया। साथ ही उन्होंने किसानों को गो-आधारित तरल खादों, जीवामृत के उपयोग तथा एकीकृत कृषि प्रणाली के बारे में विस्तृत जानकारी प्रदान की। प्रशिक्षण के दौरान किसानों को प्राकृतिक खेती की विभिन्न तकनीकों का व्यावहारिक प्रदर्शन भी कराया गया तथा गोशाला परिसर का भ्रमण करवाकर गो-आधारित खेती की पद्धतियों से अवगत कराया गया। किसानों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर अपने अनुभव भी साझा किए। इस अवसर पर अर्पण सेवा संस्थान के परियोजना प्रबन्धक हरिओमसिंह पंवार भी उपस्थित रहे।

राजस्थान दिवस के लिए विकसित रन हुई

सिरोही, (निसं)।राज्य सरकार के निर्देशानुसार आगामी राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में रविवार प्रातः शहर में विकसित रन का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, प्रशासनिक अधिकारी, छात्र-छात्राएं और शहरवासी शामिल हुए। विकसित रन का शुभारंभ सांसद लुंबाराम चौधरी तथा जिला कलेक्टर अल्पा चौधरी ने हरी झंडी दिखाकर किया।विकसित रन दशहरा मैदान से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न मार्गों से होते हुए पुनः दशहरा मैदान पहुंचकर विसर्जित हुई। विकसित रन के दौरान आमजन भी ब?ी संख्या में। उपस्थित रहे और विभिन्न देशभक्ति गीतों पर व लोकगीतों पर झूमते नजर आए। अंत में विकसित रन का समापन दशहरा मैदान में हुआ जहां अतिरिक्त जिला कलेक्टर डॉ राजेश गोयल ने अपने संबोधन द्वारा सहभागियों का उत्साहवर्धन किया वहीं जिला कलेक्टर अल्पा चौधरी ने उपस्थित सभी लोगों को स्वच्छता की शपथ दिलाई और स्वच्छ एवं विकसित राजस्थान के निर्माण में जनभागीदारी का आ ान किया साथ ही राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आगामी दिनों में होने वाले कार्य मों में भी अधिकतम सहभागिता की अपील की। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी प्रकाश चंद अग्रवाल, उपखंड अधिकारी हरिसिंह देवल, तहसीलदार जगदीश विश्नोई, जिला उद्योग केंद्र के महाप्रबंधक अनंत आर्य, जिला रोजगार अधिकारी राजूसिंह चौहान, डीओआईटी के संयुक्त निदेशक गोविंद चौधरी, कृषि विभाग के संयुक्त निदेशक शंकर लाल मीणा, महिला अधिकारिता विभाग की सहायक निदेशक अंकिता राजपुरोहित, गणपत सिंह राठौड, गोपाल माली सहित कई जने उपस्थित रहे।

ध्वजारोहण के साथ मल्लीनाथ पशु मेला तिलवाड़ा शुरू

बालोतरा, (निसं)। प्रदेश के प्राचीन और प्रसिद्ध पशु मेलों में शुमार श्री मल्लीनाथ पशु मेला तिलवाडा का रविवार को विधिवत शुभारंभ ध्वजारोहण के साथ हुआ।

मेले के उद्घाटन अवसर पर मेला मैदान में उत्साह और उमंग का माहौल देखने को मिला। युवाओं के साथ बडी संख्या में बुजुर्गों और ग्रामीणों की उपस्थिति से सजे हाट-बाजार ने पारंपरिक ग्रामीण संस्कृति की झलक प्रस्तुत की।

उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री कृष्ण कुमार विश्नोई तथा जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव ने विधि-विधान से पूजा-अर्चना कर मेले के ध्वज का ध्वजारोहण किया। पशुपालन विभाग की ओर से आयोजित इस मेले में पशुपालक, व्यापारी और मेलार्थी जिले सहित आसपास के क्षेत्रों से बडी संख्या में पहुंचे। रविवार दोपहर लगभग 12.15 बजे राज्यमंत्री कृष्ण कुमार विश्नोई के मेला परिसर पहुंचने पर उन्हें मार्च पास्ट की सलामी दी गई। इसके बाद मेलार्थी डाक बंगले से पारंपरिक वाद्ययंत्रों और लोकनृत्यों के साथ शोभायात्रा लेकर मेला मैदान की ओर रवाना हुए। शोभायात्रा में कच्छी घोडी, मयूर नृत्य, ढोल-नगाडों और गाजे-बाजे की धुनों ने वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

शोभायात्रा के साथ मेला ध्वज को ध्वजारोहण स्थल तक लाया गया, जहां पंडित जोगराज दवे के मंत्रोच्चार के बीच राज्यमंत्री कृष्ण कुमार विश्नोई और जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव ने ध्वजारोहण किया।

इस दौरान उपस्थित ग्रामीणों और मेलार्थियों ने श्री मल्लीनाथ जी महाराज के जयकारों से वातावरण को भक्तिमय बना दिया। मेला मैदान में लगे हाट-बाजार में ग्रामीण जीवन से जुडी वस्तुओं, हस्तशिल्प, पारंपरिक खानपान और विभिन्न दुकानों की सजावट ने लोगों को आकर्षित किया। पशुपालकों द्वारा विभिन्न नस्लों के पशुओं को लेकर आने का क्रम भी शुरू हो गया है, जिससे आगामी दिनों में मेला और अधिक रौनकदार होने की संभावना है। मेले के दौरान विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों, पशु प्रतियोगिताओं और व्यापारिक गतिविधियों का भी आयोजन किया जाएगा, जिससे क्षेत्रीय अर्थव्यवस्था को बढावा मिलने के साथ-साथ ग्रामीण संस्कृति को भी नई पहचान मिलेगी।

इस अवसर पर उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री कृष्ण कुमार विश्नोई ने अपने संबोधन में कहा कि यह मेला न केवल पशुपालन की परंपरा को जीवित रखने का एक माध्यम है, बल्कि मारवाडी संस्कृति की जड़ों से जुड़ने का एक बडा अवसर भी बनकर उभरा है। विश्व विख्यात मालानी नस्ल के घोड़े इस मेले की मुख्य पहचान हैं। यह मेला न केवल व्यापार का केंद्र है, बल्कि किसानों और पशुपालकों की लंबी सोच और मेहनत का परिणाम है।

उन्होने कहा कि हम गाय और भैंस का पालन तो कर रहे हैं, लेकिन रेगिस्तान के जहाज ऊंट को भूलते जा रहे हैं। उन्होने होली और दिवाली जैसे त्यौहारों पर घर के बाहर सजे हुए ऊंटों की परंपरा को पुनर्जीवित करने पर जोर दिया। उन्होंने कार्यक्रम में एक महत्वपूर्ण सुझाव प्रशासन के समक्ष रखा गया कि भविष्य में मेले की शुरुआत श्री मल्लीनाथ जी के मंदिर में माथा टेकने के साथ हो। मेले की शुरुआत धार्मिक आस्था से जोड़ते हुए की जाए। संबोधन के अंत में मल्लीनाथ जी महाराज से प्रार्थना की गई कि आने वाला समय पूरे प्रदेश के लिए खुशहाली और बेहतर जमाना लेकर आए।

पूर्व राजस्व मंत्री अमराराम चौधरी ने मेलार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि श्री मल्लीनाथ पशु मेला बालोतरा जिले की पहचान बन गया है। इस ऐतिहासिक धरोहर को हमे सहेज कर रखना है। मेले में कई राज्यों से व्यापारी अपने पशुधन को बेचने और खरीदने के लिए आते है। उन्होंने कहा कि इस बार मेले से होने वाली आय को मेले की आधारभूत सुविधाओं के विस्तार पर खर्च किया जाएगा।

इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक रमेश, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी हीराराम कलबी, अतिरिक्त जिला कलक्टर भुवनेश्वर सिंह चौहान, उपखंड अधिकारी अशोक कुमार, पचपदरा तहसीलदार गोपीकिशन पालीवाल, भाजपा जिलाध्यक्ष भरत मोदी, स्थानीय जनप्रतिनिधि, उद्योगपति, व्यापारी, पशुपालन विभाग जोधपुर के अतिरिक्त निदेशक डॉ. मनमोहन नागौरी, संयुक्त निदेशक डॉ. नारायण सिंह सोलंकी, उप निदेशक डॉ. मदन गिरी, व्याख्याता डॉ. रामेश्वरी चौधरी एवं मेलार्थी उपस्थित रहे।

राज्यमंत्री कृष्ण कुमार विश्नोई ने मेला परिसर का किया भ्रमणः- श्री मल्लीनाथ पशु मेला तिलवाडा के उद्घाटन कार्यक्रम के पश्चात उद्योग एवं वाणिज्य राज्यमंत्री कृष्ण कुमार विश्नोई तथा जिला कलक्टर सुशील कुमार यादव ने मेला परिसर का भ्रमण किया। भ्रमण के दौरान राज्यमंत्री ने विभिन्न हाट-बाजार की दुकानों और व्यवस्थाओं का अवलोकन किया तथा मेलार्थियों से संवाद भी किया।

उन्होंने श्री मल्लीनाथ जी के प्रसाद के रूप में भुने चने और मखाना चखा तथा अपने साथ मौजूद कार्यकर्ताओं और उपस्थित लोगों को भी प्रसाद वितरित किया। मेला परिसर में बड़ी संख्या में मौजूद ग्रामीणों और श्रद्धालुओं ने भी प्रसाद ग्रहण कर मेले की परंपरा और आस्था में भागीदारी निभाई।

नवभारत साक्षरता कार्यक्रम की मूल्यांकन परीक्षा हुई

जोधपुर, (कासं) । जोधपुर जिले में नवभारत साक्षरता कार्यक्रम (उल्लास) के अंतर्गत रविवार को बुनियादी साक्षरता एवं संख्यात्मक मूल्यांकन परीक्षाका आयोजन किया गया। इस परीक्षा में जिले के कुल 1,10,739 नवसाक्षरों ने भाग लेते हुए शत-प्रतिशत लक्ष्य की प्राप्ति सुनिश्चित की।

जोधपुर के केन्द्रीय कारागृह एवं पिचियाक कारागृह (बिलाड़ा) में भी परीक्षा केन्द्र स्थापित किए गए, जहां बंदियों ने भी उत्साहपूर्वक परीक्षा में भाग लिया। जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी जगदीशचन्द्र ने बताया कि केन्द्रीय कारागृह में 45 पुरुष एवं 10 महिला बंदियों तथा पिचियाक जेल बिलाड़ा में 5 पुरुष बंदियों ने मूल्यांकन परीक्षा में भागीदारी निभाई।

मूल्यांकन परीक्षा को लेकर आमजन में विशेष उत्साह देखने को मिला। 15 वर्ष से लेकर 90 वर्ष तक के महिला एवं पुरुष नवसाक्षरों ने इस परीक्षा में बढ़-चढ़कर भाग लिया। कई स्थानों पर महिलाएं अपनी बहुओं एवं पड़पोतियों के साथ परीक्षा केन्द्रों पर परीक्षा देती हुई भी दिखाई दीं।

जोधपुर जिले के कुल 22 ब्लॉकों में परीक्षा आयोजित की गई, जिनमें 21 ब्लॉक ग्रामीण क्षेत्र तथा 1 ब्लॉक शहरी क्षेत्र का शामिल है। सभी मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों ने ब्लॉक स्तर पर बैठक आयोजित कर परीक्षा केन्द्र प्रभारियों को शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करने के निर्देश प्रदान किए। परीक्षा के सफल संचालन के लिए कलक्टर की अध्यक्षता में समुचित व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारीआशीष कुमार मिश्रा ने सभी मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारियों को अपने-अपने ब्लॉक में आवंटित लक्ष्य के अनुरूप शत-प्रतिशत नवसाक्षरों की भागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी जोधपुर हिम्मत सिंह तंवर, मुख्य जिला शिक्षा अधिकारी फलोदी सोहनलाल विश्नोई ने व्हाट्सएप ग्रुप के माध्यम से सभी पीईईओ को सहयोग प्रदान करने के लिए निर्देशित करते हुए परीक्षा आयोजन में सक्रिय भूमिका निभाई।

प्रत्येक ब्लॉक के ब्लॉक समन्वयकों ने नवसाक्षरों का पंजीयन, प्रश्नोत्तर पुस्तिकाओं का वितरण तथा परीक्षा की मॉनिटरिंग का कार्य प्रभावी ढंग से संपादित किया। ग्रामीण क्षेत्रों में इस परीक्षा को लेकर लोगों में विशेष उत्साह देखने को मिला।

जिला साक्षरता एवं सतत शिक्षा अधिकारी जगदीशचन्द्र ने परीक्षा के सफल संचालन में प्रत्यक्ष एवं अप्रत्यक्ष रूप से सहयोग प्रदान करने वाले सभी अधिकारियों, शिक्षकों एवं स्वयंसेवकों का आभार व्यक्त करते हुए आ ान किया कि आगे भी इसी उत्साह के साथ इस अभियान को जन-जन तक पहुंचाने में अपनी महत्वपूर्ण भागीदारी निभाएं।

मोहनलाल जांगिड़ को कार्य सौंपा

पाली, (नि.सं.)। श्री विश्वकर्मा जांगिड़ समाज सेवा समिति पाली की आम बैठक विश्वकर्मा मंदिर सोजत मोडभट्टा अध्यक्ष अशोक जांगिड़ की अध्यक्षता में श्री विश्वकर्मा जांगिड़ समाज भवन वीर दुर्गादास नगर पाली में हुई। नवनिर्वाचित अध्यक्ष मोहनलाल को पाली जिले की सात पट्टियों के अध्यक्षों और प्रतिनिधियो की मोजूदगी में श्री विश्वकर्मा मंदिर पाली का कार्यभार सोपा गया।

जैतारण अध्यक्ष एडवोकेट धर्मेश जांगिड़, गोडवाड़ जवाली से पूर्वाध्यक्ष चंपालाल लुंजा, रोहट अध्यक्ष किशनलाल गुगरिया, हुणगांव अध्यक्ष कानाराम भटिंडा, वायद अध्यक्ष चेनाराम लुंजा, बिराटीया से पूर्वाध्यक्ष मिश्रीलाल बरड़वा, सोजत मोडभट्टा अध्यक्ष अशोक एवं सातों पट्टीयों के प्रतिनिधि के रूप में जगदीश झाला, नथमल सोमराल, मोतीलाल दायमा, ओमप्रकाश बरड़वा, देवाराम, मदनलाल, रमेश सोमरवाल, अणदाराम, धनश्याम, हरिराम, मुकेश दौलाराम, देवाराम, ढलाराम, हनुमान, शेषराम, कालूराम आदि मौजूद रहे।

जाडन में दो दिवसीय राज्य स्तरीय अधिवक्ता कॉन्फ्रेंस का समापन

पाली, (नि.सं.) ऑल राजस्थान एडवोकेट फेडरेशन द्वारा आयोजित विशाल राज्य स्तरीय अधिवक्ता कॉन्फ्रेंस के द्वितीय दिवस 15 मार्च को पाली-जाडन स्थित ओम आश्रम में कार्यक्रम का शुभारंभ अतिथियों द्वारा दीप प्रज्ज्वलित कर किया गया।

इस अवसर पर रणजीत जोशी (अध्यक्ष, हाईकोर्ट बार एसोसिएशन जोधपुर), पी.एम. जोशी (अध्यक्ष, अभिभाषक मंडल पाली), राम मनोहर शर्मा (पूर्व अध्यक्ष, जयपुर), रघुनंदन गौतम, शैलेन्द्र शर्मा तथा राजकुमार लाबा (अध्यक्ष, बार एसोसिएशन पिलानी) सहित अन्य गणमान्य अतिथियों एवं ऑल राजस्थान एडवोकेट फेडरेशन के फाउंडर ने मां सरस्वती के चित्र के समक्ष दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की विधिवत शुरुआत की।

अभिभाषक मंडल पाली के अध्यक्ष पी.एम. जोशी ने ऑल राजस्थान एडवोकेट फेडरेशन के उद्देश्यों एवं कार्यों की जानकारी देते हुए कहा कि एडवोकेट फेडरेशन किसी सरकार के अधिनियम के तहत नहीं बना है, बल्कि यह अधिवक्ताओं की एकता और उनके हितों की रक्षा के लिए कार्य करने वाला संगठन है। उन्होंने कहा कि अधिवक्ता समाज सर्वप्रिय है और उसकी आवाज को संगठित रूप से आगे बढ़ाने का कार्य फेडरेशन कर रहा है।

उन्होंने यह भी कहा कि बार काउंसिल के चुनाव में वही अधिवक्ता उम्मीदवार बनें और मतदाता भी वही हों जो नियमित रूप से वकालत करते हैं। जो अधिवक्ता अपने-अपने बार में नियमित रूप से प्रैक्टिस नहीं करते, उन्हें मतदाता सूची में शामिल नहीं किया जाना चाहिए, ताकि बार काउंसिल की व्यवस्था अधिक पारदर्शी और प्रभावी बन सके।

ऑल राजस्थान एडवोकेट फेडरेशन द्वारा आयोजित राज्य स्तरीय अधिवक्ता अधिवेशन के समापन अवसर पर व्यवस्था समिति के सम्मान समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर अधिवेशन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले व्यवस्था समिति के सदस्यों का मंच से सम्मान किया गया।

जोधपुर की अधिवक्ता वर्षा विसा ने अपने संबोधन में महिला अधिवक्ताओं के हितों की बात रखते हुए कहा कि न्यायालयों में कार्यरत महिला अधिवक्ताओं को भी समान अवसर और आवश्यक सुविधाएं मिलनी चाहिए। उन्होंने कहा कि महिला अधिवक्ताओं की समस्याओं पर भी गंभीरता से विचार कर उनके हितों की सुरक्षा सुनिश्चित की जानी चाहिए।

अजमेर अधिवक्ता रेखा गोयल ने कहा कि बार काउंसिल को अधिवक्ताओं की व्यावसायिक सुरक्षा और कार्य परिस्थितियों को बेहतर बनाने के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए, ताकि अधिवक्ता निर्भय होकर अपने दायित्वों का निर्वहन कर सकें।

पाली के अधिवक्ता सफी खान ने एडीआर सेंटर को लेकर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि एडीआर सेंटर खुलने से अधिवक्ताओं को काफी नुकसान हो रहा है। पहले न्यायालयों में अधिवक्ताओं को ही न्याय मित्र बनाकर कार्य कराया जाता था, लेकिन अब एडीआर सेंटर के कारण कई मामलों में अधिवक्ताओं की भूमिका कम होती जा रही है। उन्होंने कहा कि कई बार अधिवक्ताओं को अन्य न्यायालयों में कार्य के दौरान भी एडीआर सेंटर से बुला लिया जाता है और अनुपस्थित रहने पर फाइलों में कार्यवाही कर दी जाती है, जिससे अधिवक्ताओं को नुकसान उठाना पड़ता है। उन्होंने सरकार से इस व्यवस्था पर पुनर्विचार करने तथा एडीआर सेंटर को बंद करने की मांग।

पाली अधिवक्ता हरिराम नेहरा ने अपने संबोधन में बार काउंसिल से संबंधित विभिन्न समस्याओं पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं को कई प्रशासनिक व प्रक्रियात्मक समस्याओं का सामना करना पड़ता है, जिनका समय रहते समाधान होना आवश्यक है।

अधिवेशन के दौरान देसुरी के अधिवक्ता सुधीर श्रीमाली ने अपने संबोधन में अधिवेशन के मुख्य एजेंडा पर प्रकाश डालते हुए कहा कि अधिवक्ता हितों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से चर्चा की गई। उन्होंने बताया कि अधिवेशन में बार काउंसिल व्यवस्था, अधिवक्ता वेलफेयर फंड, युवा अधिवक्ताओं के कल्याण, न्यायिक व्यवस्था में अधिवक्ताओं की भूमिका सहित कई मुद्दों पर विचार-विमर्श किया गया।

दो दिवसीय राज्य स्तरीय अधिवक्ता अधिवेशन के दौरान अधिवक्ता हितों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। अधिवेशन में उपस्थित प्रदेशभर के अधिवक्ताओं ने सर्वसम्मति से अधिवेशन के मुख्य एजेंडा से संबंधित कई महत्वपूर्ण प्रस्ताव पारित किए।

अधिवेशन के दौरान सुमेर सिंह राजपुरोहित ने अधिवेशन के मुख्य एजेंडा से संबंधित प्रस्तावों को सभा के समक्ष प्रस्तुत किया। इस दौरान उन्होंने अधिवक्ता हितों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रस्ताव रखते हुए उन्हें पारित करवाया।

सभा में उपस्थित प्रदेशभर से आए अधिवक्ताओं ने इन प्रस्तावों पर सहमति जताते हुए सर्वसम्मति से उन्हें पारित किया। अधिवेशन में पारित इन प्रस्तावों के माध्यम से अधिवक्ता हितों की रक्षा, उनकी समस्याओं के समाधान तथा न्यायिक व्यवस्था में अधिवक्ताओं की भूमिका को और सुदृढ़ करने की दिशा में महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए।

अधिवेशन के दौरान प्रदेशभर से आए अधिवक्ताओं ने अधिवक्ता एकता और संगठन की मजबूती का संदेश दिया। सभी वक्ताओं ने कहा कि अधिवक्ताओं के सम्मान व अधिकारों की रक्षा के लिए एकजुट रहना आवश्यक है। अधिवक्ताओं की समस्याओं, न्यायिक व्यवस्था में आ रही चुनौतियों तथा अधिवक्ता कल्याण से जुड़े विषयों पर विस्तृत मंथन किया गया। अधिवेशन में पारित प्रस्तावों को राज्य सरकार, उच्च न्यायालय प्रशासन व बार काउंसिल के समक्ष रखने तथा अधिवक्ता हितों के लिए आगे भी संघर्ष जारी रखने का निर्णय लिया गया।

ओम आश्रम ने स्मृति चिन्ह दिए

राज्य स्तरीय अधिवक्ता अधिवेशन के अवसर पर ओम आश्रम जाडन की ओर से अतिथियों एवं अधिवक्ताओं का सम्मान किया गया। इस दौरान स्वामी अवतार पुरी (उताधिकारी), फूल पुरी (महामण्डलेश्वर) एवं राजेन्द्र पुरी (आचार्य) ने ऑल राजस्थान एडवोकेट फेडरेशन के पदाधिकारियों तथा प्रदेशभर से पधारे अधिवक्ताओं को ओम आश्रम का मानचित्र रूप स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया।

इस अवसर पर आश्रम परिवार की ओर से सभी अधिवक्ताओं के प्रति शुभकामनाएं व्यक्त करते हुए कहा गया कि न्याय व्यवस्था में अधिवक्ताओं की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है और ऐसे आयोजन अधिवक्ता एकता को और सशक्त बनाते हैं। ऑल राजस्थान एडवोकेट फेडरेशन द्वारा प्रदेशभर से आए हाईकोर्ट बार एसोसिएशन, विभिन्न बार एसोसिएशनों के पदाधिकारियों एवं अधिवक्ताओं का धन्यवाद दिया गया। अभिभाषक मंडल पाली के अध्यक्ष पी.एम. जोशी एवं सचिव मुकुल सोनी ने सभी अतिथियों, प्रदेशभर से पधारे अधिवक्ताओं, व्यवस्था समिति के सदस्यों तथा कार्यक्रम में सहयोग करने वाले सभी व्यक्तियों का आभार व्यक्त किया और उनके सहयोग के लिए धन्यवाद दिया।

इस अवसर पर पीएम जोशी अध्यक्ष, मुकुल सोनी सचिव, योगेन्द्र ओझा , चन्दभानु, सफी पठान, शंकर लाल गहलोत, महेंद्र सिंह मेडतिया, खंगराराम पटेल, जितेंद्र सिंह, भागीरथ सिंह रूपावास, जब्बरसिंह सिंह उपाध्यक्ष, कुन्दन चौहान, सद्दाम काजी, प्रवीण साहू, दीपक सोनी, विकास बंजारा, अल्ताफ हुसैन, सुरेश, रिषभ, हिमांशु ,हितेश आदि मौजूद रहे।

अवैध बजरी खनन के मामले में पांच आरोपी गिरफ्तार

बालोतरा, निसं)। बालोतरा पुलिस ने रविवार को अवैध बजरी खनन माफियाओं के खिलाफ कार्यवाही कर दो जेसीबी, ग्यारह डम्पर तथा एस्कोर्ट में प्रयुक्त वाहन बोलेरो जब्त कर आरोपियों को गिरफ्तार किया।

बालोतरा पुलिस अधीक्षक रमेश आईपीएस ने बताया कि जिले में अवैध खनन के कारोबारियों पर विधिक शिकंजा कसने एवं अवैध खनन के सभी संदिग्ध ठिकानों को ध्वस्त कर अवैध खनन की पूर्ण रोकथाम करने हेतु चलाए जा रहे विशेष अभियान के तहत हरफूलसिंह आरपीएस, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक बालोतरा एवं देरावरसिंह आरपीएस, वृताधिकारी सिवाना के निकटतम सुपरविजन में नरपतदान निपु.. थानाधिकारी समदडी के नेतृत्व में जिला डीएसटी बालोतरा एवं पुलिस टीम द्वारा संयुक्त कार्यवाही करते हुए अवैध बजरी से भरे 3 डम्पर, बजरी में संलिप्त वाहन डम्पर 8, जेसीबी मशीन 2 तथा एस्कोर्ट में प्रयुक्त बोलरो जब्त कर अवैध बजरी खनन माफिया 5 आरोपी महावीर सिंह, नटवरकरण सिंह, विक्रम, मूसे खां व बालम खां को गिरफ्तार करने में सफलता हासिल की है।

डीएसटी व पुलिस संयुक्त कार्यवाही के तहत पुलिस टीमों द्वारा सरहद देवलीयाली, लूणी नदी के बहाव क्षेत्र में दबिश दी गई। दबिश के दौरान अवैध खनिज पदार्थ बजरी से भरे 3 डम्पर तथा अवैध बजरी खनन में संलिप्त 8 खाली डम्पर, जो लूणी नदी के अंदर अवैध खनन स्थल पर कतार में खडे होकर अपनी बारी का इंतजार करते हुए पाए गए। इसके अतिरिक्त अवैध बजरी खनन एवं डम्पर भरवाने में प्रयुक्त 02 जेसीबी मशीनें तथा अवैध बजरी से भरे डम्परों को एस्कोर्ट कर पार करवाने एवं पुलिस की रेकी करने में प्रयुक्त वाहन बोलेरो मौके पर मिली। उक्त सभी 14 वाहनों को मौके पर विधिवत जब्त किया गया।

इस दौरान वाहन चालक / मालिक कुल 05 मुलजिमान महावीरसिंह पुत्र माधुसिंह जाति राजपूत, उम्र 36 वर्ष, निवासी समदडी, थाना समदडी, जिला बालोतरा, नटवरकरणसिंह पुत्र मनोहरकरण जाति राजपूत, उम्र 40 वर्ष, निवासी समदडी, थाना समदडी, जिला बालोतरा, वि म पुत्र रमेश जाति विश्नोई, उम्र 19 वर्ष, निवासी ठाडिया, थाना चामू, जिला जोधपुर ग्रामीण, मुसे खां पुत्र जानु खां जाति मुसलमान, उम्र 36 वर्ष, निवासी परबतसर भुर्जगढ, थाना फलसुण्ड, जिला जैसलमेर तथा बालम खां पुत्र नसरूदीन जाति मुसलमान, उम्र 37 वर्ष, निवासी गज्जा, थाना फलोदी, जिला फलोदी को नियमानुसार गिरफ्तार किया गया।

गोष्ठी आयोजित

जालोर, (का.सं.)। विश्व उपभोक्ता दिवस के अवसर पर रविवार को कलेक्ट्रेट सभागार में ''सुरक्षित उत्पाद-आश्वस्त उपभोक्ता'' विषय पर संगोष्ठी का आयोजन किया गया।

संगोष्ठी में सायला व आहोर की प्रवर्तन निरीक्षक श्रीमती पदमा चैधरी ने कहा कि इस वर्ष उपभोक्ता दिवस की थीम का मुख्य उद्देश्य उत्पाद सुरक्षा से संबंधित है। उन्होंने डिजिटल युग की नवीन चुनौतियों एवं उपभोक्ता अधिकारों के संबंध में चर्चा की। प्रवर्तन निरीक्षक राहुल दुबे ने उपभोक्ता अधिकारों एवं उनके संरक्षण के लिए बने उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, के बारे में विस्तृत जानकारी दी।

सार-समाचार

जिला स्तरीय विकसित राजस्थान दौड़

जोधपुर, (कासं) । राजस्थान दिवस समारोह-2026 के अंतर्गत जिले में आयोजित किए जा रहे विभिन्न कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को प्रातः जिला स्तरीय विकसित राजस्थान रन का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिला कलक्टर गौरव अग्रवाल द्वारा नगर निगम कार्यालय से हरी झंडी दिखाकर किया गया। इस अवसर पर जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी आशीष कुमार मिश्रा, नगर निगम आयुक्त सिद्धार्थ पालानीचामी तथा अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी गणपतलाल सुथार भी उपस्थित रहे। निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विकसित राजस्थान रन नगर निगम कार्यालय से प्रारंभ होकर मारवाड़ इंटरनेशनल सेंटर होते हुए पुनः नगर निगम कार्यालय पहुंचकर संपन्न हुई। तक आयोजित की गई। इस दौरान प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह के साथ दौड़ में भाग लेते हुए विकसित राजस्थान के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाने का संदेश दिया। इस रन में स्कूल एवं कॉलेज शिक्षा के छात्र-छात्राओं के साथ-साथ एनसीसी, एनएसएस तथा हिन्दुस्तान स्काउट एवं गाइड के कैडेट्स ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बड़ी संख्या में युवाओं ने दौड़ में शामिल होकर स्वस्थ जीवनशैली और सकारात्मक जनभागीदारी का संदेश दिया। दौड़ में नगर निगम, पुलिस विभाग, आरएसी, खेल विभाग, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग, जिला परिषद सहित विभिन्न विभागों के अधिकारी-कर्मचारियों तथा प्रतिभागियों ने भी बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया।

पोकरण में स्वच्छता सप्ताह की शुरुआत

पोकरण, (कासं)। स्वायत्त शासन विभाग राजस्थान सरकार के निर्देशानुसार नगरपालिका पोकरण द्वारा स्वच्छता सप्ताह की शुरुआत की गई। पालिका अधिशाषी अधिकारी झब्बरसिंह के निर्देशन में 14 मार्च से 19 मार्च तक चलने वाले स्वच्छता अभियान के तहत शनिवार को गांधी चौक पर प्लास्टिक बैन की शपथ दिलाई गई। कार्यक्रम के दौरान उपस्थित अधिकारियों, कर्मचारियों एवं आमजन को प्लास्टिक के उपयोग से होने वाले नुकसान के बारे में जानकारी दी गई तथा एकल उपयोग प्लास्टिक से बचने का संकल्प दिलाया गया। इस अवसर पर नगरपालिका के समस्त अधिकारी-कर्मचारी तथा स्थानीय नागरिक मौजूद रहे। नगरपालिका की ओर से बताया गया कि स्वच्छता सप्ताह के दौरान वार वाइज विभिन्न गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। आगामी दिनों में शहरी क्षेत्र के सार्वजनिक शौचालयों की साफ-सफाई, प्लास्टिक बैन के प्रति जागरूकता, स्वच्छता रैली सहित कई कार्यक्रम आयोजित होंगे। साथ ही धार्मिक स्थलों, सरकारी कार्यालयों, स्कूलों एवं अन्य सार्वजनिक स्थानों पर विशेष सफाई अभियान चलाया जाएगा। अभियान के माध्यम से स्वच्छ सर्वेक्षण 2025-26 की तैयारियों को भी अंतिम रूप दिया जाएगा तथा पूरे क्षेत्र में निरंतर सफाई अभियान जारी रखा जाएगा।

मंडलनाथ मेले का शुभारंभ आज

जोधपुर, (कासं) । पालड़ी गांव स्थित मंडलनाथ महादेव मंदिर में दो दिवसीय मेला 16 मार्च से शुरु होगा। मन्दिर ट्रस्ट के सचिव प्रेम कुमार जोशी ने बताया कि 16 मार्च को सुबह 10 बजे 151 रूद्री पाठी महारूद्राभिषेक का आयोजन होगा। वहीं पंचवक्रीय पूजा की जाएगी। सोमवार को रात शहर की विभिन्न भजन मंडलियों के गायक कलाकारों की ओर से भजनों की प्रस्तुति दी जाएगी। दो दिवसीय मेले में रियायती दर पर खान पान की स्टॉल के साथ बच्चों के मनोरंजन के लिए भी स्टॉलें लगाई गई हैं। ट्रस्ट के अध्यक्ष मंडल दत्त पुरोहित एवं कोषाध्यक्ष गुरुदत्त पुरोहित ने बताया, समिति की ओर से मेला स्थल तक आने के लिए महेश स्कूल से बसों की सुविधा उपलब्ध करवाई गई हैं। मेले के मुख्य अतिथि जस्टिस संजीत पुरोहित विशिष्ट अतिथि जस्टिस गोपालकृष्ण व्यास, सूरसागर विधायक देवेन्द्र जोशी, मनीष व्यास, उद्योगपति राधेश्याम रंगा एवं उद्योगपति दिनेश पुरोहित होंगे। वहीं अध्यक्षता दंतरोग विशेषज्ञ डॉ. वी.डी. जोशी करेंगे। सचिव जोशी ने बताया कि दूसरे दिन मंगलवार 17 मार्च को सुबह की महाआरती के बाद सामुहिक महाप्रसादी का आयोजन होगा।

वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट प्रदर्शनी

जैसलमेर, (नि.सं.)। राजस्थान दिवस 2026 के अवसर पर जिला उद्योग एवं वाणिज्य केंद्र द्वारा अखे प्रोल, फोर्ट जैसलमेर परिसर में आयोजित पाँच दिवसीय ओडीओपी वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट प्रदर्शनी एवं मेले का रविवार को विधिवत शुभारम्भ जैसलमेर विधायक छोटूसिंह भाटी एवं जिला परिषद की मुख्य कार्यकारी अधिकारी रश्मी रानी ने किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन कर शिल्पकारों व उद्यिमयों से संवाद किया एवं स्थानीय उत्पादों की सराहना की। राज्य सरकार के निर्देशानुसार आयोजित यह प्रदर्शनी 15 से 19 मार्च तक अखे प्रोल, फोर्ट जैसलमेर में आयोजित की जा रही है। मेले में जिले के ओडीओपी उत्पाद पीले पत्थर से निर्मित वस्तुएं एवं अन्य स्थानीय हस्तशिल्प उत्पादों को प्रदर्शित किया गया है, जिससे इन्हें व्यापक पहचान और बाजार उपलब्ध हो सके। इस अवसर पर विधायक छोटू सिंह भाटी ने कहा कि इस प्रकार के आयोजन स्थानीय शिल्पकारों, दस्तकारों और बुनकरों को अपने उत्पादों को प्रदर्शित करने एवं नए बाजार से जोड़ने का अवसर प्रदान करते हैं। इससे न केवल पारंपरिक कला को संरक्षण मिलता है बल्कि स्वरोजगार को भी बढ़ावा मिलता है।

जोधपुर ग्रामीण एसपी नित्या ने बैठक ली

जोधपुर, (कासं) । जोधपुर ग्रामीण की नई एसपी नित्या ने रविवार को कार्यभार संभाला। इस मौके पर उन्होंने पुलिस अधिकारियों की बैठक भी ली। वही मिडिया कर्मियों से बातचीत करते हुए उन्होंने क्षेत्र में कानून व्यवस्था बनाए रखने को लेकर प्राथमिकताएं बताई। नित्या ने कहा कि उन्हें जोधपुर शहर में करीब 4 महीने हो चुके हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में युवाओं को नशे की लत में धकेलने और उन्हें नशे के पैडलर बनाने को लेकर कहा कि नशे के नेटवर्क को तोड़ने के लिए टीम को सशक्त करेंगे। खासतौर पर सादा वर्दी में पुलिसकर्मियों को नशे की तस्करी रोकने के लिए लगाया जाएगा। उन्होंने अपराधियों को चेतावनी दी और कहा कि पुलिस आमजन के लिए है, लेकिन अपराधियों में पुलिस का डर कायम रहे इस पर फोकस रहेगा। बता दें कि हाल ही में जारी हुई ट्रांसफर लिस्ट में आईपीएस नित्या को जोधपुर ग्रामीण के एसपी पद पर लगाया गया है। नित्या जोधपुर कमिश्नरेट के ईस्ट जिले में डीसीपी के पद पर थी। उन्हें ग्रामीण के एस पी नारायण टोगस ने चार्ज सौंपा।

अमृता हाट में उमड़ी भीड़

सिरोही,(नि.सं.)। अमृता हाट के तीसरे दिन रविवार को अवकाश के कारण शहर के कई लोगो ने हाट की ओर रूझान किया। सुबह से विकसित राजस्थान रन के साथ आए युवक युवती, महिलाओ आदि ने हाट का आनन्द उठाया। जिले की समस्त साथिनो, आंगनबाडी कार्यकर्ता व स्वयं सहायता समूह की महिलाओं के मध्य विभाग की ओर से विविध खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित की गई । जिसमें प्रथम दो स्थान पर रहने वाली महिलाओं व उनके समूह को रसद विभाग से तहसीलदार जगदीश विश्नोई, प्रवर्तन निरीक्षक सोनल राणावत, ब्लॉक मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ विवेक जोशी द्वारा पुरस्कृत किया गया। सहायक निदेशक महिला अधिकारिता अंकिता राजपुरोहित ने बताया कि अमृता हाट में कई जिलो से आये महिला स्वयं सहायता समूह एवं महिला उद्यमियो के उत्पाद शहर वासियो के द्वारा पसंद किये जा रहे है। मुख्यतः बेडशीट, कंबल, रागी ज्वार बाजरा बिस्किट, खींचिया, पापड, बडिया, जूती, मोजडी, बाड़मेर प्रिंट बेडशीट साडियां, पोकरण के मिट्टी के आइटम आकर्षण केंद्र रहे।

कार्यालय प्राधिकृत अधिकारी, आयुक्त, नगरपरिषद, जालोर

क्रमांकः नपजा/कृ.भू.रू./ लोक सूचना/2026/9377 दिनांकः-11/03/2026

लोक-सूचना

सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित व्यक्तियों द्वारा इस कार्यालय में नीचे उल्लेखित कृषि भूमि गैर कृषिक प्रयोजन के उपयोग हेतु ऐसी भूमि के अपने अभिधृत अधिकारों के लिए आवेदन प्रस्तुत किया है-

क्र. सं.	आवेदक का नाम	राजस्व ग्राम	खसरा नंबर	क्षेत्रफल (वर्गगज/वर्गमीटर)	आवेदित भूखण्ड का आस पडौस	प्रयोजन
1	जशोदा पत्नि वेलाराम महेशपुरा रोड जालोर	जालोर -बी	7826/ 7746	6400.00 वर्गमीटर	उत्तर- 40 फीट रोड दक्षिण- 7738/3961 पूर्व- 7407/7289 पश्चिम 7825/7746	रेस्टोरेन्ट व हाटल

इसलिए इसके द्वारा समस्त संबंधित व्यक्तियों को सूचित किया जाता है कि यदि किसी व्यक्ति को राजस्थान भू-राजस्व अधिनियम 1956 की धारा 90क और राजस्थान अभिधृति अधिनियम 1955 की धारा 63 के अधीन पूर्वोक्त प्रयोजनों के लिए भूमि के उपयोग हेतु अनुज्ञा प्रदान करनें के 07 दिवस के भीतर-भीतर किसी भी कार्य दिवस पर कार्यालय समय के दौरान अधोहस्ताक्षरकर्ता के समक्ष समर्थक दस्तावेजों के साथ अपने आक्षेप प्रस्तुत कर सकेगा।

उक्त नियत समय के भीतर भीतर किसी आक्षेप के अभाव में यह समझा जाऐगा की किसी को आक्षेप नहीं है और तद्नुसार मामले का निपटारा किया जावेगा।

यह सूचना मेरे हस्ताक्षर और मुहर के अधीन दिनांक............ को जारी की जाती है।

प्राधिकृत अधिकारी
आयुक्त नगर परिषद जालोर

अंबाला में पकड़े आतंकियों ने आईईडी के पार्सल चार से पांच दिन तक हनुमानगढ़ में रखे थे

अंबाला में पकड़े गए तीनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उनकी योजना देश के कई शहरों में विस्फोट करने की थी

हनुमानगढ़, (निसं)। हरियाणा के अंबाला में गिरफ्तार तीन आतंकवादियों से पूछताछ में हनुमानगढ़ से जुड़ा एक बड़ा खुलासा हुआ है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार, इन आतंकियों ने आईईडी के पार्सल करीब चार से पांच दिन तक हनुमानगढ़ में रखे थे। इस सूचना के सामने आते ही हनुमानगढ़ पुलिस सतर्क हो गई है और मामले की जांच के लिए एक टीम अंबाला रवाना की गई है। अंबाला में पकड़े गए तीनों आरोपियों ने पूछताछ में बताया कि उनकी योजना देश के कई शहरों में विस्फोट करने की थी। शुरुआती सूचना में हनुमानगढ़ का नाम भी संभावित लक्ष्यों में से एक के रूप में सामने आया है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है।

- इस सूचना के सामने आते ही हनुमानगढ़ पुलिस सतर्क हो गई है और मामले की जांच के लिए एक टीम अंबाला रवाना की गई है
- शुरुआती सूचना में हनुमानगढ़ का नाम भी संभावित लक्ष्यों में से एक के रूप में सामने आया है, हालांकि इसकी आधिकारिक पुष्टि अभी तक नहीं हुई है
- आरोपियों ने पहले आरडीएक्स हनुमानगढ़ लाने की योजना बनाई थी, लेकिन वह यहां नहीं पहुंच सका, बाद में उन्होंने अपनी योजना बदली और आईईडी के साथ अंबाला रवाना हो गए

सूत्रों के मुताबिक आरोपियों ने पहले आरडीएक्स हनुमानगढ़ लाने की योजना बनाई थी, लेकिन यह यहां नहीं पहुंच सका। इसके बाद उन्होंने अपनी योजना बदली और आईईडी के साथ अंबाला की ओर रवाना हो गए। इसी दौरान हरियाणा एसटीएफ ने तीनों संदिग्धों को अंबाला में गिरफ्तार कर लिया था। इस खुलासे के बाद हनुमानगढ़ पुलिस तुरंत हरकत में आ गई है। पुलिस अधीक्षक हरिशंकर के निर्देश पर एक टीम अंबाला भेजी गई है। यह टीम वहां गिरफ्तार आतंकियों से पूछताछ कर मामले से जुड़े सभी तथ्यों की जानकारी जुटाएगी। फिलहाल, हरियाणा पुलिस और केंद्रीय सुरक्षा एजेंसियां आरोपियों से गहन पूछताछ कर रही हैं। हनुमानगढ़ पुलिस भी स्थानीय स्तर पर जांच में जुट गई है। पुलिस सीसीटीवी फुटेज खंगाल रही है और सायबर सेल की मदद से आतंकियों के संभावित गतिविधियों का पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है।

एसपी हरीशंकर ने बताया कि विस्फोटक पदार्थों की कथित आवाजाही के समय ही जिला पुलिस ने एक अंतरराज्यीय गिरोह के दो सदस्यों को बड़ी मात्रा में हथियारों के साथ पकड़ा था। उन्होंने कहा कि उस दौरान पुलिस पूरी तरह से सक्रिय होकर काम कर रही थी।

हनुमानगढ़ दो राज्यों, पंजाब और हरियाणा की सीमा से सटा हुआ है और अंतरराष्ट्रीय सीमा से भी अधिक दूर नहीं है। ऐसे में यह इलाका लंबे समय से हथियार और मादक पदार्थों की तस्करी का ट्रांजिट रूट माना जाता रहा है। हाल ही में पुलिस ने बस में सवार दो लोगों से बड़ी मात्रा में हथियार भी बरामद किए थे। ऐसे में सुरक्षा एजेंसियों को आशंका है कि इस नेटवर्क से जुड़े स्लीपर सेल भी इलाके में सक्रिय हो सकते हैं। पुलिस अब इस पूरे एंगल से जांच कर रही है।

'आतंकी साजिश में गिरफ्तार अली अकबर ऑटो चलाता था'

अजमेर (निसं)। हनुमानगढ़ ब्लास्ट की साजिश में गिरफ्तार अजमेर निवासी अली अकबर शहर में ऑटो चलाकर अपना गुजारा करता था। वह 8 मार्च को घर से जयपुर घूमने जाने की बात कहकर निकला था, लेकिन परिजनों को यह जानकारी नहीं थी कि वह वास्तव में कहां गया है।

- आरोपी के भाई ने बताया कि जयपुर घूमने की बात कहकर आठ मार्च को घर से निकला, परिजनों को गतिविधियों की जानकारी नहीं थी

उल्लेखनीय है कि अजमेर के रहने वाले अली अकबर पुत्र अली रमजान को पुलिस ने हनुमानगढ़ ब्लास्ट की साजिश के मामले में उसके दो साथियों के साथ अंबाला जिले के बराड़ा दोसदड़ा रोड स्थित सिंबला गांव के पास से गिरफ्तार किया था। पुलिस ने आरोपियों के पास से एक किलो 975 ग्राम आरडीएक्स, आईईडी डेटोनेटर और अन्य उपकरण बरामद किए हैं। अंबाला कोर्ट ने तीनों आरोपियों को सात दिन की रिमांड पर पुलिस के हवाले किया है, जहां सुरक्षा एजेंसियां उनसे पूछताछ कर रही हैं। प्राथमिक जांच में सामने आया है कि विस्फोटक पाकिस्तान में बैठे आतंकी शहजाद भट्टी द्वारा ड्रोन के माध्यम से पंजाब में गिराए गए थे। इन विस्फोटकों के जरिए हनुमानगढ़ के तोपखाना क्षेत्र को उड़ाने की साजिश रची जा रही थी।

गिरफ्तार आरोपी के भाई अली असगर ने मीडिया को बताया कि अली अकबर उसका भाई है और वह रेलवे स्टेशन के गेट नंबर 2 से दरगाह तक अपना ऑटो चलाने का काम करता था। इन दिनों रमजान के चलते कामकाज कम होने से वह घर पर ही रहता था। 8 मार्च की सुबह करीब छह बजे वह एक हजार रुपये लेकर घर से निकला और जयपुर घूमने जाने की बात कही थी। असगर के अनुसार 9 मार्च को फोन पर उससे सामान्य बातचीत हुई थी, लेकिन उसके बाद से उसने फोन उठाना बंद कर दिया। परिवार को इस बात की कोई जानकारी नहीं थी कि वह किसी आतंकी साजिश में शामिल है। उसने कहा कि यदि उसके भाई ने गलत काम किया है तो उसे कड़ी से कड़ी सजा मिलनी चाहिए। साथ ही जिसने उसका ब्रेनवॉश किया है, उसे भी बराबर की सजा मिलनी चाहिए। परिजनों के अनुसार आरोपी का ऑटो उसी का है और वह अक्सर रात में रेलवे स्टेशन से दरगाह तक जायरीन को छोड़ने का काम करता था। शनिवार रात पुलिस टीम उसके घर पहुंची थी और परिवार से पूछताछ के साथ उसका पहचान पत्र भी ले गई। परिवार ने पुलिस को वही जानकारी दी जो उन्हें पता थी।

सूत्रों के अनुसार अली अकबर की गिरफ्तारी के बाद सात दिन की रिमांड के दौरान उससे पूछताछ में कई अहम खुलासे होने की संभावना है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने में जुटी हैं कि वह आतंकियों के संपर्क में कैसे आया और उसे साजिश में शामिल करने वाला कौन था। साजिश के लिए फंडिंग कहां से हुई और क्या अजमेर में उसका कोई नेटवर्क था, इस पहलू की भी जांच की जा रही है।

जोधपुर सेंट्रल जेल से 13 मोबाइल बरामद

जब्त मोबाइल को जेल के शौचालय, फर्श और नालियों में छिपाया गया था

जोधपुर, (कासं)। जोधपुर की सेंट्रल जेल में 13 मोबाइल बरामद किए गए। जेल में इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया था। इस पार्टी में हुए आयोजन के फोटो किसी कैदी ने मोबाइल के जरिए सोशल मीडिया पर वायरल कर दिए। इसका पता लगने के बाद जेल अधीक्षक प्रदीप लखावत के नेतृत्व में टीम ने देर रात तलाशी अभियान चलाया। इस अभियान के दौरान 13 मोबाइल बरामद किए गए, जिसमें से 11 मोबाइल अलग-अलग जगहों पर छिपाए गए थे, जबकि 2 मोबाइल बंदियों के पास से मिले। इसके अलावा 11 सिम कार्ड भी बरामद किए गए हैं। फिलहाल इस पूरे मामले की जांच की जा रही है।

जेल सूत्रों के मुताबिक 13 मार्च को क्वार्टर के निर्देशों पर एक ही बैरक में इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया था। इस पार्टी में जेल के कैदियों को शामिल किया गया था। बताया जा रहा है कि किसी कैदी ने इस पार्टी से जुड़े वीडियो सोशल मीडिया पर डाल दिए। इस फोटो के आधार पर जेल में बंदियों को चिन्हित कर तलाशी ली गई तो बंदियों के पास से मोबाइल और सिम कार्ड बरामद किए गए। जेल सुपरिंटेंडेंट प्रदीप लखावत के नेतृत्व में टीम ने देर रात वार्ड 7 की बैरक संख्या 3 में आधुनिक मशीन के जरिए तलाशी ली। यहां से 7 एंड्रॉयड मोबाइल, 4 कीपैड फोन और 11 सिम कार्ड बरामद किए गए। ये मोबाइल अलग-अलग स्थान पर छिपाए गए थे। इन मोबाइल को जेल के शौचालय, फर्श और नालियों में अलग-अलग जगहों पर छिपाया गया था।

- जेल में इफ्तार पार्टी का आयोजन किया गया था, इस पार्टी में हुए आयोजन के फोटो किसी कैदी ने मोबाइल के जरिए वायरल कर दिए थे

जानकारी के मुताबिक जेल के कैदी वसीम खान, वहिद खान, शेखर, सुभाष और करीम ने सेल्फी लेकर सोशल मीडिया पर शेयर की। सेल्फी लेने वाला कैदी सलीम वार्ड दस की बैरक संख्या 2 के बंदी नरपत पुत्र चौथाराम से लेकर आया था। टीम ने जब उसकी बैरक में तलाशी ली तो कैदी नरपत के बिस्तर से 1 मिनी कीपैड मोबाइल बिना सिम कार्ड के बरामद किया गया। वहीं बंदी करीम पुत्र सलीम की ओर से यूज किए गए रेडमी कंपनी का एक एंड्राइड मोबाइल भी बरामद किया गया। इसके बाद टीम ने जेल की बैरक में और तलाशी ली तो अलग-अलग जगह पर छिपाए गए 11 और मोबाइल फोन व सिम कार्ड बरामद हुए। जेल प्रशासन जांच कर रहा है।

500 ग्राम हेरोइन ले जाने के मामले में पिता गिरफ्तार, पुत्र फरार

बीकानेर, (निसं)। जनवरी माह में पाक तस्करों की ओर से खाजूवाला बॉर्डर से तीन किमी दूर चक 40केजेडी में ड्रोन से दो पैकेट हेरोइन गिराई गई थी। श्रीगंगानगर से चोरी की बाइक पर आए पिता-पुत्र 500 ग्राम हेरोइन का एक पैकेट ले गए थे। दूसरा पैकेट उन्हें नहीं मिला जो बाद में बीएसएफ और पुलिस ने बरामद किया, जिसमें 505 ग्राम हेरोइन थी। पुलिस ने इस मामले में पिता को गिरफ्तार किया है। पुत्र फरार है जिसकी तलाश की जा रही है।

- श्रीगंगानगर से चोरी की बाइक पर आए पिता-पुत्र ले गए थे 500 ग्राम हेरोइन
- दूसरा पैकेट 40 केजेडी में बरामद हुआ था, जिसमें 505 ग्राम हेरोइन थी

मामले की जांच कर रहे पूगल पुलिस थाने के एसएचओ समरवीरसिंह ने बताया कि पाकिस्तानी तस्करों ने बीकानेर के खाजूवाला में बॉर्डर से तीन किमी दूर 40 केजेडी में ड्रोन से दो पैकेट हेरोइन गिराई थी। बीएसएफ और पुलिस को 2.50 करोड़ रुपए की 505 ग्राम हेरोइन का एक पैकेट ही मिला था। मामले की जांच-पड़ताल में सामने आया कि श्रीगंगानगर में समेजा कोठी स्थित 2बीडब्लूयूएसएम बरुवाला निवासी कृष्णकुमार रायसिख और उसका बेटा चरणजीत उर्फ चन्नी चोरी की बाइक लेकर हेरोइन की डिलीवरी लेने आए थे। दोनों को एक पैकेट मिल गया, जिसमें 500 ग्राम हेरोइन थी। दूसरा पैकेट हाथ नहीं लगा और इस दौरान बीएसएफ की हलचल देखकर वे दोनों बाइक छोड़कर मौके से फरार हो गए थे।

पुलिस ने कृष्ण कुमार को गिरफ्तार कर 18 मार्च तक रिमांड पर लिया है। उसका बेटा फरार है जिसकी तलाश की जा रही है। दोनों शातिर अपराधी हैं और उनके खिलाफ पूर्व में भी तस्करी के मुकदमे दर्ज हैं। कृष्णकुमार के एक बेट और है, वो भी मादक पदार्थों की तस्करी करता रहा है। अभियुक्तों ने 500 ग्राम हेरोइन का पैकेट किसको दिया, हेरोइन तस्करी में कौन लोग शामिल हैं, इसका पता लगाया जा रहा है। गौरतलब है कि खाजूवाला पुलिस थाने में दर्ज हुए पाक से हेरोइन तस्करी के मामले की जांच पूगल एसएचओ को सौंपी गई थी।

उदयपुर : झाड़ोल इलाके में दो दोस्तों की हत्या के बाद दूसरे दिन भी तनाव

उदयपुर, (कासं)। झाड़ोल उपखण्ड में दो दोस्तों की हत्या के मामले में दूसरे दिन रविवार को भी तनाव के हालात बने हुए हैं। बाघपुरा थाने के बाहर रविवार सुबह से धीरे-धीरे ग्रामीणों की भीड़ जुट गई। करीब तीन थानों का जाब्ता यहां तैनात है। ग्रामीण जल्द से जल्द आरोपियों की गिरफ्तारी, परिवार को 50-50 लाख रुपए मुआवजा और संविदा पर नौकरी की मांग पर अड़े हैं। लोगों का कहना है कि मांग पूरी नहीं होने तक वे शव नहीं उठाएंगे।

- ग्रामीण आरोपियों की गिरफ्तारी, परिवार को 50-50 लाख रुपए का मुआवजा और संविदा पर नौकरी की मांग पर अड़े
- लोगों का कहना है कि मांग पूरी नहीं होने तक वे शव नहीं उठाएंगे, मौके पर करीब तीन थानों का जाब्ता तैनात है

शनिवार देर शाम को तहसीलदार और डीएसपी विवेकसिंह के साथ ग्रामीणों की वार्ता हुई थी, लेकिन मांगों पर सहमति नहीं बनी। फिर से प्रशासन के साथ मांगों पर वार्ता और समझाइश के प्रयास जारी हैं। इधर आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस की टीमें लगातार तलाश में जुटी हैं लेकिन फिलहाल कोई सफलता नहीं मिल पाई है।

जानकारी के अनुसार शुक्रवार को रात करीब आठ बजे सुरेश (25) पुत्र अमृत अहारी और भैरूलाल (27) पुत्र प्रभुलाल बडगोजा निवासी रिछावर बाइक पर सैलाना गए थे। रास्ते में बाइक सवार करीब छह बदमाशों ने उन्हें रोक लिया। तलवारों और हथियारों से हमला कर दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई थी। घटना के समय पास ही किराना की दुकान चलाने वाले सुमित (30) पुत्र रूपजी ने शोर सुना तो बीच-बचाव करने आया। बदमाशों ने उस पर भी हमला कर दिया जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। शोर सुनकर आसपास के ग्रामीण दौड़कर मौके पर पहुंचे, लेकिन बदमाश वहां से भाग निकले।

अफीम सहित आरोपी को गिरफ्तार किया

कोटा, (निसं)। मादक पदार्थ विरोधी अभियान को जारी रखते हुए केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो (सीबीएन) चित्तौड़गढ़ सेल के अधिकारियों की टीम ने कार्रवाई करते हुए बाइक सवार को रोककर तलाशी के दौरान 1.945 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद कर आरोपी को गिरफ्तार किया।

- बाइक सवार को रोककर तलाशी लेने पर 1.945 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद की

उक्त कार्रवाई केन्द्रीय नारकोटिक्स ब्यूरो के उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल के निर्देशन में की गई। उप नारकोटिक्स आयुक्त नरेश बुंदेल ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली कि मोटरसाइकिल से एक व्यक्ति चितौड़गढ़ में अवैध नशीले पदार्थ को तस्कर तक पहुंचाने के लिये जिला चितौड़गढ़ के निम्बाहेड़ा-चितौड़गढ़ राजमार्ग शंभूपुरा बायपास से अवैध मादक पदार्थ अफीम ले जा रहा है। उक्त सूचना पर सीबीएन चित्तौड़गढ़ सेल के अधिकारियों की एक टीम गठित की गई और टीम को मौके के लिये रवाना किया गया। गठित टीम ने संदिग्ध मार्ग पर कड़ी निगरानी रखी और वाहन तथा उस व्यक्ति की पहचान करने के बाद सीबएन अधिकारियों ने शंभूपुरा बायपास निम्बाहेड़ा-चित्तौड़गढ़ राजमार्ग के पास मोटरसाइकिल सवार व्यक्ति को रोका और मौके पर तलाशी लेने पर 1.945 किलोग्राम अवैध मादक पदार्थ अफीम बरामद की। टीम ने मौके पर अवैध मादक पदार्थ अफीम व वाहन को जब्त किया और एनडीपीएस एक्ट में कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार किया। मामले में आगे की जांच जारी है।

कोटा में महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत

कोटा, (निसं)। अनंतपुरा थाना इलाके में एक महिला की संदिग्ध अवस्था में मौत होने का मामला सामने आया है। जानकारी के अनुसार अनंतपुरा इलाके में 29 वर्षीय महिला की शनिवार देर रात्रि को संदिग्ध अवस्था में मौत हो गई।

मामले में सामने आया कि मृतका महिला के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। वहीं मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष के लोगों पर मारपीट व अन्य आरोप लगाते हुए महिला की हत्या की शंका जताई। महिला की मौत की सूचना पर पुलिस टीम मौके पर पहुंची। अनंतपुरा थानाधिकारी रमेश कविया ने बताया कि मृतका अनंतपुरा निवासी सारिका (29) थी, मृतका के शरीर पर चोट के निशान मिले हैं। मृतका के शव का मेडिकल बोर्ड से पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया है। मृतका के परिजनों ने ससुराल पक्ष के खिलाफ शिकायत दी है। थानाधिकारी ने बताया कि मृतका के परिजनों की रिपोर्ट पर ससुराल पक्ष के लोगों के खिलाफ हत्या का मामला दर्ज कर लिया है। मृतका की मौत किन कारणों के चलते हुई है, इसका खुलासा पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही हो पायेगा। मामला दर्ज कर जांच की जा रही है।

- पीहर पक्ष की रिपोर्ट पर पुलिस ने मामला दर्ज किया

निवाई की होटलों में तीन घरेलू सिलेंडर मिले

होटल में घरेलू सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग मिला

टोंक, (निसं)। निवाई थाना क्षेत्र में उपखण्ड अधिकारी प्रीति मीणा ने घरेलू गैस सिलेंडरों के व्यावसायिक उपयोग पर कार्रवाई करते हुए निवाई के ढाणी जुगलपुरा स्थित अनुष्का होटल व रेस्टोरेंट पर छापेमारी कर तीन घरेलू एलपीजी सिलेंडर जब्त किए। यह कार्रवाई घरेलू गैस सिलेंडरों के दुरुपयोग और कालाबाजारी रोकने के अभियान के तहत की गई। होटल में घरेलू सिलेंडरों का व्यावसायिक उपयोग पाया गया, जो नियमों का उल्लंघन है। जब्त किए गए सिलेंडरों को गैस एजेंसी को सुपुर्द कर दिया गया।

- जब्त किए गए सिलेंडरों को गैस एजेंसी को सुपुर्द कर दिया गया

अभियान के तहत एसडीएम मीणा ने झिलाय इंडियन गैस एजेंसी का भी औचक निरीक्षण किया। उन्होंने एजेंसी के रिकॉर्ड और वितरण व्यवस्था की जांच की। इसी दौरान हाइवे पर स्थित पारस रिसोर्ट की भी जांच की गई, जहां व्यावसायिक सिलेंडरों का उपयोग होता मिला। एसडीएम प्रीति मीणा ने बताया कि घरेलू गैस का व्यावसायिक उपयोग करने वालों पर सख्त कार्रवाई जारी रहेगी। उन्होंने आमजन से अपील की कि घरेलू सिलेंडरों का दुरुपयोग न करें और कालाबाजारी की सूचना तुरंत खाद्य विभाग को दें।

समर शेड्यूल में उदयपुर से दिल्ली, मुंबई की आधी फ्लाइट्स बंद

दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों की कनेक्टिविटी लगभग आधी रह जाएगी

उदयपुर, (कासं)। महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर लागू होने जा रहे नए समर शेड्यूल में उडानों की संख्या में भारी कटौती की गई है, जिससे दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे बड़े शहरों की कनेक्टिविटी लगभग आधी रह जाएगी।

- उडानों की संख्या में कटौती होने से विद्यार्थियों एवं व्यवसायियों को परेशानी होगी, पर्यटन उद्योग भी प्रभावित होगा
- महाराणा प्रताप एयरपोर्ट पर 29 मार्च से लागू होगा समर शेड्यूल, इंदौर की उडान पूरी तरह बंद
- राहत की बात सिर्फ इतनी है कि जयपुर के लिए चलने वाली उडानों में कोई कटौती नहीं की गई है

उदयपुर के महाराणा प्रताप एयरपोर्ट से हवाई सफर करने वाले यात्रियों के लिए 29 मार्च से मुश्किलें बढ़ने वाली है। एयरपोर्ट पर लागू होने जा रहे नए समर शेड्यूल में उडानों की संख्या में भारी कटौती की गई है, जिससे दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु जैसे बडे शहरों की कनेक्टिविटी लगभग आधी रह जाएगी। सबसे ज्यादा झटका उन हजारों छात्रों और व्यवसायियों को लगा है, जो लंबे समय से पुणे के लिए डायरेक्ट फ्लाइट की उम्मीद लगाए बैठे थे, लेकिन इस बार भी उनके हाथ खाली रहे। शेड्यूल के अनुसार दिल्ली के लिए अब 8 के बजाय केवल 4 फ्लाइट्स ही उडान भरेंगी। वहीं मुंबई के लिए भी संख्या 8 से घटकर 5 रह गई है। इंदौर की फ्लाइट पूरी तरह बंद कर दी गई है, जबकि बेंगलुरु के लिए अब सिर्फ एक विकल्प बचेगा। जयपुर रूट पर राहत है, लेकिन वहां भी समय में बड़ा बदलाव किया गया है।

विंटर शेड्यूल के मुकाबले इस बार समर शेड्यूल में फ्लाइट्स का ग्राफ काफी नीचे गिरा है। दिल्ली के लिए जहां पहले 8 फ्लाइट्स ऑपरेट होती थी, अब 29 मार्च से केवल 4 ही चलेंगी। इनमें दो फ्लाइट इंडिगो की और दो एयर इंडिया की शामिल हैं। इसी तरह मुंबई के लिए भी उडानों की संख्या 8 से घटकर 5 रह गई है। फ्लाइट्स कम होने का सीधा असर पैसेंजर्स की जेब पर पड़ेगा। सीटों की संख्या कम होने और डिमांड अधिक रहने से आने वाले दिनों में दिल्ली-मुंबई का टिकट काफी महंगा हो सकता है। आईटी सिटी बेंगलुरु जाने वालों को भी मायूसी हाथ लगी है, क्योंकि वहां के लिए अब 3 के बजाय सिर्फ 1 फ्लाइट ही उपलब्ध होगी। विंटर शेड्यूल में चल रही इंदौर की फ्लाइट को इस समर शेड्यूल में पूरी तरह हटा दिया गया है। इससे व्यापारिक दृष्टिकोण से जुड़े लोगों को अब सड़क मार्ग या लंबी दूरी तय कर दूसरे शहरों से कनेक्टिंग फ्लाइट लेनी होगी।

राहत की बात सिर्फ इतनी है कि जयपुर के लिए चलने वाली उडानों में कोई कटौती नहीं की गई है। विंटर शेड्यूल की तरह ही 2 फ्लाइट्स यथावत रहेंगी। इनके समय में बड़ा फेरबदल हुआ है। वर्तमान में जो फ्लाइट सुबह 7.55 बजे उदयपुर आती है, वह 29 मार्च से सुबह 11.25 पर आएगी। शाम को आने वाली फ्लाइट अपने निर्धारित समय से 45 मिनट जल्दी यानी शाम 5.50 पर उदयपुर पहुंचेगी। उदयपुर संभाग के लोगों में खासकर युवाओं और नौकरी पेशा लोगों को उम्मीद थी कि इस बार पुणे के लिए सीधी उडान शुरू होगी, लेकिन इस बार भी निराशा ही हाथ लगी है। उदयपुर, राजसमंद, चित्तौड़गढ़ और भीलवाड़ा जैसे जिलों के हजारों छात्र इंजीनियरिंग, मेडिकल और एमबीए की पढ़ाई के लिए पुणे में रहते हैं। साथ ही आईटी और ऑटोमोबाइल सेक्टर में काम करने वाले प्रोफेशनल भी बड़ी संख्या में वहां बसे हैं। उदयपुर एक प्रमुख पर्यटन स्थल है और गर्मियों की छुट्टियों में यहां बड़ी संख्या में पर्यटक आते हैं। प्रमुख महानगरों से फ्लाइट्स कम होने से पर्यटन व्यवसाय पर भी असर पड़ने की आशंका है।

ट्रेलर की चपेट से युवक की मौत

उदयपुर, (कासं)। उदयपुर के डबोक थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात दरौली स्थित हाइवे पर ट्रेलर की चपेट में आने से एक युवक की मौत हो गई। हादसा रात करीब दस बजे हुआ।

जानकारी के अनुसार जब युवक पैदल हाइवे पार कर रहा था। तभी तेज रफ्तार ट्रेलर ने उसे चपेट में ले लिया। युवक की मौके पर ही मौत हो गई और ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया। घटना के बाद आसपास लोगों की भीड़ जुट गई और हाइवे पर कुछ देर के लिए ट्रैफिक जाम हो गया। राहगीरों की सूचना पर डबोक थाना पुलिस मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी ली।

- हादसे के बाद ट्रेलर चालक मौके से फरार हो गया

थानाधिकारी गोपाल नाथ ने बताया कि मृतक की पहचान 35 वर्षीय किशनलाल उर्फ पिंटू पिता मोहनलाल डांगी निवासी महाराज की खेड़ी डबोक के रूप में हुई है। वह उदयपुर किसी काम से गया था। हाइवे क्रॉस कर वापस घर लौट रहा था। तभी ये हादसा हो गया। पुलिस ने रविवार को मृतक का पोस्टमॉर्टम करवाकर शव परिजनों को सौंप दिया। थानाधिकारी के अनुसार ट्रेलर की पहचान को लेकर आसपास सीसीटीवी खंगालते हुए पुलिस जांच में जुटी है।

टोंक में ग्रेनाइट माइंस में शॉर्ट सर्किट से आग लगी

टोंक, (निसं)। नासिरदा थाना क्षेत्र के गांव बिजवाड़ स्थित ग्रेनाइट माइंस में शनिवार को शॉर्ट सर्किट से आग लग गई। आग की चपेट में आने से मजदूरों की झोपड़ी और पास खड़ी एलएनटी मशीन का केबिन जल गया। घटना के समय मौके पर कोई मौजूद नहीं था, जिससे आग लगने की जानकारी देर से मिल सकी। बाद में मजदूरों और खान मालिक ने पानी के टैंकरों की मदद से करीब एक घंटे में आग पर काबू पाया। घटना में लगभग पांच लाख रुपए के नुकसान का अनुमान है।

- लगभग पांच लाख रुपए के नुकसान का अनुमान है, टैंकरों की मदद से आग पर काबू पाया

आग से मजदूरों की झोपड़ी और पास खड़ी एलएनटी मशीन का केबिन जल गया।

प्राप्त जानकारी के अनुसार बिजवाड़ में जय भवानी माइंस के पास बनी एक झोपड़ी में शॉर्ट सर्किट के कारण आग लग गई। आग तेजी से फैलने से झोपड़ी में रखा बेड, कुर्सी, कूलर और अन्य घरेलू सामान जलकर राख हो गया, झोपड़ी में खान में काम करने वाले मजदूरों के कपड़े और जरूरी सामान भी रखा था, जो पूरी तरह नष्ट हो गया। आग की लपटें पास में खड़ी एलएनटी मशीन तक पहुंच गई, जिससे उसका केबिन भी काफी हद तक जल गया। हालांकि गनीमत रही कि आग मशीन के अंदरूनी हिस्सों तक नहीं पहुंची, वरना नुकसान और अधिक हो सकता था। माइंस में काम कर रहे लोगों को एलएनटी मशीन के केबिन से जलने की गंध आने पर घटना की जानकारी मिली। इसके बाद मजदूर तुरंत बाहर निकले और पानी के टैंकर मंगवाकर आग बुझाने का प्रयास शुरू किया। करीब आधे से एक घंटे की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया गया।

घटना की सूचना मिलने पर नासिरदा थाना प्रभारी व पुलिस टीम मौके पर पंहुची तथा स्थिति का जायजा लिया। आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड को भी बुलाया गया था, लेकिन उसके पहुंचने से पहले ही पानी के टैंकरों से आग बुझा दी गई। पुलिस ने बताया कि घटना में कोई जनहानि नहीं हुई, लेकिन लाखों का नुकसान जलकर राख हो गया।

भाजपा ने कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर का जयपुर में पुतला फूंका

प्रधानमंत्री को लेकर अय्यर द्वारा अमर्यादित भाषा के उपयोग पर जताई कड़ी नाराजगी

-कार्यालय संवाददाता-

जयपुर । कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ दिए गए कथित बयान को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं में भारी रोष देखने को मिला। रविवार को जयपुर में कानोडिया कॉलेज के सामने गांधी सर्किल पर भाजपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन करते हुए मणिशंकर अय्यर का पुतला दहन किया और कांग्रेस के खिलाफ जमकर नारेबाजी की। दोपहर करीब 3:30 बजे बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता गांधी सर्किल पर एकत्रित हुए और कांग्रेस पार्टी मुर्दाबाद, राहुल गांधी मुर्दाबाद मणिशंकर अय्यर मुर्दाबाद जैसे नारे लगाते हुए कांग्रेस नेतृत्व के खिलाफ अपना आक्रोश प्रकट किया।

इस विरोध प्रदर्शन में भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी, भूपेंद्र सैनी, प्रदेश मंत्री अजीत माढण, एकता अग्रवाल, नारायण मीना, अपूर्वा सिंह, भाजपा कार्यालय मंत्री मुकेश पारीक, पूर्व सांसद रामचरण बोहरा, महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष सुमन शर्मा, प्रदेश प्रवक्ता स्टेफी चौहान, निमिषा गौड, जीएन पारीक, भाजयुमो प्रदेश अध्यक्ष शंकर गोरा, जयपुर शहर जिलाध्यक्ष अमित गोयल सहित बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता और युवा मौजूद रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने रविवार को जयपुर में कानोडिया कॉलेज के सामने गांधी सर्किल पर कांग्रेस नेता मणिशंकर अय्यर का पुतला जलाया।

- **प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना पूरे देश का अपमान, जिसे किसी सूरत में बर्दाश्त नहीं करेंगे : बगड़ी**

भाजपा प्रदेश महामंत्री श्रवण सिंह बगड़ी ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि प्रधानमंत्री के खिलाफ अपमानजनक भाषा का प्रयोग करना पूरे देश का अपमान है और इसे किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा। मणिशंकर अय्यर ने देश के प्रधानमंत्री का अपमान किया है और इसे देशवासी कभी भी स्वीकार नहीं करेंगे। जनता में इस बयान को लेकर गहरा आक्रोश है। एक ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश का मान वैश्विक पटल पर लगातार बढ़ रहा है, दूसरी ओर मणिशंकर अय्यर जैसे नेता ओछी मानसिकता के साथ राजनीति कर रहे हैं, जो अत्यंत शर्मनाक है।

बगड़ी ने कहा कि प्रधानमंत्री के लिए ऐसे शब्दों से संबोधित करना न केवल प्रधानमंत्री पद की गरिमा को ठेस पहुंचाना है बल्कि यह देश के 140 करोड़ नागरिकों का भी अपमान है। कांग्रेस नेताओं की भाषा की मर्यादा पूरी तरह समाप्त हो चुकी है और वे अपने पद की गरिमा तक भूल चुके हैं। कांग्रेस पार्टी के नेता लगातार हो रही चुनावी हार से बौखला गए हैं और इसी कारण इस प्रकार की अमर्यादित भाषा का प्रयोग कर रहे हैं। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व पर हमला बोलते हुए कहा कि जिस पार्टी का नेतृत्व राहुल गांधी जैसे नेता कर रहे हों, वहां से इस तरह की बयानबाजी होना अब कोई आश्चर्य की बात नहीं रह गई है। मणिशंकर अय्यर को सार्वजनिक रूप से देश के प्रधानमंत्री और देशवासियों से माफी मांगनी चाहिए।

भाजपा नेताओं ने चेतावनी दी कि यदि कांग्रेस नेताओं की इस प्रकार की बयानबाजी जारी रहती है तो भाजपा कार्यकर्ता पूरे प्रदेश में इसी तरह विरोध-प्रदर्शन करते रहेंगे। उन्होंने कहा कि मणिशंकर अय्यर मार्क्सवादी लोगों के हाथों की कठपूतली बनकर इस तरह के बयान जारी कर रहे है, यह बेहद ही शर्म की बात है। कांग्रेसी नेताओं के स्वयं के पास कहने को कुछ नहीं बचा तो वे मार्क्सवादी लोगों के इशारों पर बयानबाजी कर रहे है।

मुख्यमंत्री ने किया ''राजस्थान को जानें'' क्विज में भाग लेने का आव्हान

जयपुर (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने प्रदेश के ऊर्जावान युवाओं और जागरूक नागरिकों का आव्हान करते हुए कहा है कि वे राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में प्रदेश के गौरवशाली इतिहास, कला और संस्कृति से रूबरू होने के लिए 'राजस्थान को जानें' क्विज में अधिकाधिक संख्या में भाग लें। साथ ही, 'विकसित राजस्थान-2047' के विजन के प्रतिभागी बनें।

शर्मा ने रविवार को सोशल मीडिया हैण्डल एक्स पर जानकारी पोस्ट करते हुए इस विशेष प्रश्नोत्तरी की शुरूआत की है।

उल्लेखनीय है कि राजस्थान दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में सूचना प्रौद्योगिकी और संचार विभाग, आरकेसीएल एवं शिक्षा विभाग की सहभागिता से इस विशेष क्विज को तैयार किया गया है। इसमें 'राजस्थान को जानें' और 'विकसित राजस्थान-2047' के नाम से 2 सेक्शन बनाए गए हैं। 'राजस्थान को जानें' सैक्शन में राजस्थान की सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक धरोहर, भौगोलिक परिदृश्य, महापुरुषों के जीवन व त्याग, राज्य व केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं, खेल प्रतिभाओं, विशेष पुरस्कारों सहित विभिन्न विषयों पर प्रश्न पूछे गए हैं। साथ ही, 'विकसित राजस्थान-2047' सेक्शन में प्रदेश की अर्थव्यवस्था, सामाजिक उत्थान, स्थानीय सरकार, शिक्षा, जल प्रबंधन, उद्योग, डिजिटल ट्रांसफॉर्मेशन सहित प्रदेश को सुदृढ़ और विकसित बनाने के विजन से संबंधित प्रश्न संधारित किए गए हैं।

प्रदेश के नागरिक और युवाओं को 15 से 19 मार्च तक आयोजित होने वाली इस क्विज में भाग लेने के लिए मोबाइल नम्बर व ओटीपी से रजिस्ट्रेशन करना होगा।

रजिस्ट्रेशन होने के पश्चात क्विज शुरू होगी। प्रत्येक क्विज में 15 मिनट में 25 प्रश्न हल करने होंगे। क्विज के पश्चात उसे रिव्यू भी किया जा सकेगा। क्विज पूर्ण करने पर प्रतिभागियों द्वारा राजस्थान सरकार एवं राजस्थान नॉलेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (आरकेसीएल) की ओर से डिजिटल प्रमाण-पत्र भी प्राप्त किया जा सकेगा।

राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में यह अनूठी पहल की गई है, जिसमें युवाओं की भागीदारी बड़ी संख्या में देखने को मिल रही है।

नौकरानी ने मालिक को लगाई लाखों रु. की चपत

सोने-चांदी के आभूषण समेत हजारों रुपए चुराए

जयपुर। जगतपुरा इलाके में घर में काम करने वाली शातिर नौकरानी अपने ही मालिक को चुना लगाकर वहां से लाखों रुपयों के सोने-चांदी के गहने और हजारों रुपयों की नकदी लेकर फरार हो गई।

चोरी की जानकारी मिलने के बाद पीड़ित ने मालवीय नगर थाने पहुंच नौकरानी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने पीड़ित की शिकायत पर चोरी का मामला दर्ज कर आरोपी महिला की तलाश शुरु कर दी है। पुलिस ने बताया कि जगतपुरा के पामकोर्ट कॉलोनी निवासी सोनिया उप्रेती (62) ने मामला दर्ज करवाया है की करीब एक महीने पहले उन्होंने घरेलू कामकाज के लिए उन्होने नौकरानी रखी थी। 19 फरवरी को उसे कुछ कपड़े व्यवस्थित करने के लिए दिए गए थे।

- **एक महीने पहले ही रखा था काम पर**

उन्हीं कपड़ों के बीच एक पाउच में करीब 65 हजार रुपए कैश और एक छोटी पोटली में 6-7 जोडी कानों के टॉप्स और सोने की दो चेन रखी हुई थी। इसके अलावा कपड़ों के नीचे उनके सोने के दो कंगन भी रखे हुए थे, जो अनजाने में उन्हीं कपड़ों के साथ चले गए। गत 21 फरवरी को नौकरानी खाटूश्यामजी मंदिर जाने का कहकर छुट्टी पर चली गई।

पीड़िता ने गहने व नकदी संभाली तो गायब मिली। नौकरानी से पूछताछ करने के बाद पीड़िता को उस पर शक हुआ तो नौकरानी को काम से हटा दिया। जिसके बाद पीड़िता ने मामले की जानकारी पुलिस को दी और घरेलू नौकरानी के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कराया। पुलिस ने पीड़िता की शिकायत पर घरेलू नौकरानी के खिलाफ मामला दर्ज कर उसकी तलाश शुरु कर दी है।

दो साल से फरार शराब तस्कर पुलिस के हत्थे चढ़े

जयपुर। दूदू पुलिस ने अवैध शराब तस्करी के मामले में 2 साल से फरार तस्करों को गिरफ्तार कर बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने दोनो शराब तस्करों को बाड़मेर में दबिश देकर गिरफ्तार किया है। अवैध शराब तस्करी के मामले में पुलिस चार अन्य आरोपियों को पूर्व में गिरफ्तार कर चुकी है।

जयपुर ग्रामीण एसपी राशि डोगरा ने बताया कि दूदू थाना पुलिस ने 28 फरवरी 2024 को कार्रवाई करते हुए एक ट्रक से पंजाब निर्मित 7872 लीटर अवैध अंग्रेजी शराब और बीयर बरामद की थी। जब्त शराब की कीमत करीब 80 लाख रुपये आंकी गई थी। इस मामले में दूदू थाने में आबकारी अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज किया गया था।पुलिस की कार्रवाई के दौरान ट्रक ड्राइवर, खलासी और अन्य आरोपी मौके से फरार हो गए थे। इस मामले में पुलिस पहले ही आरोपी आशीफ अयुब, भंवराराम उर्फ पिंटू, मांगीलाल और प्रकाश ज्याणी को गिरफ्तार कर चुकी है। हालांकि ट्रक ड्राइवर सत्यप्रकाश उर्फ सतीश और खलासी मनोहर लाल घटना के बाद से लगातार फरार चल रहे थे और पुलिस उनकी तलाश में जुटी हुई थी।फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक दूदू शिवलाल बैरवा और वृत्ताधिकारी दीपक खंडेलवाल के सुपरविजन में थानाधिकारी मुकेश कुमार के नेतृत्व में एक विशेष टीम गठित की गई थी। विशेष टीम ने तकनीकी सहायत व मुखबिर की सूचना पर सत्यप्रकाश उर्फ सतीश (33) पुत्र भागीरथ, निवासी गोडा थाना सेडवा जिला बाड़मेर, और मनोहर लाल (28) पुत्र बाबूलाल, निवासी खारा डेर थाना सेडवा जिला बाड़मेर निवासी को दबोच लिया।

प्रशासक नियुक्त करने की मांग

जयपुर। कानोडिया गर्ल्स कॉलेज ट्रस्ट, जवाहर लाल नेहरू मार्ग स्थित संस्थान को लेकर डॉ. अखिल शुक्ला (एडवोकेट) ने गंभीर आरोप लगाते हुए सरकार से कार्रवाई की मांग की है। डॉ. शुक्ला, जो आजीवन सीनेट सदस्य भी हैं, ने कहा कि ट्रस्ट के अंतर्गत कई महाविद्यालय संचालित होते हैं, जिनके भवनों का निर्माण और संचालन सरकारी अनुदान व राज्य सरकार द्वारा आवंटित निःशुल्क भूमि के कारण संभव हुआ है। उन्होंने आरोप लगाया कि वर्तमान में ट्रस्ट की कार्यकारिणी फर्जी तरीके से बनाई गई है तथा ट्रस्ट में राष्ट्रवादी विचारधारा से जुड़े लोगों को बाहर करने का प्रयास किया जा रहा है। साथ ही महाविद्यालयों के संचालन में सार्वजनिक धन के दुरुपयोग और वित्तीय अनियमितताओं का भी आरोप लगाया गया है।

नई दिल्ली के बीकानेर हाऊस में सजा राजस्थान की कला, संस्कृति और परंपरा का महोत्सव

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने नई दिल्ली में किया ''राजस्थान उत्सव 2026'' का शुभारंभ

नई दिल्ली (कासं)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य में नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाउस में आयोजित ''राजस्थान उत्सव 2026'' का रविवार को शुभारंभ किया। राष्ट्रीय राजधानी में 15 से 25 मार्च तक आयोजित होने वाला यह उत्सव राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं, हस्तशिल्प, लोकसंगीत, लोकनृत्य और पारंपरिक व्यंजनों की झलक प्रस्तुत करेगा।

इस अवसर पर मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की संस्कृति, लोक परंपराएं और कला-संस्कृति हमारी गौरवशाली पहचान का आधार हैं। राज्य सरकार इनके संरक्षण और संवर्धन के साथ-साथ राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान दिलाने के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने कहा कियह उत्सव देश-विदेश के लोगों को राजस्थान की जीवंत सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का प्रभावी माध्यम बन रहा है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने मेले में राजीविका और ग्रामीण गैर-कृषि विकास एजेंसी (रूडा) की तरफ से लगाए गए विभिन्न स्टॉलों का अवलोकन किया तथा प्रदेश के विभिन्न जिलों से आए शिल्पकारों और राजीविका से जुड़ी महिला स्वयं सहायता समूहों की दीदियों से आत्मीय संवाद किया। उन्होंने हस्तशिल्प उत्पादों, पारंपरिक वस्त्रों और कलात्मक कृतियों की सराहना करते हुए उनके अनुभव और कार्य प्रक्रिया के बारे में जानकारी प्राप्त की।

मुख्यमंत्री ने राजीविका दीदियों से स्वयं सहायता समूहों की गतिविधियों, उत्पादों की बिक्री और आजीविका के अवसरों के बारे में चर्चा कर उत्साहवर्धन किया। इसी क्रम में उन्होंने कहा कि राज्य सरकार स्वयंसहायता समूहों को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने औरउत्पादों को व्यापक बाजार उपलब्ध कराने के लिए निरंतर काम कर रही है।ऐसे आयोजन एसएचजी और शिल्पकारों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाने और उनकी आय में वृद्धि करने का महत्वपूर्ण माध्यम बनते हैं। साथ ही, उन्होंने कहा कि राजस्थान की पारंपरिक शिल्पकला और हस्तशिल्प हमारी सांस्कृतिक धरोहर का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जिन्हें संरक्षित और प्रोत्साहित करना हम सब की जिम्मेदारी है।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को नई दिल्ली स्थित बीकानेर हाऊस में ''राजस्थान उत्सव 2026'' का शुभारंभ फीता काटकर किया।

- **15 से 25 मार्च तक दिखेगी प्रदेश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत**
- **मुख्यमंत्री ने शिल्पकारों और राजीविका दीदियों से आत्मीय संवाद कर बढ़ाया उत्साह, उत्पादों की भी सराहना की**

बीकानेर हाउस परिसर में शर्मा ने राजस्थानी फोटोग्राफी प्रदर्शनी का भी उद्घाटन किया, जिसमें राजस्थान के लोकजीवन, ऐतिहासिक धरोहरों और सांस्कृतिक परंपराओं को आकर्षक चित्रों के माध्यम से प्रस्तुत किया गया है। सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला में अलवर के गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड होल्डर प्रवीण प्रजापत ने पारंपरिक मटका भवाई नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं, कलाकार विष्णु दत्त शर्मा द्वारा प्रस्तुत ''ब्रज के रंग'' के साथ ही मनमोहक मयूर नृत्य तथा फूलों की होली की रंगारंग प्रस्तुति ने आगंतुकों को मंत्रमुग्ध कर दिया।

इस अवसर पर सांसद मदन राठौड़, घनश्याम तिवाड़ी, पी.पी. चौधरी, दामोदर अग्रवाल, मंजू शर्मा, चुन्नीलाल गरासिया, राजेन्द्र गहलोत, मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास,राज्यसभा के महासचिव पी.सी. मोदी, आवासीय आयुक्त नवीन जैन सहित संबंधित विभागों के उच्चाधिकारी,कलाकार, शिल्पकार और बड़ी संख्या में आमजन मौजूद रहे।

महाभारत की कथा को लोक गायन शैली में किया प्रस्तुत

जवाहर कला केन्द्र में पद्मश्री अवार्डी उस्ताद गफरुद्दीन खान मेवाती और उनके समूह की प्रस्तुति

जयपुर (कासं)। जवाहर कला केन्द्र में पद्मश्री अवार्ड से पुरस्कृत उस्ताद गफरुद्दीन खान मेवाती और उनके समूह ने पंडून का कड़ा गायन की भव्य प्रस्तुति दी। उन्होंने महाभारत की कथा को लोक गायन शैली में प्रस्तुत किया।

मेवाती ने बगड़ बम-बम-बम लहरी गीत से कार्यक्रम की शुरुआत की। इसके बाद महाभारत के विभिन्न प्रसंग अपनी सुरीली आवाज़ में गायन कर, मिट्टी की खुशबु की अनुभूति करवाई। उन्होंने महाभारत के महत्वपूर्ण किरदारों जैसे युधिष्ठिर, भीम, अर्जुन, नकुल, सहदेव सहित पांडवों, द्रोपदी, दुर्योधन सहित कौरव और अन्य किरदारों के रोचक संवाद को लोक गायकी के साथ प्रस्तुत किया।

यह आयोजन राजस्थान दिवस समारोह-2026 के तहत कला-साहित्य एवं संस्कृति विभाग की ओर से शाम 6:30 बजे के अंतर्गत जवाहर कला केंद्र के कृष्णायन सभागार में हुआ। यहां उस्ताद गफरुद्दीन खान मेवाती एवं उनके समूह द्वारा पंडून का कड़ा गायन के साथ ही भपंग वादन भी किया। जिसमें भपंग की विभिन्न ध्वनियों ने खासा रोमांचित किया।

भपंग वादन की जुगलबंदी भी पेश की गई। साथ ही प्रसिद्ध लोक गीत ''दुनिया में हो रही है टर्र-टर्र'' को प्रस्तुत किया जिससे पर दर्शकों ने भी कलाकारों का गायन में साथ दिया। इस दौरान दर्शकों ने समय-समय पर तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर कला- साहित्य एवं संस्कृति तथा पुरातत्व उप सचिव एवं जवाहर कला केंद्र की अतिरिक्त महानिदेशक डॉ.अनुराधा गोगिया तथा वहां उपस्थित पद्मश्री पुरस्कार से सम्मानित उस्ताद अली तथा उस्ताद गनी की उपस्थिति में पद्मश्री अवार्ड से पुरस्कृत उस्ताद गफरुद्दीन खान मेवाती का साफा भेंट कर सम्मानित किया। इस अवसर पर राजेश आचार्य ने मंच संचालन किया पंडून का कड़ा गायन विभिन्न विशेषताओं पर प्रकाश भी डाला। उन्होंने बताया कि ऐतिहासिक रूप से पंडून का कड़ा गायन में 1800 से 2500 दोहों का गायन होता था, किन्तु अब इस शैली में लगभग 700 से 800 दोहे ही गाये जाते है।

जवाहर कला केन्द्र में पद्मश्री अवार्डी उस्ताद गफरुद्दीन खान मेवाती और उनके समूह ने पंडून का कड़ा गायन की भव्य प्रस्तुति देते हुए महाभारत की कथा को लोक गायन शैली में प्रस्तुत किया।

ऊंटों की घटती संख्या पर हाईकोर्ट ने जताई चिंता

जयपुर (कासं)। हाईकोर्ट ने ऊंटों की घटती संख्या पर चिंता जाहिर की है। कोर्ट ने टिप्पणी की कि ऊंटों की घटती संख्या को लेकर सरकार गंभीर नहीं है, अदालती आदेश के बावजूद पैरवी के लिए महाधिवक्ता नहीं आ रहे। कोर्ट ने निर्देश दिया कि सरकार 27 मार्च को ऊंटों की घटती संख्या और उसके संरक्षण के प्रयासों के बारे में स्थिति स्पष्ट करे।

न्यायाधीश पुष्पेन्द्र सिंह भाटी व न्यायाधीश विनीत कुमार माथुर की खंडपीठ ने ऊंटों की घटती संख्या के बारे में स्वप्रेरणा से दर्ज याचिका पर यह आदेश दिया। कोर्ट ने इस बात पर भी चिंता जाहिर की कि कानून में संशोधन के बाद ऊंटों की संख्या में कमी आई है। न्यायमित्र अधिवक्ता प्रतीक कासलीवाल ने कहा कि ऊंट लगातार घट रहे हैं। अदालती आदेश के बावजूद न तो महाधिवक्ता पैरवी के लिए आ रहे हैं और न ही इस ओर सरकार का ध्यान है। ऊंटों की पिछले कुछ साल से तो गणना ही नहीं हुई। कानून में सरकार ने कलक्टर को नोडल एजेंसी बना रखा है, ऐसे में कोई ऊंटों को बाहर चराने के लिए भी ले जाए तो अनुमति लेना मुश्किल है। वर्ष 2004 में प्रदेश में साढ़े सात लाख ऊंट थे। वर्ष 2015 में जब कानून बना तो ऊंटों की संख्या घटकर 3.26 लाख रह गई और इसके इसके चार साल बाद यह और घटकर 2.13 लाख रह गई। वर्ष 2021 में यह संख्या करीब डेढ़ लाख रह गई।

''जयपुर सोल्जराथॉन'' में 4500 से अधिक धावकों ने लगाई दौड़

जयपुर, (हि.स.)। जयपुर मिलिट्री स्टेशन स्थित गांडीव स्टेडियम में आयोजित ''जयपुर सोल्जराथॉन 2026'' दौड़ में 4500 से अधिक धावकों ने भाग लेकर फिटनेस और देशभक्ति का संदेश दिया। प्रतिभागियों में सेवारत सैनिक, पूर्व सैनिक, पेशेवर धावक, विद्यार्थी और आम नागरिक शामिल रहे, जिन्होंने पूरे जोश के साथ इस आयोजन में हिस्सा लिया।

जनसंपर्क अधिकारी (रक्षा) राजस्थान लेफ्टिनेंट कर्नल निखिल धवन ने बताया कि वंडर सीमेंट जयपुर सोल्जराथॉन एक सशक्त नई पहल है, जिसका उद्देश्य फिटनेस, अनुशासन और सशस्त्र सेनाओं के प्रति सम्मान की भावना को बढ़ाना देना है। रन विद सोल्जर, रन फॉर सोल्जर के संदेश के साथ आयोजित इस दौड़ ने नागरिकों को व्यक्तिगत उपलब्धि के साथ-साथ राष्ट्रीय उद्देश्य के लिए दौड़ने की प्रेरणा दी। इस पहल के माध्यम से फिट इंडिया के संकल्प को मजबूती मिली तथा से यस टू स्पोर्ट्स, नो टू ड्रग्स का संदेश भी व्यापक रूप से प्रसारित हुआ। दौड़ को मिजोरम के राज्यपाल एवं सोल्जराथॉन के संरक्षक जनरल (डॉ.) वी. के. सिंह ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इस अवसर पर सप्त शक्ति कमान के आर्मी कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल मंजींदर सिंह भी उपस्थित रहे। दोनों वरिष्ठ अधिकारियों की उपस्थिति ने युवाओं को खेलों के प्रति प्रेरित करने और सैन्य-नागरिक सौहार्द को सुदृढ़ करने के प्रति भारतीय सेना की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

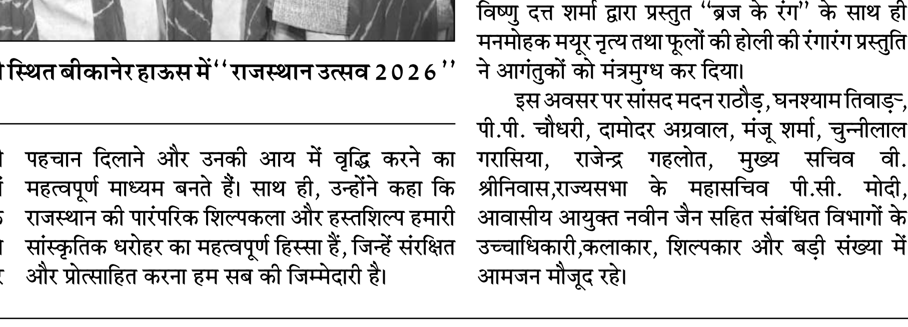

सोल्जराथॉन में 21 किमी हाफ मैराथन, 10 किमी टाइम्ड रन, 5 किमी ट्रिब्यूट रन और 3 किमी फन रन जैसी विभिन्न श्रेणियां रखी गईं, जिससे सभी आयु वर्ग के लोगों को भाग लेने का अवसर मिला।

प्रतिभागियों ने जयपुर मिलिट्री स्टेशन के सुंदर वातावरण में दौड़ का विशेष अनुभव प्राप्त किया। कार्यक्रम को उत्सवमय बनाने के लिए ज़ुम्बा सत्र, पंजाबी ढोल और भांगड़ा प्रस्तुतियां, गतका मार्शल आर्ट प्रदर्शन, आर्मी बैंड की धुनें, फेस पेंटिंग गतिविधियां और इंटरैक्टिव फोटो बूथ जैसी आकर्षक गतिविधियां भी आयोजित की गईं। विभिन्न दौड़ श्रेणियों के विजेताओं को नकद पुरस्कार प्रदान किए गए। 21 किमी हाफ मैराथन के विजेताओं को 10 हजार रुपये तथा 10 किमी दौड़ के विजेताओं को 5 हजार रुपये की पुरस्कार राशि दी गई। इसके साथ ही विभिन्न आयु वर्गों के उपविजेताओं को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से घायल सैनिकों के प्रति एकजुटता भी व्यक्त की गई। पैराप्लेगिक रिहैबिलिटेशन सेंटर के समर्थन से उन सैनिकों के अदम्य साहस को नमन किया गया, जिन्होंने कर्तव्य निर्वहन के दौरान रीढ़ की गंभीर चोटें झेली हैं। आयोजन के सफल समापन के साथ सशस्त्र सेनाओं और नागरिकों के बीच फिटनेस, राष्ट्रीय एकता और सैनिकों के प्रति सम्मान की भावना और मजबूत हुई।

कोटा : अवैध हथियार सहित कोहिनूर 0007 गैंग के दो सदस्य गिरफ्तार

बड़ी वारदात या हथियार तस्करी की फिराक में थे आरोपी, पुलिस जांच में जुटी

कोटा, (निसं)। बोरखेड़ा पुलिस टीम ने बड़ी कार्रवाई को अंजाम देते हुए कोहिनूर 0007 गैंग के दो आरोपियों को अवैध हथियारों के जखीरे सहित गिरफ्तार किया है। पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी अवैध हथियारों को मध्यप्रदेश के इंदौर से किसी व्यक्ति से लाये थे। पुलिस टीम ने कार्रवाई करते हुए दोनो आरोपियों के पास से 6 देशी पिस्टल, 2 देशी कट्टे सहित 12 जिंदा कारतूस बरामद किये हैं।

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि पुलिस को मुखबीर से सूचना मिली कि दो बदमाश मध्यप्रदेश से अवैध हथियार लेकर कोटा की ओर आ रहे हैं, उक्त सूचना पर पुलिस उपअधीक्षक रूद्रप्रकाश शर्मा के सुपरविजन में बोरखेड़ा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर के नेतृत्व में टीम गठित की गई। शहर एसपी ने बताया कि सूचना पर बोरखेड़ा थानाधिकारी अनिल कुमार टेलर के नेतृत्व में टीम सदस्य थाने की उप निरीक्षक ज्योती मौर्य, हैड कांस्टेबल हनुमान, कांस्टेबल राधेश्याम व कांस्टेबल मनीष को शामिल कर इलाके के हाइवे पर कार्रवाई करते हुए मुखबिर की सूचना के अनुसार कार को रूकवाया और कार की तलाशी के दौरान अवैध हथियार जिसमें 6 देशी पिस्टल, 2 देशी कट्टे व 12 जिंदा कारतूस बरामद किये। पुलिस टीम ने मौके पर आर्म्स एक्ट में कार्रवाई करते हुए ताथेड़ निवासी रोनू उर्फ रोनक (25) एवं उम्मेदगंज निवासी लोकेश मीणा (25) को गिरफ्तार किया।

बोरखेड़ा पुलिस टीम द्वारा जब्त किये गये अवैध हथियारों के जखीरे के बारे में शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम व अन्य अधिकारियों ने जानकारी दी।

- बोरखेड़ा पुलिस टीम ने आरोपियों के कब्जे से 6 देशी पिस्टल, 2 देशी कट्टे और 12 जिंदा कारतूस आदि बरामद किये
- पूछताछ में सामने आया कि दोनों आरोपी अवैध हथियारों को मध्यप्रदेश के इंदौर से किसी व्यक्ति से लाये थे

शहर एसपी ने बताया कि पूछताछ के आधार पर मामले में सामने आया कि अवैध हथियारों का जखीरा आरोपी मध्यप्रदेश के इन्दौर से लाकर कोटा शहर व कोटा ग्रामीण के बदमाशों को सप्लाई की जानी थी, लेकिन उससे पूर्व ही कोटा शहर पुलिस ने सूचना को गंभीरता से लेते हुए हथियारों को बदमाशों तक पहुंचने से पूर्व ही अवैध हथियारों सहित दोनों आरोपियों को धर दबोच लिया। दोनों आरोपी अवैध हथियारों को इन्दौर से लाना बता रहे हैं, आरोपियों ने हथियार इन्दौर में किससे खरीदे हैं, इसकी जांच की जा रही है। साथ ही मामले में जांच की जा रही है कि आरोपी कोटा शहर या ग्रामीण में कोई बड़ी वारदात को अंजाम देने की फिराक में थे। शहर एसपी ने बताया कि कोहिनूर 0007 गैंग कोटा ग्रामीण इलाके की है। पकड़े गये आरोपियों से अनुसंधान किया जा रहा है। मामले में पकड़े गये आरोपी लोकेश मीणा पूर्व में हथियार सप्लाई के मामले में फरार चल रहा था, जिस पर 10 हजार के इनाम राशि भी घोषित की हुई थी।

शहर एसपी ने बताया कि बोरखेडा पुलिस टीम ने पूर्व में भी कोहिनुर गैंग 0007 के आरोपी देशराज को एक देशी पिस्टल मय जिंदा कारतूस सहित पकड़ा था। वहीं बोरखेड़ा पुलिस टीम ने एक अन्य मामले में कोहिनूर गैंग के सदस्यों को लूट की योजना बनाते हुए टीम ने कार्रवाई करते हुए मनीष सुमन, विकास योगी, प्रदीप मीणा, रोहित मीणा व अजय मीणा को देशी कट्टा, कारतूस, दो चाकू व रस्सी का बंडल एवं मिर्ची पाउडर व महिला के कपड़ों सहित पकड़ा था। उक्त दोनों मामलों में हथियार सप्लाई करने के मामले में आरोपी लोकेश मीणा, सुरेन्द्र मीणा अन्य फरार चल रहे थे। पकड़े गये दोनों आरोपियों से अनुसंधान जारी है।

श्रीगंगानगर में ड्रग और एनसीबी की टीमों ने पांच जगह छापे मारे

श्रीगंगानगर, (निसं)। ड्रग डिपार्टमेंट और एनसीबी की संयुक्त टीमों ने जिले के चार मनोरोग चिकित्सा केंद्रों और होलसेल दवा की दुकान पर एक साथ छापेमारी की। दो दिन चले इस सर्च ऑपरेशन को विराम दिया गया। टीमों की ओर से यह रिपोर्ट अभी स्थानीय एडिशनल ड्रग कंट्रोलर कार्यालय में नहीं सौंपी है। इस कारण से किस जगह पर क्या गड़बड़ी सामने आई, इस बारे में अभी तक कोई जानकारी सामने नहीं आई है।

- चार मनोरोग चिकित्सा केंद्रों और होलसेल दवा की दुकान पर एक साथ छापेमारी की
- टीमों की ओर से यह रिपोर्ट अभी स्थानीय एडिशनल ड्रग कंट्रोलर कार्यालय में नहीं सौंपी है

सूत्रों के अनुसार जिला मुख्यालय पर सेक्टर 17 स्थित केयर ब्रिज फार्मास्यूटिकल प्राइवेट लिमिटेड पर शनिवार सुबह सर्च शुरू किया गया। होलसेल दवा विक्रेता के यहां दवा के स्टॉक का मिलान किया गया। खरीद और विक्रय बिलों का मिलान किया गया। शॉप पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज बतौर रिकॉर्ड लिए गए हैं। इसके साथ ही ड्रग इंस्पेक्टर अमनदीपकौर ने यहां से पांच दवाओं के सैंपल भी लिए हैं। इसी तरह जिला मुख्यालय पर दो मनोरोग क्लिनिक, पदमपुर और श्रीकरणपुर में स्थित मनोरोग क्लिनिकों पर दबिश देकर वहां से रिकॉर्ड की जांच की गई। सूत्रों के अनुसार ड्रग कंट्रोलर की ओर से इस संबंध में तीन टीमें गठित की गई थी। इनमें बीकानेर, नागौर व झुंझुनूं के ड्रग कंट्रोल विभाग के अधिकारी तथा जोधपुर से नार्कोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो के इंस्पेक्टर और सब इंस्पेक्टर शामिल किए गए थे। यह टीम शुक्रवार को जिला मुख्यालय पर पहुंच गई थी। इस टीम द्वारा किया गया सर्च शनिवार शाम को पूरा हुआ है। सभी जगह किए गए सर्च की रिपोर्ट नियमानुसार स्थानीय ड्रग डिपार्टमेंट में एडीसी को सौंपी जाएगी। इधर एडीसी श्रीगंगानगर ने टीम सहित 4 फरवरी को नेहरू पार्क के निकट दुर्गा मनोरोग क्लिनिक पर छापेमारी की। यहां पर किए गए सर्च में मिली खामियों के बारे में ड्रग इंस्पेक्टर की ओर से मनोरोग क्लिनिक संचालक और डॉक्टर से बिंदुवार जवाब मांगा गया है।

सूत्रों के अनुसार जयपुर मुख्यालय में किसी ने शिकायत की थी। इसमें जहां-जहां अब सर्च किया गया है, वहां मनोरोग क्लिनिकों और होलसेल ड्रग हाउस में एनडीपीएस एक्ट के प्रतिबंधित घटक तथा नशे के रूप में काम लिए जा रहे कैप्सूल/टेबलेट जो जिला मजिस्ट्रेट की ओर से प्रतिबंधित किए गए हैं, के दुरुपयोग के आरोप लगाए गए थे, इसलिए ड्रग कंट्रोल मुख्यालय से इनकी जांच के लिए जिले से बाहर के अधिकारियों की टीमें गठित की गई थी।

अशोक मित्तल, एडीसी, श्रीगंगानगर का कहना है कि इस छापेमारी को 34 दिन का समय बीत चुका, लेकिन अभी तक क्लिनिक संचालकों की ओर से विभाग को जवाब नहीं दिया है। उल्लेखनीय है कि यहां डॉ. अनुप्रीति द्वारा नशे से पीड़ितों को नशा छुड़वाने के लिए नशे की दवाएं दी जा रही हैं। शिकायत थी कि क्लिनिक में नशे के काम ली जा रही दवाओं का दुरुपयोग हो रहा है। मुख्यालय से गठित तीन टीमों ने जिले में चार मनोरोग क्लिनिक तथा एक होलसेल दवा दुकान पर जांच की है। इन टीमों द्वारा तैयार की गई रिपोर्ट अभी हमारे पास आई नहीं है, इसलिए यह नहीं बता सकते कि कहां पर क्या स्थिति रही।

दुकान में लगी आग से वृद्ध की मौत

पाली, (नि.सं.) पाली शहर के भैरू घाट इलाके में देर रात एक तीन मंजिला दुकान में शॉर्ट सर्किट से आग लगने से दुकान पूरी तरह से जल हो गई। दुकान में रखा जनरल स्टोर का सामान, दो-तीन फ्रिज, ऊपरी मंजिल में एसी, पलंग सहित सामान भी जल गया। रात करीब 2:30 बजे अचानक लगी आग से इलाके में अफरा-तफरी मच गई। आग इतनी भयंकर थी कुछ ही देर में सब जल गया। वहीं उपरी मंजिल पर दुकान मालिक अपनी पत्नी बच्चों के साथ सो था। पास के कमरे में उसके पिताजी रिटायर्ड टीचर राजेंद्र शर्मा कमरे से बाहर नहीं निकल पाये और जल गए। घटना की सूचना पर दो फायर ब्रिगेड व पुलिस मौके पर पहुंची और आग पर काबू पाया। आग बुझाते दुकानदार भी जल गया और उसके पिता राजेंद्र शर्मा की मौत हो गई, जिनका शव अस्पताल की मोर्चरी में रखा गया।

मेहंदी फैक्टरी में खाना खाने से फूड प्वॉइज़निंग, दो दर्जन मजदूर बीमार

पाली, (नि.सं.)। पाली जिले में सोजत शहर की एक मेहंदी फैक्टरी में शनिवार रात खाना खाने के बाद अचानक मजदूरों की तबीयत बिगड़ने से अफरा-तफरी मच गई। घटना में करीब दो दर्जन मजदूर उल्टी-दस्त और पेट दर्द की शिकायत से बीमार हो गए, जिन्हें उपचार के लिए राजकीय अस्पताल सोजत लाया गया। अस्पताल में सभी मजदूरों का उपचार जारी है और फिलहाल उनकी हालत स्थिर बताई जा रही है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार फैक्टरी में काम करने वाले मजदूरों के लिए रात का भोजन कैंटीन में एक साथ तैयार किया गया था। मजदूरों ने जब खाना खाया तो कुछ ही देर बाद कई लोगों को पेट दर्द, उल्टी और घबराहट की शिकायत होने लगी। देखते ही देखते एक-एक कर कई मजदूरों की तबीयत खराब होने लगी, जिससे फैक्टरी परिसर में हड़कंप मच गया। स्थिति बिगड़ने पर फैक्टरी प्रबंधन और साथियों ने तुरंत बीमार मजदूरों को संभाला। कुछ मजदूरों को फैक्टरी में ही प्राथमिक उपचार दिया गया, जबकि अधिक तबीयत खराब होने पर करीब दो दर्जन मजदूरों को एम्बुलेंस और निजी वाहनों की मदद से राजकीय अस्पताल सोजत पहुंचाया गया। अस्पताल पहुंचने पर ड्यूटी पर मौजूद चिकित्सकों और नर्सिंग स्टाफ ने तुरंत उपचार शुरू किया। डॉक्टरों के अनुसार सभी मजदूरों में फूड प्वॉइज़निंग के लक्षण पाए गए हैं। उन्हें दवाइयां देकर निगरानी में रखा गया है। राहत की बात यह रही कि समय रहते इलाज मिलने से किसी की हालत गंभीर नहीं है। घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय प्रशासन और स्वास्थ्य विभाग भी सतर्क हो गया है। प्रारंभिक तौर पर भोजन खराब होने की आशंका जताई जा रही है।

भक्ति-शक्ति का बेहतरीन समन्वय राजस्थान में देखने को मिलता है : योगी आदित्यनाथ

जालोर, (कासं)। उतरप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरखपुर गौरक्ष के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ रविवार को जालोर के सिरे मंदिर धाम के रत्नेश्वर महादेव मंदिर की 375 वी वर्षगांठ पर आयोजित यज्ञ, अखण्ड रामायण पाठ एवं धर्मसभा को लेकर सिरे मंदिर रोड स्थित आदर्श बालिका विद्यालय प्रांगण पहुंचे। वहां योगी आदित्यनाथ ने श्रीशांतिनाथ महाराज बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय आदर्श विद्या मंदिर के नवीन भवन का अवलोकन कर सभा को सम्बोधित किया। इसके बाद सिरे मंदिर धाम के लिए प्रस्थान किया। रात्रि विश्राम सिरे मंदिर धाम पर कर सोमवार को यज्ञ में आहुतियां देने के साथ धर्मसभा को सम्बोधित करेंगे।

- उतरप्रदेश के मुख्यमंत्री एवं गोरखपुर गौरक्ष के पीठाधीश्वर योगी आदित्यनाथ जालोर पहुंचे

जालोर में आयोजित कार्यक्रम को उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सम्बोधित किया।

उतरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पीर शांतिनाथ महाराज के शिष्य गंगानाथ महाराज के निर्देशन में नवनिर्मित विद्यालय भवन का अवलोकन कर सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि चित्तौड़ में पद्मनी के जौहार स्थल व मां कालका के दर्शन का सौभाग्य प्राप्त होने के साथ नाथ सम्प्रदाय की मुख्य धरा जालोर पर आने का भी अवसर मिला। उन्होंने कहा कि राजस्थान की धरा पर भक्ति व शक्ति का बेहतरीन समन्वय देखने को मिलता है। योगी आदित्यनाथ ने पीर शांतिनाथ महाराज की धरा को नमन कर कहा कि भारत ऋषि मुनियों, किसानों, वीर वीरांगनाओं के बलिदान की धरती है। यह खुशी का अवसर है कि एक शिष्य ने अपने गुरु की स्मृति में विद्यालय भवन बनाकर विद्या भारती संस्थान को समर्पित किया है, यह गर्व की बात है। विद्या भारती ने पहला विद्यालय गोरखपुर से संचालित किया था, जो मेरे लिए गर्व की बात है।

उन्होंने कहा कि एक शिक्षक समय पर पाठ्यक्रम पूर्ण करेगा तो शिक्षा को केवल सैद्धान्तिक हिस्सा व्यवहारिक हिस्सा बनेगा। सिरे मंदिर के 375वें वर्ष जालोर वासियों के लिए गौरव की विषय है। पीर शांतिनाथ महाराज का एक विराट व्यक्तित्व था, जिनकी तपोभूमि हर किसे के लिए आराध्य बनी हुई है।

कार्यक्रम को केन्द्रीय मंत्री गजेन्द्रसिंह शेखावत, अलवर सांसद बाबा बालकनाथ महाराज ने भी सम्बोधित किया। इससे पूर्व योगी आदित्यनाथ महाराज का जालोर पहुंचने आदर्श विद्या मंदिर व भैरुनाथ अखाड़े की ओर से स्वागत किया गया। वहीं योगी प्रेमनाथ महाराज, योगी रेवतीनाथ महाराज, योगी आनंदनाथ महाराज, नाकोडा जैन ट्रस्ट के अध्यक्ष रमेश जैन, सांसद लुम्बाराम चौधरी, मुख्य सचेतक जोगेश्वर गर्ग, आहोर विधायक छगनसिंह राजपुरोहित अन्य मौजूद रहे।

डूंगरपुर के भीलूड़ा में चोरी के इरादे से घर में घुसे बदमाश, खाली हाथ भागे

डूंगरपुर, (निसं)। सागवाड़ा थाना क्षेत्र के भीलूड़ा गांव में शनिवार रात चोरी का एक प्रयास विफल हो गया। अज्ञात बदमाश घर में घुसकर तोड़फोड़ कर रहे थे, लेकिन पड़ोसियों की सतर्कता के कारण एक बड़ी वारदात टल गई और चोर खाली हाथ भाग गये।

- पड़ोसियों की सतर्कता के कारण एक बड़ी वारदात टल गई और चोर खाली हाथ भाग गये
- घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर कुछ संदिग्ध नजर आए, हालांकि उनके चेहरे स्पष्ट नहीं दिख रहे हैं

पीड़ित चंद्रप्रकाश शाह ने बताया कि घटना के समय वे अपनी दुकान पर थे, जबकि परिवार के अन्य सदस्य मंदिर दर्शन के लिए गए हुए थे। घर खाली होने का फायदा उठाकर दो से तीन अज्ञात बदमाश घर के पिछले हिस्से की जाली और खिड़की का शीशा तोड़कर अंदर घुस गए। घर में घुसने के बाद बदमाशों ने सामान बिखेर दिया और चोरी करने की कोशिश की। इसी दौरान घर में हुई हलचल पर पड़ोसियों को शक हुआ। पड़ोसियों ने जैसे ही घर की लाइट जलाई, बदमाश घबरा गए और दीवार कूदकर मौके से फरार हो गए। इस घटना में घर की जाली और खिड़की का शीशा टूट गया। हालांकि, समय रहते शोर मचने के कारण चोर नकदी या जेवरात चुराने में कामयाब नहीं हो पाए। घर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगालने पर कुछ संदिग्ध नजर आए हैं, हालांकि उनके चेहरे स्पष्ट नहीं दिख रहे हैं। स्थानीय लोगों का मानना है कि क्षेत्र में कोई सक्रिय गिरोह ऐसी वारदातों को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलने पर पुलिस भी मौके पर पहुंची और घटना की जानकारी लेते हुए सीसीटीवी फुटेज के आधार पर बदमाशों की तलाश शुरू कर दी है।

विद्यालयों का निरीक्षण किया

बीकानेर, (निसं)। शिक्षा निदेशक सीताराम जाट ने संयुक्त निदेशक स्कूल शिक्षा कार्यालय तथा विभिन्न विद्यालयों का निरीक्षण किया। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी सीधी भर्ती-2024 के तहत चल रही दस्तावेज सत्यापन और पात्रता जांच प्रक्रिया का अवलोकन किया। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारी भर्ती प्रक्रिया के तहत दस्तावेजों के सत्यापन का कार्य 11 मार्च से 11 अप्रैल तक किया जा रहा है। शिक्षा निदेशक ने महारानी राजकीय बालिका उच्च माध्यमिक विद्यालय में आयोजित राज्य स्तरीय समान परीक्षा एवं दक्षता आधारित परीक्षण का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान परीक्षा संचालन में उदासीनता और लापरवाही सामने आने पर संबंधित संस्था प्रधान और एक व्याख्याता के विरुद्ध अनुशासनात्मक कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

महंगाई और गैस सिलेंडर कमी पर कांग्रेस का प्रदर्शन

गंगापुर सिटी, (निसं)। रसोई गैस सिलेंडरों की कमी और खाद्य पदार्थों की बढ़ती महंगाई के विरोध में रविवार को गंगापुर सिटी ब्लॉक कांग्रेस कमेटी शहर एवं देहात के कार्यकर्ताओं ने प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर कांग्रेस कार्यालय, देवी स्टोर चौराहा से एक पैदल मार्च निकाला। यह मार्च उपखंड अधिकारी कार्यालय तक पहुंचा, जहां कार्यकर्ताओं ने धरना देकर केंद्र सरकार के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और अपनी नाराजगी व्यक्त करते हुए प्रधानमंत्री का पुतला दहन कर अपना आक्रोश व्यक्त किया। प्रदर्शन का नेतृत्व करते हुए गंगापुर सिटी विधायक एवं उपनेता प्रतिपक्ष रामकेश मीना ने केंद्र सरकार की नीतियों पर सवाल उठाए।

उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार की गलत नीतियों के कारण आम जनता महंगाई से त्रस्त है। रसोई गैस सिलेंडरों की पर्याप्त उपलब्धता न होने से लोगों को घंटों लाइन में लगना पड़ रहा है, फिर भी कई बार सिलेंडर नहीं मिल पा रहे हैं। मीना ने आरोप लगाया कि पहले मुफ्त गैस सिलेंडर देने के दावे किए गए थे, लेकिन अब लोगों को समय पर गैस भी उपलब्ध नहीं हो रही है। इस दौरान पीसीसी सदस्य अब्दुल वहाब ने कहा कि केंद्र सरकार की नीतियों से आम जनता ठगा हुआ महसूस कर रही है। वहीं, पीसीसी सदस्य मुकेश शर्मा ने लगातार बढ़ती महंगाई, डीजल-पेट्रोल और गैस सिलेंडरों के दामों में बढ़ोतरी से आम लोगों पर पड़ रहे अतिरिक्त आर्थिक बोझ पर चिंता जताई। कार्यक्रम की अध्यक्षता ब्लॉक अध्यक्ष नवीन खान और छोटेलाल व्यास ने की।

चलने-फिरने में असमर्थ नितीश यादव ने यूपीएससी में इतिहास रचा

नितीश कुमार यादव ने 847वीं रैंक हासिल कर हौसले की मिसाल पेश की

पाटन, (निसं)। कठिन परिस्थितियों में भी यदि हौसला और आत्मविश्वास मजबूत हो तो कोई भी मंजिल दूर नहीं रहती। इसका जीवंत उदाहरण अहीरवाल क्षेत्र के नांगल चौधरी के गांव खटौटी कला के नितीश कुमार यादव ने पेश किया है। उन्होंने संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में 847वीं रैंक हासिल कर क्षेत्र का नाम रोशन किया है। नितीश कुमार यादव गांव खटौटी कला के पूर्व सरपंच श्रद्धानंद यादव और केला देवी के सुपुत्र हैं।

- महज तीन फीट कद और लगभग 21 किलो वजन के नितीश बचपन से ही गंभीर बीमारी और असहनीय दर्द से जूझते रहे हैं

कार्यक्रम में ग्रामीणों ने नितीश कुमार यादव का सम्मान किया।

महज तीन फुट कद और लगभग 21 किलो वजन के नितीश बचपन से ही गंभीर बीमारी और असहनीय दर्द से जूझते रहे। डॉक्टरों ने परिवार को यहां तक कह दिया था कि नितीश को पूरी जिंदगी दवाइयों के सहारे ही गुजारनी पड़ेगी। बीमारी के कारण वे 12-13 वर्ष की उम्र तक स्कूल भी नहीं जा सके। इसी दौरान गांव के लोगों ने परिवार को सजाड़ा धाम स्थित बाबा त्रिलोक भारती महाराज के शिव मंदिर में जाने की सलाह दी। वहां जाने के बाद नितीश के जीवन में नया आत्मविश्वास जागा और धीरे-धीरे उनका दर्द कम होने लगा। इसके बाद उन्होंने पढ़ाई की शुरुआत की। पढ़ाई के प्रति नितीश की लगन इतनी थी कि उनकी मां उन्हें गोद में उठाकर स्कूल तक लेकर जाती थी। आर्थिक रूप से साधारण परिवार और शारीरिक कठिनाइयों के बावजूद नितीश ने कभी हिम्मत नहीं हारी। उन्होंने लगातार संघर्ष करते हुए संघ लोक सेवा आयोग की परीक्षा में पांच प्रयास किए और आखिरकार 847वीं रैंक हासिल कर अपनी मेहनत और जज्बे का लोहा मनवा दिया। नितीश की सफलता यह साबित करती है कि मजबूत हौसला, विश्वास और निरंतर प्रयास से कोई भी व्यक्ति कठिन से कठिन बाधाओं को पार कर अपने लक्ष्य तक पहुंच सकता है। उनकी इस प्रेरणादायक उपलब्धि पर पूरे क्षेत्र में खुशी की लहर है और उन्हें लगातार बधाइयां मिल रही हैं। नितीश का ननिहाल रामसिंहपुरा में है। रविवार को जब वे अपने ननिहाल पहुंचे तो ननिहाल पक्ष के लोगों ने उन्हें घोड़ी पर बैठाकर डीजे के साथ भव्य जुलूस निकाला। इस अवसर पर सेवानिवृत्त प्रिंसिपल दात्ताराम यादव, पंचायत समिति सदस्य रामस्वरूप यादव, अलीपुर के पूर्व सरपंच अमर सिंह यादव, कृष्ण यादव (शिमला नेवी) सहित कई लोगों ने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम में नितीश की माता केला देवी, ताई सुरेश यादव, पिता श्रद्धानंद यादव, ताऊ हीरानंद यादव, भाजपा नेता प्रमोद सिंह बाजौर, अमित यादव सह संयोजक भाजपा, पूरण मल यादव, नरेंद्र यादव, कैलाश यादव छाजा की नांगल, हवलदार कैलाश यादव (रामसिंहपुरा), महावीर यादव (मिंडाला की ढाणी), पूर्व सरपंच सतपाल यादव, भूप सिंह, सरपंच प्रतिनिधि रामसिंह जागीरदार, हवा सिंह यादव (बल्लुपुरा), रोहिताश यादव सहित गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

डकैती के मामले में फरार आरोपी उदयपुर से गिरफ्तार

पकड़ा गया आरोपी महेश पैरोल पर बाहर आया और कोटा में 36 लाख की डकैती की घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गया था

कोटा, (निसं)। गुमानपुरा पुलिस टीम ने वर्ष 2024 में डकैती के मामले में फरार चल रहे 25 हजार के इनामी आरोपी को उदयपुर से गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी महेश एनडीपीएस प्रकरण में साबरमती कारागृह गुजरात में न्यायिक अभिरक्षा से पैरोल पर फरार चल रहा था, जिस पर गुजरात पुलिस ने भी 5 हजार की इनाम राशि घोषित कर रखी है।

- पुलिस टीम ने पूर्व में कार्रवाई करते हुए चार आरोपी संजीव उर्फ शेरा, अमित भाई, राहुल गुप्ता उर्फ नकटां एवं कमलजीत उर्फ तोती को गिरफ्तार कर सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया था

शहर पुलिस अधीक्षक तेजस्वनी गौतम ने बताया कि 25 नवम्बर 2024 को अज्ञात बदमाशों ने गुमानपुरा इलाके के टीचर्स कॉलोनी में डकैती कर 36 लाख नकद लूटने की वारदात की थी। शहर एसपी ने बताया कि मामले को गंभीरता से लेते हुए पुलिस टीम ने पूर्व में कार्रवाई करते हुए चार आरोपी संजीव उर्फ शेरा को 23 दिसम्बर 2024, आरोपी अमित भाई को 4 जनवरी 2025, आरोपी राहुल गुप्ता उर्फ नकटां एवं कमलजीत उर्फ तोती को 11 फरवरी 2025 को गिरफ्तार किया, सभी आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया। मामले में आरोपी महेश घटना के बाद से फरार हो गया था, जिसकी गिरफ्तारी को लेकर कई बार दबिश दी गई।

वांछित आरोपी पर 25 हजार का इनाम राशि भी घोषित की गई। शहर एसपी ने बताया कि वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी को लेकर चलाये जा रहे अभियान के तहत गुमानपुरा थानाधिकारी महेश कुमार के नेतृत्व में कार्यालय साइबर सेल की संयुक्त टीम का गठन किया गया, गठित टीम ने सूचना पर कार्रवाई करते हुए वर्ष 2024 की डकैती की वारदात में फरार चल रहे आरोपी जिला डूंगरपुर के बासोट निवासी महेश को उदयपुर से गिरफ्तार किया। शहर एसपी ने बताया कि मामले में सामने आया कि पकड़ा गया आरोपी महेश एनडीपीएस के प्रकरण में साबरमती कारागृह गुजरात में न्यायिक अभिरक्षा से पैरोल पर आया और गुमानपुरा टीचर्स कॉलोनी में 36 लाख की डकैती की घटना को अंजाम देने के बाद फरार हो गया था, जिसे पुलिस टीम ने पकड़ा।

शहर एसपी ने बताया कि 25 नवम्बर 2024 को फरियादी विशाल भाई ने गुमानपुरा थाने में रिपोर्ट दी। रिपोर्ट में कहा था कि अपने कमरे पर था, उसी समय तीन व्यक्ति आये थे जिसमें से दो जनो ने पुलिस की वर्दी पहनी हुई थी और एक सिविल में था।

शहर एसपी ने बताया कि रिपोर्ट में कहा था कि उन लोगों ने ड्रग्स बेचने का आरोप लगाते हुए कमरे की तलाशी ली और कमरे में रखा एक बैग जिसमें 36 लाख रूपये थे। रिपोर्ट में कहा कि उन लोगों ने उसको व रूपयों से भरा बैग लेकर बाहर आये, जहां एक ओर जना कार के पास खड़ा था। उन लोगों ने जबरन उसे कार में बैठा लिया और रावतभाटा रोड़ पर उसको कार से उतारकर 36 लाख रूपयों से भरा बैग लेकर फरार हो गये। पुलिस ने मामले में कार्रवाई करते हुए पूर्व में चार आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवा दिया एवं फरार आरोपी को भी गिरफ्तार कर लिया।

आईसीसी टूर्नामेंट्स में भारत की पुरुष और महिला टीमें खिताबी जीत की लय को आगे भी बरकरार रखेंगी। भारत ने हाल में आईसीसी टूर्नामेंटों में लगातार सफलता हासिल की है।
- रोहित शर्मा

पूर्व भारतीय कप्तान, आईसीसी टूर्नामेंट में लगातार जीत को लेकर बोलते हुए।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

विराट कोहली

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली हाल ही में एक मजेदार वीडियो में नजर आए। स दौरान उन्होंने कई दिग्गज खिलाड़ियों के बीच तुलना की और अंत में एक चौंकाने वाला फैसला लिया। आखिरी दौर में जब विराट कोहली के सामने रोहित शर्मा और क्रिस गेल के बीच किसी एक को चुनने की चुनौती आई, तो उन्होंने थोड़ा सोचने के बाद क्रिस गेल को चुना। कोहली और गेल ने आरसीबी के लिए साल 2011 से 2017 तक सात सालों तक साथ में क्रिकेट खेला है।

क्या आप जानते हैं ?... टेस्ट में सबसे बड़ी साझेदारी :1956 में पंकज रॉय और वीनू मांकड ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले विकेट के लिए 413 रन जोड़े थे।

गिल-मंधाना सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी : बिन्नी और द्रविड़ को मिला लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड : विश्वकप विजेता भी सम्मानित

नई दिल्ली, 15 मार्च। बीसीसीआई के नमन अवॉर्ड्स 2026 में शुभमन गिल को 'क्रिकेटर ऑफ द ईयर' और स्मृति मंधाना को सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर का पुरस्कार दिया गया। समारोह में रोजर बिन्नी, राहुल द्रविड़ और मिताली राज को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड के साथ टी20 विश्व कप समेत आईसीसी ट्रॉफी जीतने वाली भारतीय टीमों को भी सम्मानित किया गया।

भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने नई दिल्ली में आयोजित नमन अवॉर्ड्स 2026 समारोह में साल के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों और दिग्गजों को सम्मानित किया। भारत के टेस्ट और वनडे कप्तान शुभमन गिल को बीसीसीआई के प्रतिष्ठित 'पॉली उमरीगर क्रिकेटर ऑफ द ईयर' अवॉर्ड से नवाजा गया। वहीं महिलाओं में स्मृति मंधाना को उनके करियर में पांचवीं बार सर्वश्रेष्ठ महिला क्रिकेटर ऑफ द ईयर का पुरस्कार मिला।

सचिन-अश्विन की बराबरी कर चुके हैं गिल

शुभमन गिल ने यह पुरस्कार दूसरी बार अपने नाम किया। इससे पहले उन्हें 2023 में भी इस सम्मान से नवाजा गया था। दूसरी बार यह अवॉर्ड जीतने के साथ ही गिल ने सचिन तेंदुलकर और रविचंद्रन अश्विन की बराबरी कर ली है, जिन्होंने भी यह पुरस्कार दो-दो बार जीता है। इन तीनों से अधिक बार यह सम्मान विराट कोहली और जसप्रीत बुमराह को मिला है। कोहली पांच बार बीसीसीआई के साल के सर्वश्रेष्ठ क्रिकेटर रह चुके हैं, जबकि बुमराह तीन बार यह अवॉर्ड जीत चुके हैं।

टेस्ट क्रिकेट में किया शानदार प्रदर्शन

26 वर्षीय गिल ने 2025 में टेस्ट और वनडे क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन किया। हालांकि उन्हें टी20 विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम में जगह नहीं मिली थी, लेकिन बाकी दोनों फॉर्मेट में उनका प्रदर्शन बेहद प्रभावशाली रहा। गिल ने 2025 में टेस्ट क्रिकेट में 983 रन बनाए, जिसमें इंग्लैंड के खिलाफ उसकी सरजमीं पर खेली गई सीरीज में 754 रन शामिल रहे। इंग्लैंड के खिलाफ इस टेस्ट सीरीज में उनका औसत 70 से अधिक रहा और उन्होंने कई महत्वपूर्ण पारियां खेलीं।

वनडे और आईपीएल में भी दमदार फॉर्म

वनडे क्रिकेट में भी गिल ने बेहतरीन प्रदर्शन किया और कुल 490 रन बनाए। इसमें भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली मुहिम में बनाए गए 188 रन भी शामिल रहे। अगर सभी फॉर्मेट को मिलाकर देखा जाए तो गिल ने पिछले साल कुल 1,764 रन बनाए, जिनमें सात शतक और तीन अर्धशतक शामिल रहे। उनका औसत करीब 49 रहा। इसके अलावा आईपीएल में गुजरात टाइटंस की कप्तानी करते हुए उन्होंने 650 रन बनाए और लगभग 50 के औसत से बल्लेबाजी की।

बिन्नी, द्रविड़ और मिताली को लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड

नमन अवॉर्ड्स 2026 समारोह में बीसीसीआई ने पूर्व भारतीय खिलाड़ी रोजर बिन्नी और राहुल द्रविड़ को कर्नल सी.के. नायुडू लाइफटाइम अचीवमेंट अवॉर्ड से सम्मानित किया। महिलाओं में यह सम्मान मिताली राज को दिया गया। बिन्नी बीसीसीआई के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं, जबकि द्रविड़ के कोचिंग कार्यकाल में भारत ने 2024 टी20 विश्व कप का खिताब जीता था। मिताली को भारतीय महिला क्रिकेट में उनके योगदान के लिए यह सम्मान दिया गया।

म्हात्रे और हर्ष दुबे को मिला अवॉर्ड

अपनी कप्तानी में अंडर-19 विश्व कप जिताने वाले मुंबई के आयुष म्हात्रे को घरेलू सीमित ओवर टूर्नामेंट में सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर के लिए लाला अमरनाथ अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। वहीं विदर्भ के हर्ष दुबे को 2024-25 रणजी ट्रॉफी सीजन में शानदार प्रदर्शन के लिए सर्वश्रेष्ठ ऑलराउंडर चुना गया।

विश्व कप विजेता टीमों को भी किया गया सम्मानित

नमन अवॉर्ड्स समारोह के दौरान सूर्यकुमार यादव की कप्तानी वाली भारतीय टीम को टी20 विश्व कप जीतने के लिए सम्मानित किया गया। इसके अलावा उन सभी पांच भारतीय टीमों को भी सम्मानित किया गया जिन्होंने हाल के वर्षों में आईसीसी ट्रॉफी अपने नाम की हैं। इनमें पुरुष टी20 विश्व कप विजेता टीम, महिला विश्व कप 2025 की विजेता टीम, चैंपियंस ट्रॉफी 2025 विजेता टीम, अंडर-19 विश्व कप 2026 विजेता टीम और महिला अंडर-19 टी20 विश्व कप 2025 विजेता भारतीय टीम शामिल हैं।

पावरप्ले में ही मैच छीन सकते हैं संजू : गंभीर

नई दिल्ली, 15 मार्च। टी-20 विश्व का खिताब भारतीय टीम ने जीत लिया था और अब खिलाड़ी आईपीएल 2026 की तैयारियों में जुट गए हैं। इस बीच भारतीय टीम के मुख्य कोच गौतम गंभीर ने बताया है कि लगातार रन बनाने के लिए जूझ रहे अभिषेक शर्मा पर किस तरह भरोसा कायम रहा। वहीं, कोच ने संजू सैमसन को प्लेइंग-11 में शामिल करने की वजह का खुलासा भी किया।अभिषेक टूर्नामेंट के पहले तीन मैच में खाता भी नहीं खोल पाए थे लेकिन उन्होंने इसके बाद दो अर्धशतक लगाए जिनमें फाइनल में लगाया गया अर्धशतक भी शामिल है। अभिषेक की खराब फॉर्म को देखकर यह चर्चा भी उठने लगी थी कि क्या इस सलामी बल्लेबाज को प्लेइंग-11 से बाहर बैठाया जाएगा? लेकिन टीम प्रबंधन ने अभिषेक पर भरोसा कायम रखा और फाइनल में उन्होंने अपना दिखाया जिससे टीम न्यूजीलैंड को हराकर खिताब बरकरार रखने में सफल रही। गंभीर ने सैमसन की भी जमकर तारीफ की। आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप के अंतिम चरण में सैमसन ने शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने सेमीफाइनल और फाइनल में तूफानी अंदाज में अर्धशतक जड़कर भारत को रिकॉर्ड तीसरी बार खिताब जीतने में मदद की। गंभीर ने कहा कि जब संजू सैमसन अपनी फॉर्म में होते हैं तो वह पावरप्ले में ही विपक्षी टीम से मैच छीन सकते हैं। गंभीर ने कहा, हम जानते हैं कि संजू क्या कर सकता है। उसकी प्रतिभा और विस्फोटक बल्लेबाजी पर कभी कोई संदेह नहीं था। अगर वह लय में आ जाए तो पहले छह ओवरों में ही मैच जिता सकता है। सैमसन का विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था और इसलिए उन्हें आईसीसी टूर्नामेंट के शुरुआती मैचों में अंतिम एकादश में जगह नहीं मिली थी। लेकिन जिम्बाब्वे के खिलाफ करो या मरो के मैच में मौका मिलने पर सैमसन ने 15 गेंदों में 24 रन बनाकर लय हासिल की और इसके बाद अगले तीन मैच में नाबाद 97, 89 रन और 89 रन बनाए। गंभीर ने कहा, मैंने उसे जिम में यह बात बताई। दरअसल हम दोनों साथ में ट्रेनिंग कर रहे थे और मैंने उसे बस इतना बताया कि तुम जिम्बाब्वे के खिलाफ खेलोगे और उसने कहा कि ठीक है। हमारी बातचीत कुछ इसी तरह से अनौपचारिक होती है। यह किसी मुख्य कोच और खिलाड़ी के रिश्ते जैसा नहीं है। यह एक ऐसा रिश्ता है जिसमें हमारी आमने-सामने की अधिकतर बातचीत अभ्यास सत्रों के दौरान होती है।

कोई टीम संस्था से बड़ी नहीं : जय शाह

नई दिल्ली, 15 मार्च। टी20 विश्व कप 2026 अब खत्म हो चुका है और भारतीय टीम इसकी चैंपियन बनी है। लेकिन टूर्नामेंट शुरू होने से पहले बांग्लादेश और पाकिस्तान ने किस तरह रंग में भंग डालने की कोशिश की थी, ये किसी से छिपा हुआ नहीं है। अब आईसीसी अध्यक्ष जय शाह ने इशारों में इस मामले पर बयान दिया है। उन्होंने किसी का नाम नहीं लिया, लेकिन स्पष्ट रूप से कहा कि संस्था से बढ़कर कोई टीम नहीं है।शाह ने पाकिस्तान और बांग्लादेश का नाम लिए बिना कहा, यह आईसीसी विश्व कप बहुत महत्वपूर्ण था क्योंकि टूर्नामेंट शुरू होने से पहले इस बात को लेकर काफी चर्चा थी कि कुछ टीमें भाग लेंगी या नहीं और विश्व कप का आयोजन कैसे होगा। आईसीसी अध्यक्ष के तौर पर मैं कह सकता हूं कि कोई भी टीम संगठन से बड़ी नहीं होती और कोई एक टीम संगठन नहीं बनाती। संस्था सभी टीमों का संयोजन होता है।

ट्वंटी-20 विश्वकप के हीरो संजू सैमसन का होगा शाही सम्मान

केरल सरकार आधिकारिक रूप से सम्मानित करेगी

नई दिल्ली, 15 मार्च। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद पुरुष टी20 विश्व कप में भारत की ऐतिहासिक जीत के सूत्रधारों में से एक और प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का खिताब जीतने वाले संजू सैमसन का केरल सरकार भव्य नागरिक अभिनंदन करने जा रही है। सोमवार को राज्य की राजधानी तिरुवनंतपुरम में एक आधिकारिक समारोह आयोजित किया जाएगा। राज्य के खेल मंत्री वी अब्दुरहीमान ने एक बयान में बताया कि यह सम्मान समारोह सेंट्रल स्टेडियम में शाम चार बजे आयोजित किया जाएगा। बयान में बताया गया कि केरल के

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन इस समारोह का उद्घाटन करेंगे तथा खेल मंत्री, मुख्य सचिव और अन्य वरिष्ठ अधिकारी इसमें शामिल होंगे। तटीय कस्बे विझिंजम के रहने वाले सैमसन ने शानदार बल्लेबाजी कर टूर्नामेंट में भारत की जीत सुनिश्चित करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। बयान में कहा गया कि यह विश्व कप केरल के इस क्रिकेटर के लिए प्रदर्शन में थोड़ी गिरावट के बाद जोरदार वापसी का भी प्रतीक रहा। इसमें कहा गया कि खेल विभाग ने उन्हें सम्मानित करने के लिए व्यापक तैयारियां की हैं। यह सम्मान समारोह संजू की उस मेहनत और अटूट विश्वास का प्रमाण है, जिसके दम पर उन्होंने राष्ट्रीय टीम में अपनी जगह पक्की की। खेल विशेषज्ञों का मानना है कि संजू की यह सफलता केरल के उभरते हुए युवा खिलाड़ियों के लिए एक बड़ी प्रेरणा बनेगी।

आरसीबी के तेज गेंदबाज यश दयाल ने शादी की

नई दिल्ली, 15 मार्च। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के तेज गेंदबाज यश दयाल ने कंटेंट क्रिएटर श्वेता पुंडीर से शादी कर ली है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक दोनों ने 4 फरवरी को उत्तर प्रदेश के नोएडा में परिवार और करीबी दोस्तों की मौजूदगी में सात फेरे लिए थे। शादी में क्रिकेट जगत से किसी के शामिल होने की खबर नहीं है।

ऑफिसर्स व एडवोकेट्स के बीच एकदिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित

जयपुर 15 मार्च। रामचन्द्र कासलीवाल की स्मृति में जुडिसी 6 ऑफिसर्स व एडवोकेट्स के बीच एक दिवसीय क्रिकेट टूर्नामेंट आयोजित किया गया जिसमे हाइकोर्ट बार एसोसिएशन व न्यायाधीश ने भी अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। सुबोध कॉलेज के खेल परिसर में न्यायाधीश ने बल्लेबाजी ब गेंदबाजी कर टूर्नामेंट की शुरुआत की।

इंडियन वेल्स सेमीफाइनल में अल्काराज हारे

कैलिफोर्निया, 15 मार्च। कैलिफोर्निया में चल रहे इंडियन वेल्स ओपन में बड़ा उलटफेर देखने को मिला है। वर्ल्ड नंबर-1 टेनिस खिलाड़ी कार्लोस अल्काराज को मेन्स सिंगल्स के सेमीफाइनल में हार का सामना करना पड़ा है। रूस के डेनियल मेदवेदेव ने अल्काराज को सीधे सेटों में हराकर टूर्नामेंट से बाहर कर दिया। अल्काराज ने साल के पहले ग्रैंड स्लैम ऑस्ट्रेलिया ओपन अपने नाम किया था। वहीं, विमेंस सिंगल्स में टॉप सीड आर्यना सबालेंका ने अपना शानदार फॉर्म जारी रखते हुए फाइनल में जगह बना ली है। अब खिताब के लिए उनका मुकाबला एलिना रायबाकिना से होगा मेदवेदेव ने अल्काराज को संभलने का मौका नहीं दिया मेन्स सिंगल्स के पहले सेमीफाइनल में डेनियल मेदवेदेव और कार्लोस अल्काराज 6-3, 7-6(3) से हराया। रूसी खिलाड़ी ने पहले सेट में शुरुआती ब्रेक लेकर मैच पर नियंत्रण बना लिया और पहला सेट 6-3 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में अल्काराज ने वापसी की कोशिश की और खेल को टाई-ब्रेकर तक खींच ले गए। हालांकि, टाई-ब्रेक में मेदवेदेव ने अपने अनुभव का इस्तेमाल करते हुए 7-6(3) से जीत दर्ज की और फाइनल का टिकट पक्का किया।

द. अफ्रीका ने न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हराया

नई दिल्ली, 15 मार्च। साउथ अफ्रीका ने पहले टी-20 मैच में न्यूजीलैंड को 7 विकेट से हरा दिया। इसके साथ प्रोटियाज टीम ने टी-20 वर्ल्ड कप 2026 के सेमीफाइनल में मिली हार का बदला भी ले लिया। 15 मार्च को माउंट माउंगानुई के बे ओवल मैदान पर खेले गए इस मुकाबले में न्यूजीलैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया, लेकिन यह निर्णय टीम के लिए सही साबित नहीं हुआ। कीवी टीम 14.3 ओवर में सिर्फ 91 रन पर ऑलआउट हो गई। इंटरनेशनल टी-20 में यह न्यूजीलैंड का 10वां सबसे छोटा स्कोर है।

जवाब में साउथ अफ्रीका ने 16.4 ओवर में 3 विकेट खोकर टारगेट हासिल कर लिया और सीरीज में 1-0 बढ़त हासिल कर ली। सीरीज का दूसरा मुकाबला 17 मार्च को हैमिल्टन में खेला जाएगा। इस मुकाबले में न्यूजीलैंड के लिए जेम्स नीशम ने सबसे ज्यादा 21 गेंदों पर 26 रन बनाए। उनके अलावा कप्तान मिचेल सैंटनर ने 19 गेंदों पर 15 रन, कोल मैकॉन्ची ने 11 गेंदों पर 15 रन और बेवॉन जैकब्स ने 7 गेंदों पर 10 रन की पारी खेली। हालांकि टीम के सात बल्लेबाज दहाई के आंकड़े तक भी नहीं पहुंच सके। न्यूजीलैंड के लिए सबसे बड़ी साझेदारी 7वें विकेट के लिए हुई, जब नीशम और मैकॉन्ची ने 17 गेंदों में 26 रन जोड़े। साउथ अफ्रीका के लिए डेब्यू कर रहे नकोबानी मोकोएना ने 3.3 ओवर में 26 रन देकर सबसे ज्यादा 3 विकेट लिए।

वहीं जेराल्ड कूट्जी और ओटनील बार्टमैन ने 3-3 ओवर में 2-2 विकेट झटके। स्पिनर केशव महाराज ने भी किफायती गेंदबाजी करते हुए 4 ओवर में 25 रन देकर 2 विकेट हासिल किए। इसके अलावा डियान फॉरेस्टर ने 1 ओवर में सिर्फ 4 रन दिए, हालांकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला। 92 रन का टारगेट साउथ अफ्रीका ने 16.4 ओवर में हासिल कर लिया। कॉनर एस्टरहुइजन ने साउथ अफ्रीका के लिए सबसे ज्यादा 45 रन बनाए। वह नाबाद रहे। डियान फॉरेस्टर 16 रन बनाकर नॉट आउट रहे। न्यूजीलैंड के लिए 1-1 विकेट काइल जैमीसन, जकारी फाउल्केस और मिचेल सैंटनर ने लिए।

बुमराह तेज गेंदबाजी के उस्मान तारिक : पाक सिलेक्टर

नई दिल्ली, 15 मार्च। पाकिस्तान के चीफ सिलेक्टर आकिब जावेद ने भारतीय पेसर जसप्रीत बुमराह की तुलना अपने देश के स्पिनर उस्मान तारिक से की है। आकिब ने शनिवार को लाहौर में कहा- बुमराह का गेंदबाजी एक्शन अलग है, जिसकी वजह से बल्लेबाज उनके खिलाफ लय में नहीं आ पाते। जावेद के इस बयान पर भारतीय फैंस भड़क गए हैं और आकिब जावेद को क्रिकेट का जॉनी लीवर बताया। यूजर्स ने कहा कि दोनों के एक्सपीरियंस और अचीवमेंट में बड़ा अंतर है। यह प्रेस कॉन्फ्रेंस इसलिए भी खास रही, क्योंकि इसमें पूरी चयन समिति मौजूद थी। जबकि किसी नई टीम का ऐलान नहीं होना था। इस बैठक का मकसद टीम और चयन समिति पर हो रही आलोचना का जवाब देना था। बाद में पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड के चेयरमैन मोहसिन नकवी ने चयन समिति के सदस्यों से मुलाकात कर उन पर पूरा भरोसा जताया। भारत और श्रीलंका की मेजबानी में हुए टी20 वर्ल्ड कप में भारत ने खिताब जीता था। टीम की जीत में बुमराह की गेंदबाजी ने अहम भूमिका निभाई, खासकर सेमीफाइनल और फाइनल में उनके प्रदर्शन निर्णायक रहे। दूसरी ओर पाकिस्तान के स्पिनर उस्मान तारिक का टूर्नामेंट ज्यादा प्रभावी नहीं रहा। पाकिस्तान की टीम सुपर-8 चरण में ही बाहर हो गई और सेमीफाइनल तक नहीं पहुंच सकी। उनका नाम टॉप-5 विकेट टेकर्स में तक नहीं था। टी-20 वर्ल्ड कप से पाकिस्तान के बाहर होने पर आकिब जावेद ने कहा- फैंस और मीडिया को बली का बकर ढूंढना बंद कर देना चाहिए। जावेद ने टीम और सिलेक्शन कमेटी का बचाव करते हुए कहा- टीम टूर्नामेंट में सिर्फ एक मैच हारी और नेट रन रेट के कारण बाहर हो गई।

फॉर्मला वन का बड़ा फैसला, ईरान युद्ध के खतरे के बीच बहरीन और सऊदी अरब की रेस कैंसिल

नई दिल्ली, 15 मार्च। फॉर्मूला वन और उसकी संचालन संस्था फिया ने कहाहै कि ईरान युद्ध से जुड़ी सुरक्षा चिंताओं के कारण अप्रैल में बहरीन और सऊदी अरब में होने वाली ग्रां प्री रेस नहीं होंगी। अमेरिका और इजराइल द्वारा हमले शुरू करने के बाद ईरान ने जवाबी कार्रवाई करते हुए इन दोनों देशों पर हमले किए हैं। यह घोषणा रविवार सुबह शंघाई में चीन ग्रां प्री से पहले की गई। एफवन ने कहा, ''पश्चिम एशिया क्षेत्र में चल रही स्थिति के कारण बहरीन और सऊदी अरब की ग्रां प्री अप्रैल में नहीं होंगी।'' उन्होंने कहा, ''हालांकि कई विकल्पों पर विचार किया गया लेकिन अंततः यह तय किया गया कि अप्रैल में होने वाले रेस के स्थान में बदलाव नहीं होगा।'' एफवन रेस 12 अप्रैल को बहरीन में और 19 अप्रैल को सऊदी अरब के शहर जेद्दा में होनी थी। एफवन के अध्यक्ष और सीईओ स्टेफानो डोमेनिकाली ने कहा, ''हालांकि यह एक मुश्किल फ़ैसला था लेकिन दुर्भाग्य से पश्चिम एशिया की मौजूदा स्थिति को देखते हुए इस समय यह सही फैसला है।'' फिया ने कहा कि ये दोनों रेस 'अप्रैल में नहीं होंगी' और इनकी जगह कोई दूसरी रेस आयोजित नहीं की जाएगी। फिया के अध्यक्ष मोहम्मद बेन सुलेयम ने कहा, ''फिया हमेशा हमारे समुदाय और सहकर्मियों की सुरक्षा और भलाई को सबसे पहले रखेगी। सावधानीपूर्वक विचार करने के बाद हमने इस जिम्मेदारी को पूरी तरह से ध्यान में रखते हुए यह फैसला किया है।''

सरफराज का क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास

नई दिल्ली, 15 मार्च। भारत के खिलाफ आईसीसी के दो प्रमुख टूर्नामेंट के फाइनल में जीत हासिल करने वाले एकमात्र पाकिस्तानी कप्तान विकेटकीपर-बल्लेबाज सरफराज अहमद ने रविवार को क्रिकेट के सभी प्रारूपों से संन्यास ले लिया। सरफराज ने अपना अंतिम अंतरराष्ट्रीय मैच दिसंबर 2023 में पर्थ में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट मैच के रूप में खेला था। उन्होंने पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) के बयान में संन्यास लेने की घोषणा की। बोर्ड के एक सूत्र ने बताया कि सरफराज के संन्यास लेने की औपचारिक घोषणा के बाद अब पीसीबी उन्हें लंबी अवधि के लिए राष्ट्रीय टेस्ट टीम का मुख्य कोच नियुक्त कर सकता है।

पीसीबी ने ऑलराउंडर अजहर महमूद का अनुबंध समाप्त कर दिया था जिसके बाद से टेस्ट टीम के मुख्य कोच का पद खाली पड़ा है। महमूद ने पिछले साल टेस्ट टीम के अंतरिम मुख्य कोच के रूप में कार्य किया था। मई में 39 वर्ष के होने वाले सरफराज को हाल में पाकिस्तान अंडर-19 और शाहीन टीमों का मेंटोर (मार्गदर्शक) और मैनेजर नियुक्त किया गया था। सरफराज ने अपना आखिरी प्रथम श्रेणी मैच पिछले साल अक्टूबर ने खेला था।

उन्होंने कहा कि वह अपनी अन्य भूमिकाओं पर ध्यान केंद्रित करना चाहते हैं। उन्होंने कहा, ''मैंने कभी सपने में भी नहीं सोचा था कि मैं पाकिस्तान की तीनों प्रारूप में कप्तानी करूंगा तथा 2006 में आईसीसी अंडर-19 विश्व कप और 2017 में चैंपियंस ट्रॉफी जीतूंगा। ये मेरे लिए अविस्मरणीय क्षण रहे हैं।'' सरफराज ने पाकिस्तान की तरफ से 54 टेस्ट, 117 वनडे और 61 टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेले हैं। उन्होंने तीनों प्रारूप में 100 अंतरराष्ट्रीय मैचों में कप्तानी भी की है।

जयपुर पोलो सीजन 2026

पद्मनाभ सिंह के बेहतरीन 7 गोलों की बदौलत टीम जयपुर बनी विजेता

जयपुर, 15 मार्च। जयपुर पोलो सीजन 2026 के अंतर्गत रविवार को राजस्थान पोलो क्लब ग्राउंड पर श्री सीमेंट कप (आउट ऑफ हैट) टूर्नामेंट का रोमांचक फाइनल खेला गया। यह मुकाबला टीम जयपुर और नाहरगढ़ के बीच हुआ। इस टक्कर में जयपुर ने 9-4.5 के स्कोर से नाहरगढ़ को शिकस्त देकर कप अपने नाम कर लिया। इस अवसर पर ज्वाइंट वाईस प्रेसिडेंट, जोनल हेड नॉर्थ, श्री सीमेंट, अमिताभ सिहाग मुख्य अतिथि रहे और विजेता टीम को ट्रॉफी प्रदान की। विजेता टीम जयपुर से महाराजा सवाई पद्मनाभ सिंह ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए अकेले 7 गोल अर्जित किए। वहीं, प्रताप सिंह कानोता ने 2 गोल किए। टीम से नरेंद्र सिंह और रघुराम हरि भी खेले। दूसरी ओर, टीम नाहरगढ़ से तरुण बिलवाल और विशाल सिंह राठौड़ ने 2-2 गोल किए। टीम से खेलने वाले अन्य खिलाड़ियों में विग्रहराज सिंह कोठारिया और दिव्यमान सिंह डूंगोद शामिल थे। यहां टीम नाहरगढ़ को आधे गोल का एडवांटेज भी प्राप्त हुआ।

दिन की शुरुआत दौड़ से करने से सकारात्मक सोच विकसित होती है- भजनलाल

मुख्यमंत्री ने ''विकसित राजस्थान रन-2026'' में प्रतिभागियों के साथ दौड़ लगाई

जयपुर, 15 मार्च। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि नियमित दौड़ लगाना स्वस्थ जीवन का मूल मंत्र है। दिन की शुरुआत दौड़ के साथ करने से पूरे दिन ऊर्जा बनी रहती है, स्वास्थ्य ठीक रहता है और सकारात्मक सोच विकसित होती है। देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा प्रारम्भ किए गए फिट इंडिया अभियान ने देशवासियों को स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया है।

शर्मा ने युवाओं से अपील करते हुए कहा कि वे स्वस्थ दिनचर्या का पालन करते हुए फिट रहें तथा प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान दें, जिससे प्रदेश नई ऊंचाइयों को छू सके। अगर प्रदेशवासी एक कदम आगे बढ़ेंगे, तो राजस्थान कई गुना आगे बढ़ेगा।

शर्मा राजस्थान दिवस के उपलक्ष्य पर आयोजित हो रहे कार्यक्रमों की श्रृंखला में रविवार को जयपुर में अमर जवान ज्योति से 'विकसित राजस्थान रन-2026' कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस अवसर पर उन्होंने प्रदेशभर में आयोजित 'विकसित राजस्थान रन' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार द्वारा युवाओं के सशक्तीकरण के लिए ठोस कदम उठाए गए हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने रविवार को राजस्थान दिवस समारोह के तहत अमर जवान ज्योति से आयोजित हुई 'विकसित राजस्थान रन-2026' में प्रतिभागियों के साथ दौड़ लगाई।

- **मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने युवाओं से अपील की कि वे स्वस्थ दिनचर्या का पालन करते हुए फिट रहें तथा प्रदेश के विकास में सक्रिय योगदान दें।**

युवाओं के लिए हमारी सरकार युवा नीति लाई है। युवाओं को ब्याज मुक्त ऋण दिया जा रहा है, जिससे उद्यिमता को बढ़ावा मिले और युवा रोजगार प्रदाता भी बनें।

उन्होंने युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि आप अपने सपनों की उड़ान के लिए तैयार रहिए, राज्य सरकार आपके सपनों को साकार करने में हरसंभव मदद करेगी।

मुख्यमंत्री ने प्रतिभागियों के साथ दौड़ में हिस्सा लेकर उनका उत्साहवर्धन भी किया। इस दौरान मुख्य सचिव वी. श्रीनिवास सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी और बड़ी संख्या में प्रतिभागी व आमजन मौजूद रहे।

नेपाल में बस पलटने से 7 भारतीय श्रद्धालुओं की मौत

काठमांडू, 15 मार्च। बड़ी खबर नेपाल से सामने आई है। यहां भारतीय श्रद्धालुओं को लेकर जा रही एक बस खाई में पलट गई है। यह हादसा मध्य नेपाल इलाके में हुआ है। प्राप्त जानकारी के मुताबिक इस हादसे में सात लोगों की मौत हो गई है, जबकि कई अन्य लोग घायल हैं। पुलिस ने इस हादसे के बारे में जानकारी देते हुए बताया है कि सूचना मिलते ही रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया गया। फिलहाल घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है। पुलिस मामले की जांच में जुटी हुई है।

- **मनकामना मंदिर से लौट रही बस अनियंत्रित होकर सड़क के नीचे खाई में गिरी।**

पुलिस ने बताया कि यह घटना शनिवार को नेपाल के गंडकी प्रांत में हुई। तीर्थयात्रियों को ले जा रही एक बस मनकामना मंदिर से लौट रही थी। गोरखा जिले में बस अचानक अनियंत्रित हो गई और सड़क से नीचे खाई में गिर गई। गोरखा जिले के जिला यातायात पुलिस कार्यालय के प्रमुख सूरज आर्यल ने बताया कि मृतकों में दो महिलाएं और पांच पुरुष शामिल हैं। उन्होंने बताया कि सभी मृतक भारतीय नागरिक हैं। सात यात्रियों को बचा लिया गया है। सभी घायलों को आंबुखैरेनी के एक अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उनका इलाज किया जा रहा है।

ईरान में फंसे 20 भारतीय छात्र सुरक्षित लौटे

ये सभी सड़क मार्ग से अर्मेनिया, फिर हवाई जहाज से दुबई होते हुए दिल्ली पहुँचे

नई दिल्ली, 15 मार्च। ईरान में जंग जैसे हालात के बीच फंसे भारतीयों के लिए एक बड़ी और राहत भरी खबर है। 70 से ज्यादा भारतीय छात्रों और टूरिस्ट का पहला जत्था रविवार सुबह सुरक्षित नई दिल्ली लौट आया है।

जम्मू-कश्मीर छात्र संघ (जेकेएसए) ने इस बात की पुष्टि की है कि ये छात्र अर्मेनिया के रास्ते भारत पहुंचे हैं। इस खबर से उन परिवारों ने बड़ी राहत की सांस ली है जो लंबे समय से संघर्षग्रस्त क्षेत्र में अपने बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंतित थे।

छात्रों की वतन वापसी का यह सफर आसान नहीं था। जेकेएसए के राष्ट्रीय संयोजक नासिर खुएहामी के अनुसार, छात्रों ने ईरान के अलग-अलग शहरों से बॉर्डर पार कर अर्मेनिया तक बसों के जरिए एक लंबी और चुनौती भरी सड़क यात्रा की।

- **वापस आने वाले अधिकतर छात्र जम्मू-कश्मीर के हैं। यूनिवर्सिटी ऑफ मैडिकल साइंसेज में पढ़ाई कर रहे थे।**

इसके बाद उन्होंने येरेवान के ज्वार्टनोट्स इंटरनेशनल एयरपोर्ट से दुबई के लिए फ्लाइट ली। दुबई से एक और कनेक्टिंग फ्लाइट के जरिए रविवार सुबह करीब 9:45 बजे ये छात्र दिल्ली के आईजीआई एयरपोर्ट पर उतरे। छात्रों के इस पहले जत्थे की वापसी कमर्शियल उड़ानों के जरिए संभव हो सकी है।

वतन वापस लौटने वाले ज्यादातर छात्र जम्मू-कश्मीर के हैं, जो उर्मिया यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज और तेहरान यूनिवर्सिटी ऑफ मेडिकल साइंसेज सहित ईरान की अलग-अलग यूनिवर्सिटी में पढ़ाई कर रहे थे। जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री के निर्देश पर आईजीआई एयरपोर्ट के टर्मिनल 3 के एग्जिट गेट के पास एसी स्लीपर बसें तैनात की गई थीं, ताकि छात्र आराम से अपने घर लौट सकें।

राष्ट्रपति अयोध्या में श्रीराम यंत्र की स्थापना करेंगी

अयोध्या, 15 मार्च। रामनगरी अयोध्या में एक बार फिर ऐतिहासिक और आध्यात्मिक उत्सव की तैयारियां जोरों पर हैं। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में 19 मार्च को श्रीराम यंत्र की विधिवत् स्थापना होगी। इस कार्यक्रम में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। यह कार्यक्रम चैत्र नवरात्र के पहले दिन, यानी वर्ष प्रतिपदा के शुभ अवसर पर आयोजित हो रहा है, जो हिंदू नववर्ष की शुरुआत का प्रतीक है। उत्तर प्रदेश सरकार और श्री राम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट ने इस आयोजन को अत्यंत भव्य बनाने की रूपरेखा तैयार की है।

श्रीराम जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र के महासचिव चम्पतराय ने बताया कि श्रीराम यंत्र दो वर्ष पूर्व जगद्गुरु शंकराचार्य विजयेंद्र सरस्वती महाराज द्वारा शोभायात्रा के माध्यम से अयोध्या भेजा गया था। वैदिक गणित और ज्यामितीय आकृतियों पर आधारित यह यंत्र देवताओं का निवास माना जाता है, जो सकारात्मक ऊर्जा आकर्षित करने की क्षमता रखता है। वर्तमान में इस यंत्र की राजा राम के समक्ष नियमित पूजा-अर्चना चल रही है। इसकी स्थापना के नौ दिवसीय वैदिक अनुष्ठान पहले से ही शुरू हो चुके हैं। उन्होंने बताया कि लगभग सात हजार लोग इस ऐतिहासिक समारोह में मौजूद रहेंगे।

- **यह कार्यक्रम 19 मार्च को आयोजित होगा।**

कार्यक्रम में उत्तर प्रदेश और उत्तराखंड के लगभग 300 संत व महापुरुष शामिल होंगे। केरल की पूज्य माता अमृतानंदमयी अपने एक हजार भक्तों के साथ ट्रेन से अयोध्या पहुंचेंगी। मंदिर निर्माण में महत्वपूर्ण योगदान देने वाले संभ्रांत व्यक्तियों को भी विशेष निमंत्रण भेजा गया है। इनमें एलएंडटी, टाटा कंपनी के प्रतिनिधि, गुजरात के आर्किटेक्ट चंद्रकांत भाई का परिवार और परिसर विकास में भूमिका निभाने वाले अन्य विशेषज्ञ शामिल हैं। ट्रस्ट के महासचिव चंपत राय के अनुसार, पत्थर-लकड़ी-संगमरमर की नक्काशी करने वाले, खंभों पर मूर्तियां उकेरने वाले, भगवान की प्रतिमा बनाने वाले और वस्त्र तैयार करने वाली फर्मों के लगभग 1800 कार्यकर्ता भी आमंत्रित किए गए हैं।

उरी सैक्टर में घुसपैठ करता पाकिस्तानी आतंकवादी मारा गया

श्रीनगर, 15 मार्च। सेना ने जम्मू-कश्मीर के उरी सेक्टर में नियंत्रण रेखा पर घुसपैठ की कोशिश को नाकाम करते हुए एक पाकिस्तानी आतंकवादी मार गिराया। सेना की श्रीनगर स्थित चिनार कोर ने अपने एक्स हैंडल पर पोस्ट किया, ''घुसपैठ के प्रयास के संबंध में जम्मू कश्मीर पुलिस द्वारा प्रदान किए गए एक विशिष्ट खुफिया इनपुट के आधार पर, 14-15 मार्च 26 की मध्यरात्रि को जनरल क्षेत्र बुचर, उरी सेक्टर में एक संयुक्त अभियान शुरू किया गया था।

राहुल गांधी ने कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग की

नई दिल्ली, 15 मार्च। लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने बहुजन समाज के नेता कांशीराम की जयंती पर उनको मरणोपरांत भारत रत्न देने की मांग की है। राहुल गांधी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को आधिकारिक पत्र लिखकर कहा कि कांशीराम ने भारतीय राजनीति की प्रकृति को बदलने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने अपने आंदोलनों के माध्यम से बहुजनों और गरीबों के बीच राजनीतिक जागरूकता बढ़ाई।

राहुल गांधी ने कहा कि भारतीय संविधान सभी नागरिकों को समानता, गरिमा और भागीदारी का अधिकार देता है। कांशीराम ने समाज के सबसे निचले तबके तक इन अधिकारों को सार्थक बनाने के लिए अपना जीवन समर्पित किया। इससे भारतीय लोकतंत्र की नींव मजबूत हुई और राजनीतिक व्यवस्था अधिक प्रतिनिधिक तथा न्यायपूर्ण बनी। उन्होंने कहा कि कई वर्षों से दलित बुद्धिजीवी, नेता और सामाजिक कार्यकर्ता कांशीराम को भारत रत्न देने की मांग करते रहे हैं।

राहुल गांधी ने कहा कि कांशीराम को मरणोपरांत भारत रत्न देने से राष्ट्र के प्रति उनके विशाल योगदान को मान्यता मिलेगी और उन लाखों लोगों की आकांक्षाओं का सम्मान होगा, जो उन्हें सशक्तिकरण और आशा के प्रतीक के रूप में देखते हैं।

केरल, ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ऐसे में पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 राज्य की राजनीति की दिशा तय करने वाला महत्वपूर्ण चुनाव माना जा रहा है।

कई जिलों ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हल्की बारिश हो सकती है। 19-20 मार्च को इसका प्रभाव अधिक रहने तथा जोधपुर, बीकानेर, अजमेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कुछ हिस्सों में तेज आंधी और बारिश की संभावना जताई गई है।

जयपुर में रविवार को बादल छाए रहने और हल्की धूप निकलने से अधिकतम तापमान 35.7 डिग्री तथा न्यूनतम तापमान 22.7 डिग्री दर्ज किया गया।

देश की ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

चुनाव लड़ना तय है। गोवा, कर्नाटक, नगालैंड और त्रिपुरा की पांच सीटों पर 9 अप्रैल को वोटिंग होनी है। महाराष्ट्र और गुजरात की तीन सीटों पर दूसरे चरण में मतदान होंगे। यहां 23 अप्रैल को वोटिंग होगी और 4 मई को नतीजों का ऐलान होगा।

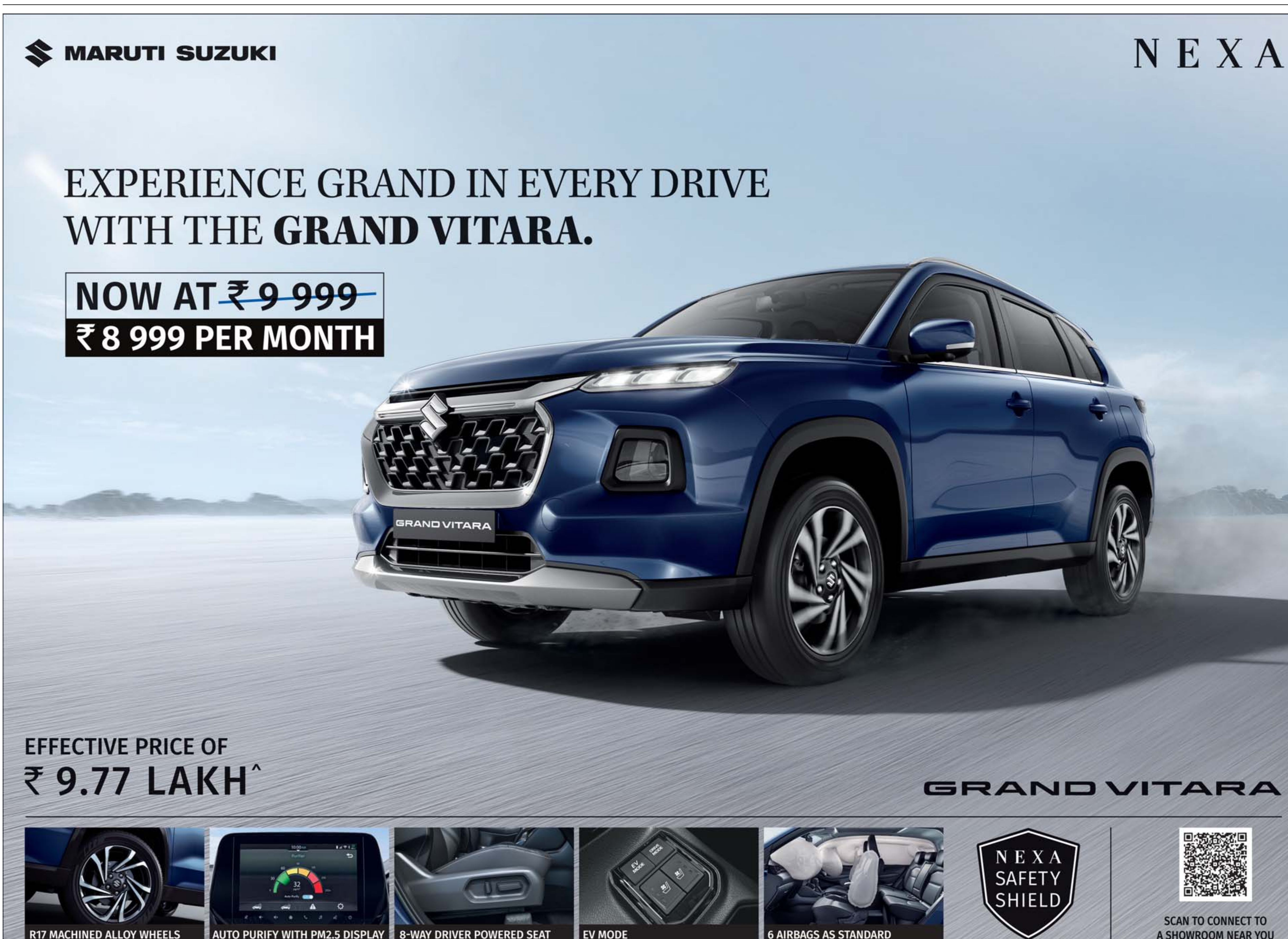

T&C available at your nearest dealership. Creative visualization. Images used are for illustration purposes only. For details on safety features (including airbags), refer owner's manual. NEXA dealers exclusively provide all offers, which vary by model and variant. Offers are subject to availability of stock. ^Ex. showroom Price of ₹ 10.77 lakh, Consumer Offer (-) ₹ 25 000, Additional Booking Offer (-) ₹ 10 000, Exchange Bonus (-) ₹ 35 000, Upgrade Bonus (-) ₹ 20 000, Key Corporate Offer (-) ₹ 10 000 = ₹ 9.77 lakh. The actual effective price mentioned may vary based on the customer's eligibility, profile, and applicable offers at the time of purchase. Offer valid on Grand Vitara Sigma Variant. Maruti Suzuki may withdraw offers without notice. Offer valid till limited period. Features and accessories shown may not be part of the standard fitment. 'EMI @ Rs 8 999' is a scheme illustration for upgrade from Brezza to Grand Vitara Sigma variant. Balloon Finance EMI is calculated @ 9.5% rate of interest; Balloon EMI is 30% of the total loan amount and loan tenure of 5 years. Balloon Finance Scheme provided by select financiers.

राष्ट्रदूत (एचयूएफ) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा राष्ट्रदूत प्रेस, जी1/63 इंडस्ट्रीयल एरिया फेस प्रथम, जालौर, (राज.) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-राजेश शर्मा, आर.एन.आई. नं. RAJHIN/2006/17286 जयपुर कार्यालय: सुधर्मा एम.आई.रोड, जयपुर। फोन: 2372634, 4103333-34, फैक्स : 0141-2373513, कोटा कार्यालय : पलायथा हाऊस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन: 2386031, 2386032,फैक्स:0744-2386033, बीकानेर कार्यालय : कुम्भाना हाऊस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन: 2200660, फैक्स 0151-2527371, उदयपुर कार्यालय: आयड मैन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, फैक्स : 0294-2410146, अजमेर कार्यालय: राष्ट्रदूत भवन, चुंगी नाका के पास, अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन226422,226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय : एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन : 256906, 256907, फैक्स: 01562-256908